भूगोल विभाग
पृथ्वी विज्ञान संकाय
मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

विश्व जल दिवस, 22 मार्च 2024

दिनांक 21 मार्च 2024 को भूगोल विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय तथा उदयपुर वाटर फॉरम, सिटिजन साइंस लेब–DANIDA IWRM, विद्याभवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर तत्वावधान् में 'विश्व जल दिवस' मनाया गया जिसमें Water for Peace विषय पर प्रसिद्ध संरक्षक डॉ. अनिल मेहता द्वारा एक व्याख्यान एवं संवाद सत्र तथा सुरतान बावड़ी के भ्रमण का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभाग के 36 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। व्याख्यान के माध्यम से डॉ. अनिल मेहता ने वर्तमान में जल के लिए विश्व शांति की अपील करते हुए जल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। भारतीय संस्कृति तथा सभी धर्मों में जल के पूजनीय होने एवं जल के प्रति मानव के वर्तमान आर्थिक दृष्टिकोण में बदलाव लाने की बात कही। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान ने दिन–प्रतिदिन के कार्यों में जल संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनचर्या बनाने संबंधी अपने विचार व्यक्त किए। इस व्याख्यान में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. उर्मि शर्मा, डॉ. सबिहा खान एवं डॉ. वी.एस. मीणा भी उपस्थित रहे।

विद्याभवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर में आयोजित इस व्याख्यान एवं संवाद सत्र के बाद सभी विद्यार्थी प्रसिद्ध सुरतान (सुल्तान) बावड़ी भ्रमण हेतु गए। लगभग तीन सौ वर्ष पूरानी इस बावड़ी का जिक्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'मन की बात' में भी कर चुके हैं। श्री सुनील लढा के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं ने मिलकर इस बावड़ी में सफाई अभियान चलाया जिससे इसका कायापलट हो गया। सुश्री योगिता ने इस बावड़ी के जल का सेंपल लेकर फिल्ड वाटर टेस्टिंग किट के जरिये विद्यार्थियों को जल के विभिन्न पेरामीटर टेस्ट करना सिखाया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने जल से जुड़ें हुए कई आयामों पर ज्ञान प्राप्त किया जिससे उनमें जल के प्रति सकारात्मक सोच एवं जागरूकता का विकास हुआ। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उत्यंत उपयोगी साबित हुआ। कार्यक्रम का संयोजन सहायक आचार्य डॉ. डी.एस. चौहान ने किया।

22.3.2024

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
B.S.S.H. M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajastha

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

Faculty of Earth Sciences

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur- 313001

Head

No.MLSU/Geog./2024/28

Date-19.03.2024

सूचना

विश्व जल दिवस (22 मार्च) के उपलक्ष्य में भूगोल विभाग एवं DANIDA समन्वित जल संसाधन प्रबंधन (उदयपुर वाटर फॉरम) के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 21 मार्च, 2024 को विद्याभवन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, बड़गांव, उदयपुर में एक वर्कशॉप, व्याख्यान एवं सूरतान बावड़ी का भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को भाग लेना अनिवार्य है। विद्याभवन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, बड़गांव, उदयपुर पहुंचने के लिए दिनांक 21.03.2024 को प्रातः 9 बजे भूगोल विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से बस की व्यवस्था की गई है।

विभागाध्यक्ष 19/03/24

Udaipur Water Forum

16th March 2024

Invitation

World Water Day Function: WATER FOR PEACE

Integrated Water Resource Management of Upper Berach Basin (Ahar River& Lakes)

Dear Madam/Sir,

We are delighted to invite you to the World Water Day celebration workshop organized by the DANIDA Integrated Water Resources Management (IWRM) project in collaboration with the Department of Geology, MLSU, Udaipur. The workshop will be held on 21 March 2024 at Vidya Bhawan Polytechnic, Badgaon, from 11:00 AM to 1:00 PM.

This year, the theme of World Water Day is "Water for Peace," highlighting the crucial role of water in promoting peace and sustainable development. The workshop aims to raise awareness about the importance of water management in fostering peace and harmony in communities.

Program theme: WATER FOR PEACE

- **Opening Ceremony:** Welcome Address-
- **Keynote Speech:** Importance of Water for Peace-Dr Anil Mehta
- **Interactive Session:** Citizen Science Approaches in Water Management (Water sampling and testing)
- **Networking Break:** Refreshments and Informal Discussions
- **Workshop Activity:** Visit to Sultan Bavri,
- **Closing Ceremony:** Summary followed by high tea.

We are honored to have your participation in this event, as your insights and expertise will contribute significantly to the discussions and activities planned for the day. Together, we can explore innovative approaches to water resources management that promote peace and cooperation among stakeholders.

We look forward to your presence at the workshop as we join hands to celebrate World Water Day and advocate for a more peaceful and sustainable future.

Best regards,

Yours sincerely,

Dr D S Chouhan
Department of Geology
Convenor
World Water Day Function

Dr. Anil Mehta
Project Co-Lead IWRM Study, & Principal
Vidya Bhawan Polytechnic, Udaipur
(aniljheel@gmail.com)
Mob. No. -94141-68945

Development Alternatives

UNIVERSITY OF COPENHAGEN

DHI

Department of Geography

Faculty of Earth Sciences
University College of Social Sciences and Humanities
Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

Celebrating

'WORLD WATER DAY' 22 MARCH

In Collaboration with

the Udaipur Water Forum, Citizen Science Lab- DANIDA IWRM
Vidya Bhawan Polytechnic, College, Udaipur

Date & Time: March 21, 2024, 11 AM to 1 PM
Venue: Vidya Bhawan Polytechnic College, Udaipur

EVENTS

1. Expert Lecture by Dr. Anil Mehta, Principal, VB Polytechnic College, Udaipur
2. Field Visit: Citizen Science Lab-Vidya Bhawan Polytechnic College & Surtan Bawdi

Patron
Prof. Sunita Mishra
Hon'ble Vice-Chancellor
MLSU

Co-Patron
Prof. Hemant Dwivedi
DEAN, UCSSH

Head
Prof. Seema Jalan
Department of Geography

Convener
Dr. D.S. Chouhan
Department of Geography

Organizing Committee
Dr. Bh.V.R. Singh, Dr. Urmi Sharma,
Dr. Sabiha khan, Dr. V.S. Meena

Department of Geography

University College of Social Sciences and Humanities
Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

WORLD WATER DAY, 22 MARCH

Attendance

Date: 21.03.2024 Vanue: VB Polytechnic College, Udaipur & Surtan Bawdi

S.N.	Name	Class	Signature
1	Bhawara Lal	Ph.D	Bh
2.	Vandana Saini	Ph.D	वन्दना सैनी
3.	Priyanka	Ph.D	Priyanka
4.	Ms. PREM	Ph.D	प्रेम
5.	Umesh Kumar Jeengar	Ph.D	[illegible]
6.	Upendra Kumar	Ph.D.	[illegible]
7.	Gaurav Sharma	Ph.D	Gaurav Sharma
8	Ramesh Kumar	M.A IV	रमेश कुमार
9.	Pooja Kunwar chauhan	M.A. IV[th]	पूजा कुंवर
10.	Aarti Sarangdevot	M.A II[nd]	Aarti
11	Karina Sampura	M.A IV[th]	[illegible]
12	Anju Suthar	M.A II[nd]	Anju Suthar
13	Dhanushka	M.A. II	Dhanu
14	Sapna chundawat	M.A. II[nd]	Sapna
15.	Dimple Soni	M.A. II[nd]	Dimple Soni
16	Jyoti Pareek	M.A. IInd	ज्योति पारीक
17.	Anshul Chhaparwal	M.A IInd	अंशुल छापरवाल
18.	Girija Teli	M.A II nd.	गिरिजा तेली
19.	Amisha Gupta	M.A. II[nd] Sem.	Amisha
20.	Sudarshana Rathore	M.A. II[nd] Sem.	[illegible]
21	Kadambini Rathore	M.A. II[nd] Sem.	[illegible]
22.	Twinkle Sharma	M.A. II Sem	Twinkle
23	Kavina KANWAR	M.A. II[nd] Sem	Kavina
24	Shaitan Singh	M.A IInd Sem	Shait
25	Vishnu kumawat	M.A IV[th] Sem	[illegible]
26	Vyas Tejasvi	MA IV Sem	[illegible]

27.	Christie Latta	MA. IV sem	[signature]
28	Hardika Purohit	MA IV Sem.	Hardika
29.	Kiran Kanwar	MA II sem.	Kiran
30.	Preeti Kumari Padiclar	MA II Sem	Preeti
31	Deepak Solanki	M.A II Sem.	[signature]
32	Chandrapal Singh	M. A II Sem	[signature]
33	Yashwant Kumar Khatik	M. A II Sem	[signature]
34	Mansi Kanwar Kumpawat	MA II sem	[signature]
35	Hakei Singh Gurjar	Ph.D	[signature]
36	Komal Kanwar Chundawat	MA IInd Sem.	[signature]

Dr. D.S. Chouhan
Convener

प्रेसनोट

देश की जरूरतों के लिए, देश का अपना ड्रिंक।

हिन्दुस्तान ड्रिंक

NATIONAL BUSINESS RAJASTHAN ENTERTAINMENT SPORTS NZL EDUCATION HEALTH JOYTISH VIDEO ENGLISH NEWS

Malaga to Liverpool

Skyscanner

From Rs3,302

View

Water Quality Survey in Khara Kuan Area

No. of Participants = 24

Date: 4-5.08.2023

खारा कुए का पानी कितना खारा

खारा कुआ (न्यू भूपालपुरा) क्षेत्र के पानी की जांच मोहन लाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग के छात्र छात्राओं ने घर घर जाकर की।अधिकतर घरों के पानी का टी डी एस जिनके ट्यूब वेल है बढ़ा हुआ था पर आरो का टी डी एस सामान्य से बहुत कम था।सिटी सप्लाई का टी डी एस पीने लायक था।

कार्यक्रम का प्रारम्भ आर एन टी मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डा डी पी सिंह के घर से किया गया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेरे घर का पानी में न तो ग्रास में न पौधों में डाल सकता था और न ही मुंह में रख सकता था इतना खारा था जिसका टी डी एस 2600 मिली ग्राम पर लीटर था पर रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग करने के बाद अब पीने लायक और पेड़ पौधों में डालने लायक हो गया है। टी डी एस 456 हो गया है।जल मित्र डा पी सी जैन जिनके नेतृत्व में यह कार्य हो रहा है सारे समय इस अभियान में उपस्थित रहे।

विभाग के सहायक आचार्य डा विजय सिंह मीना ने इस कार्य का नेतृत्व किया। डा सीमा जालान विभाग अध्यक्ष ने आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। जय श्री नंदवाना रिसर्च प्रोजेक्ट की ने भी इसमें सक्रिय भाग लिया।इस अभियान में इन छात्र छात्राओं ने भाग लिया।श्रवण कुमार, सतीश पाटीदार, वर्षा खटीक, मांडवी कृष्णावत, दिव्या कुंवर, गार्गी शर्मा, उज्जवल गर्ग, मीरा माली, भावना जाट, जितेन्द्र कुमार, योगिता सिंह राणावत, प्रिया चुंडावत, प्रियंका चुंडावत, गौरव भोई, काजल जैन, आशा जाट, राजेंद्र मेवाड़ा, नरेंद्र सालवी, पूजा कुमावत, सुनीता वैरागी, रूपेश श्रीमाली, पवन कुमार खेर, कौशल्या व्यास,नाना लाल प्रजापत।

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
U.C.S.S.H. M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

Report of Scientific Research Paper Writing and Publication Workshop, 2023

(08th September, 2023)

Organized by

Department of Geography, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

The "Scientific Research Paper Writing and Publication" workshop was organized in the Department of Geography, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur on the 08th September, 2023. There are numerous topics covered by eminent speakers as "Misconception in Social Sciences Research" by Prof. Prof. Kaushal Kishore, "Doing field in Geography" by Dr. Manjit Singh, "Process of Publishing in an Academic Journals" by Dr. Mukesh Kumar Meena, "Mendeley for Beginners: Streamlining the Reference Management" by Dr. Lokesh Kumar Agarwal, "Navigating Scientific Writing: Challenges and Breakthroughs" by Dr. Kuldeep Sharma. This sessions and express their knowledge, exposure to the current significance of scientific research papers and publications, also it is created on the ground of ethical standards, focus on the peer-review process to contribute valuable knowledge to scientific community. It's interactive concourse ignited the inquisitiveness of participants as well as also triggered the young minds into thinking in innovative ways. The immense enthusiasm and zeal of the students and research scholars to learn is the main driving factor.

That day almost 20 online and 15 off-line participants were participated at the Department of Geography, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

Eventually, the informative and enlightening lecture culminated with group photos with distinguished guests.

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

भूगोल विभाग

पृथ्वी विज्ञान संकाय

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

अधिष्ठापन कार्यक्रम

दिनांक 19 सितम्बर 2023 को भूगोल विभाग में नवप्रवेशित स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु अधिष्ठापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं विभागीय स्तर पर संपूर्ण प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़ी सभी जानकारियां देने हेतु व्याख्यानों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. रवी. आर. सुथार द्वारा सरस्वती वंदना एवं उदबोधन से हुआ। इस क्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान द्वारा विभागीय प्रशासनिक व्यवस्था, CBCS प्रणाली एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत निर्मित नवीन पाठ्यचर्या के बारे में एवं डॉ. डी.एस. चौहान द्वारा विभाग, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डॉ. भंवर विश्वेन्द्रराज सिंह द्वारा भूगोल विषय में कैरियर अवसरों तथा डॉ. ऊर्मि शर्मा, सहायक आचार्य ने भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहरादुन से ऑनलाइन प्रसारित होने वाले सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

अंग्रेजी विभाग से सहायक आचार्य डॉ. कोपल वत्स द्वारा विभाग में संचालित जर्मन, फ्रांसीसी एवं अंग्रेजी भाषा के सर्टिफिकेट कोर्स करने के अवसरों को विद्यार्थियों के समक्ष रखा। रेड रिबन क्लब के संयोजक एवं पुस्तकालय विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. पी.एस. राजपुत ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में उपलब्ध पुस्कालयों से संबंधित सभी सुविधाओं के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड के तकनीकी एडवाइजर डॉ. डी.एस. चौहान द्वारा उपलब्ध खेल–कूद संबंधी सुविधाओं, उपलब्धियों तथा जीवन में खेल–कूद एवं योग के महत्व पर अपना व्याख्यान देते हुए छात्रों को अधिकाधिक संख्या में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। डॉ. रश्मि सिंह, सहायक आचार्य मनोविज्ञान विभाग द्वारा एनएसएस कार्यक्रम का महत्व बताते हुए उसमें भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ ही कार्यक्रम समाप्त हुआ।

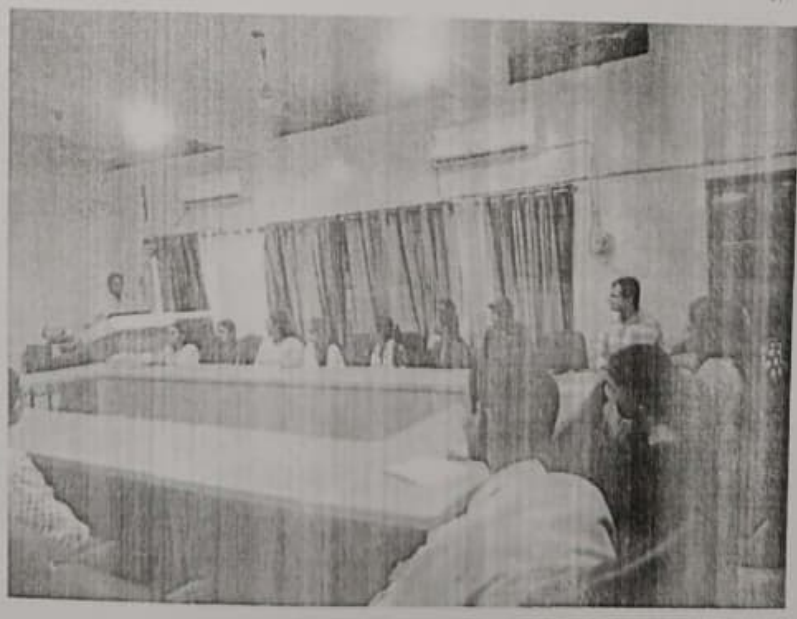

इस कार्यक्रम में 20 नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं अधिष्ठापन कार्यक्रम की भूरी–भूरी प्रशंसा कर बताया कि यह कार्यक्रम उनके लिए बहुत उपयोगी रहा।

विभागाध्यक्ष

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

भूगोल विभाग

पृथ्वी विज्ञान संकाय

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का स्वागत समारोह एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का विदाई समारोह

दिनांक 17 अक्टुबर 2023 को भूगोल विभाग में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के नवआगन्तुक विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन महाविद्यालय के सेमीनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान एवं अन्य शिक्षकों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर की। कार्यक्रम में तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा जहां एक ओर प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का मोली एवं तिलक द्वारा स्वागत किया तो वहीं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उपहार देकर विदाई दी गयी। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान ने प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अपने द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए बधाईयां देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की तो वहीं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की। चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा भूगोल विषय से संबंधित विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी 09 पुस्तकें विभाग के पुस्तकालय को भेंट की। कार्यक्रम में उपस्थित विभाग के शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान एवं डॉ. उर्मि शर्मा ने अपने उद्बोधन में चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी एवं नवआगन्तुक विद्यार्थियों का विभाग में स्वागत किया। कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सबिहा खान एवं डॉ विजय सिंह मीणा भी उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नृत्य, कविता पाठ आदि की प्रस्तुतियां दी गई एवं कुछ मनोरंजनात्मक खेलों का भी आयोजन किया गया। प्रथम सेमेस्टर के नवआगन्तुक विद्यार्थियों में से श्री शैतान सिंह को मिस्टर फ्रेशर एवं सुश्री कृष्णा कंवर को मिस फ्रेशर चुना गया। चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने दो वर्ष के स्नातकोत्तर कार्यक्रम एवं विभाग द्वारा आयोजित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की प्रशंसा की तथा विभाग से बहुत कुछ सीख कर जाने के अपने भाव व्यक्त किए। कार्यक्रम में कुल 59 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

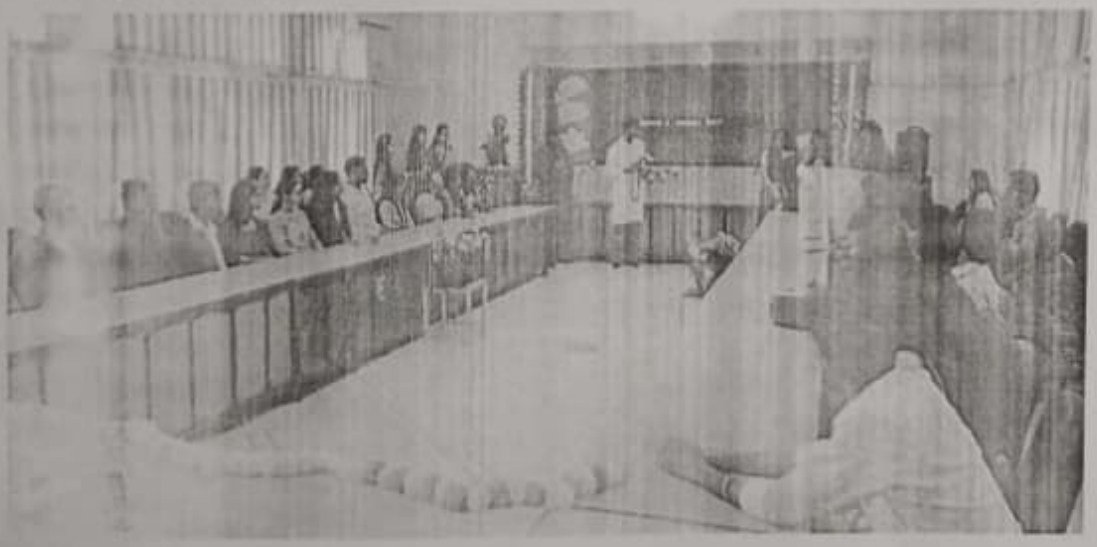

विभागाध्यक्ष

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

Post Event Summary Report

Event Name-Screening of NITI Aayog Webinar on 'Accelerating Progress on Sustainable Development Goals (SDGs)'

Venue- GSDEC Lecture Room

Date- 6/11/2023

The Department of Geography, MLSU, Udaipur, organized a screening of the NITI Aayog webinar on 'Accelerating Progress on Sustainable Development Goals (SDGs)'. The webinar was divided into three sessions. The first session was an introductory session on the SDGs and emphasized India's role in achieving them. The session reiterated that in India's success lies the world's success. The session focused on three SDGs: SDG 2 (zero hunger), SDG 3 (good health and well-being), and SDG 4 (quality examination). Speakers touched on various issues like making people with special abilities equal partners in achieving SDG goals. Reducing digital divides in the Indian population with a special focus on upskilling the Indian youth population. Though outcomes in quality education may be poor, the enrolment ratio in higher education is still constantly improving. The mission undertaken by the UP government to improve basic infrastructure by using decentralized funds in schools was applauded. India's role in ensuring food security with the PM's LIFE initiative and emphasis on millets, which need less water and are more climate-supportive, India's role as the pharmacy of the world is to ensure a healthy world, and the world believes that India can turn targets into reality. The role of AYUSH in implementing SDG goals and improving preventive care can have positive effects on meeting the targets. Speakers raised concerns regarding the non-availability of continuous and comprehensive data. Overall, it was a very informative and insightful lecture. All the listeners appreciated this event.

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
Faculty of Earth Sciences
Mohanlal Sukhadia University, Udaipur- 313001

Head

No.MLSU/Geog./Tour/2024/५११९ Date-16.01.2024

सूचना

भूगोल विभाग द्वारा एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों के लिए दिनांक 27 से 30 जनवरी, 2024 तक गुजरात राज्य में Statue of Unity, दीव द्वीप, सोमनाथ आदि स्थानों पर शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक विद्यार्थी/शोधार्थी दिनांक 19.01.2024 तक डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान को अपना नाम मय अभिभावक सहमति पत्र आवश्यक रूप से जमा करवाएँ।

16.1.24
विभागाध्यक्ष
HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
F.E.S. M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
F.E.S. M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

Faculty of Earth Sciences

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur- 313001

Head

No.MLSU/Geog./2024/ 412.9

Date-25.01.2024

Certified that this group comprises students, scholars and faculty members of Department of Geography, Mohan Lal Sukhadia University, Udaipur, Rajasthan.

This is an educational tour being officially conducted of M.A. I & III Semester (Geography) students and scholars with due approval of competent authorities.

List of Staff:

1. Dr. Devendra Singh Chouhan, Convener, Assistant Professor
2. Dr. Urmi Sharma, Member, Assistant Professor

List of Students:

S.No.	Name	Class
1	Aarti Sarangdewot	M.A. I Semester
2	Amisha Gupta	M.A. I Semester
3	Anshul Chaparwal	M.A. I Semester
4	Chandrapal Singh Chouhan	M.A. I Semester
5	Dimple Soni	M.A. I Semester
6	Jyoti Pareek	M.A. I Semester
7	Komal Chundawat	M.A. I Semester
8	Krishna Kunwar	M.A. I Semester
9	Preeti Patidar	M.A. I Semester
10	Sanwarlal Prajapat	M.A. I Semester
11	Shaitan Singh	M.A. I Semester
12	Gotam Lal Meena	M.A. III Semester
13	Jayshree Sahu	M.A. III Semester
14	Ramaram	M.A. III Semester
15	Ramesh Kumar	M.A. III Semester
16	Ravi Bhorayat	M.A. III Semester
17	Sakshi Mishra	M.A. III Semester
18	Suman Teli	M.A. III Semester
19	Anubhav Singh	Research Scholar
20	Bhanwar Lal	Research Scholar
21	Garv Sharma	Research Scholar
22	Barkha Khandelwal	Research Scholar
23	Khushbu Kulhari	Research Scholar
24	Vijay Kumar	Research Scholar
25	Rajesh Yadav	Guest Faculty

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
F.E.S.S. M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

HEAD
DEPARTMENT OF Geog
F.E.S.S. M.L. SUKHADIA UNI
UDAIPUR (Rajasthan)

भूगोल विभाग

पृथ्वी विज्ञान संकाय

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

शैक्षणिक भ्रमण–गुजरात राज्य में Statue of Unity, दीव द्वीप एवं सोमनाथ

दिनांक 27–30 जनवरी 2024 को भूगोल विभाग में एम. ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर तथा शोधार्थियों के लिए गुजरात राज्य में स्थित Statue of Unity, फूलों की घाटी, सरदार सरोवर बांध, सरदार वल्लभभाई पटेल जैविक उद्यान, दीव द्वीप पर दीव का किला, सेंट पॉल चर्च, गंगेश्वर महादेव मंदिर, आईएनएस खुकरी मेमोरियल, नागोआ बीच, गोघला बीच एवं सोमनाथ आदि स्थानों पर चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के आजादी के बाद भारत के एकीकरण में रही अहम भूमिका को समझा साथ ही विभिन्न प्रकार के फुलों एवं सरदार वल्लभभाई पटेल जैविक उद्यान में विभिन्न जीवों एवं उनके जीवन के बारे में जानने का अवसर मिला। पास ही स्थित सरदार सरोवर बांध का भ्रमण कर बांध निर्माण संबंधी कार्यप्रणाली को समझा। दीव द्वीप पर महासागर, सागर, खाड़ी, ज्वार–भाटा, समुद्री लहरों एवं उनसे निर्मित अपरदनात्मक एवं निक्षेपात्मक स्थलाकृतियों जैसे बीच, खांच, गुफा, क्लिफ, स्टेक, लघु निवेशिका, अंडाकार कटान आदि को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही दीव द्वीप पर दीव का ऐतिहासिक किला (1535–1541 AD), गंगेश्वर महादेव मंदिर, सेंट पॉल चर्च आदि ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का अवलोकन कर इनका महत्व समझा। भारत के 12 आदि ज्योर्तिलिंग में से प्रथम सोमनाथ ज्योर्तिलिंग के दर्शन का अवसर भी प्राप्त हुआ जो कि अत्यंत प्राचीन एवं ऐतिहासिक शिव मंदिर है।

इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने भारत के एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान, वनस्पति एवं वन्यजीव, बांध निर्माण एवं उसकी कार्यप्रणाली, पर्यावरण, तटीय पारिस्थितिक तंत्र, महासागर, सागर, खाड़ी, ज्वार–भाटा, समुद्री लहरों की कार्यप्रणाली एवं उससे निर्मित स्थलाकृतियां, दुर्ग एवं उनकी महत्ता आदि का प्रत्यक्ष अवलोकन कर उन्हे समझने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। यह भ्रमण भूगोल के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुआ। इस भ्रमण में सहायक आचार्य डॉ. डी.एस. चौहान, समन्वयक एवं डॉ. उर्मि शर्मा तथा विभाग के शोधार्थी, एम. ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के कुल 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

31.1.24

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajastha

दीव किला
Diu Fort

भूगोल विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रतिवेदन

भूगोल विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में केन्द्र सरकार के द्वारा संचालित किया जा रहा मतदान/मतदाता जागरूकता अभियान **"मेरा पहला वोट – देश के लिए"** कार्यक्रम अभियान के तहत भूगोल विभाग में दिनांक 7 मार्च 2024 को एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में विभाग के स्नातकोत्तर स्तर के 36 विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने उपरोक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन से विद्यार्थियों में मतदान के प्रति जागरूकता का संचार हुआ तथा इनके द्वारा अपने परिवार, पड़ोस, मित्र एवं रिश्तेदारों में मतदान के महत्व को प्रचार/प्रसार करने प्रण लिया गया।

(Dr. V.S. Meena)

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
M.L.S.U. UDAIPUR

Campaign Mera Pehla Vote - Desh Ke Liye.

Attendance

S. No.	Name of the Participant	Signature
1	Aarti Sarangdewat	Aarti
2	Aasha Baranda	Asha
3	Akansha Pareek	Akansha
4	Amisha Bohara	Amisha
5	Amisha Gupta	Amisha
6	Anju Suthar	अन्जु सुथार
7	Anshul Chhaparwal	अंशुल छापरवाल
8	Chandrapal Singh	Chandrapal Singh
9	Deepak Solanki	[illegible]
10	Dhanushka	धनुष्का
11	Dimple Singh	डिंपल
12	DIMPLE SONI	Dimple Soni
13	GIRIJA KUMARI TELI	गिरिजा तेली
14	Jyoti Pareek	ज्योति पारीक
15	Kadambini Rathore	Kadambini
16	Kamal Singh	[illegible]
17	KAPIL VAISHNAV	Kapil
18	KAVINA KANWAR	Kavina
19	Kavita Meghwal	Kavita
20	Kiran Kanwar	Kiran
21	Komal Kanwar Chundawat	[illegible]
22	Komal Kunwar Jhala	[illegible]
23	Krishna Kanwar	[illegible]
24	Mansi Kanwar Kumpawat	Pramila
25	Nitisha Damor	Nitisha
26	Payal Sisodiya	Payal Sisodiya
27	Praksha Choudhary	Praksha
28	Preeti Kumari Patidar	Preeti
29		
30	Sanwar Lal Prajapat	[illegible]
31	Sapna Chundawat	Sapna
32	Shaitan Singh Sisodiya	Shaitan

33	Shivani sen	Shivani
34	Sudarshana Rathore	
35	Twinkle Sharma	
36	Vinita Rangi	विनीता
37	YASHWANT KUMAR KHATIK	
38		
39		
40		

7.8.24
(Dr. V.S. Meena)

भूगोल विभाग
पृथ्वी विज्ञान संकाय
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

विश्व जल दिवस, 22 मार्च 2024

दिनांक 21 मार्च 2024 को भूगोल विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय तथा उदयपुर वाटर फोरम, सिटिजन साइंस लेब–DANIDA IWRM, विद्याभवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर तत्वावधान में विश्व जल दिवस मनाया गया जिसमे Water for Peace विषय पर प्रसिद्ध संरक्षक डॉ. अनिल मेहता द्वारा एक व्याख्यान एवं संवाद सत्र तथा सुरतान बावडी के भ्रमण का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभाग के 36 स्नातकोत्तर विद्यार्थियो एवं शोधार्थियो ने हिस्सा लिया। व्याख्यान के माध्यम से डॉ. अनिल मेहता ने वर्तमान में जल के लिए विश्व शांति की अपील करते हुए जल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। भारतीय संस्कृति तथा सभी धर्मों मे जल के पूजनीय होने एवं जल के प्रति मानव के वर्तमान आर्थिक दृष्टिकोण में बदलाव लाने की बात कही। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान ने दिन–प्रतिदिन के कार्यो में जल संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनचर्या बनाने संबंधी अपने विचार व्यक्त किए। इस व्याख्यान में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. उर्मि शर्मा, डॉ. सबिहा खान एवं डॉ. वी.एस. मीणा भी उपस्थित रहे।

विद्याभवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर में आयोजित इस व्याख्यान एवं संवाद सत्र के बाद सभी विद्यार्थी प्रसिद्ध सुरतान (सुल्तान) बावडी भ्रमण हेतु गए। लगभग तीन सौ वर्ष पूरानी इस बावडी का जिक्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'मन की बात' में भी कर चुके हैं। श्री सुनील लढा के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं ने मिलकर इस बावडी मे सफाई अभियान चलाया जिससे इसका कायापलट हो गया। सुश्री योगिता ने इस बावडी के जल का सेंपल लेकर फिल्ड वाटर टेस्टिंग किट के जरिये विद्यार्थियों को जल के विभिन्न पेरामीटर टेस्ट करना सिखाया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने जल से जुडे हुए कई आयामों पर ज्ञान प्राप्त किया जिससे उनमें जल के प्रति सकारात्मक सोच एवं जागरूकता का विकास हुआ। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुआ। कार्यक्रम का संयोजन सहायक आचार्य डॉ. डी.एस. चौहान ने किया।

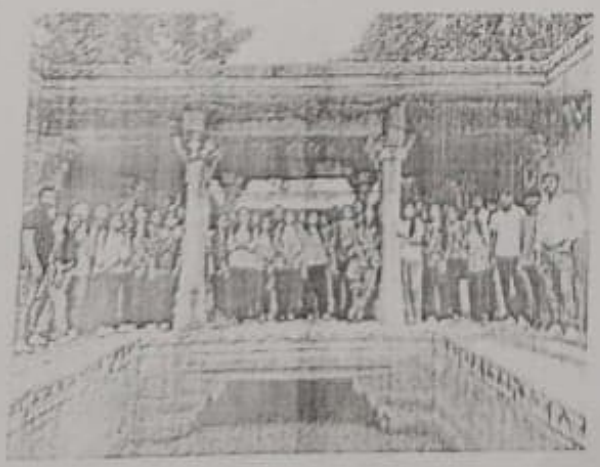

22.3.2024

HEAD
DEPARTMENT ... UNIVERSITY

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

Faculty of Earth Sciences

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur- 313001

Head

दिनांकः 08.02.2024

सूचना

एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के अभिभावकों का विभागीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पर अभिमत जानने हेतु दिनांक 13 फरवरी 2024 को दोपहर 02 बजे शिक्षक–अभिभावक बैठक का आयोजन (ऑनलाईन) किया जाना प्रस्तावित है। इस बैठक में वर्तमान पाठ्यक्रम एवं उसकी सार्थकता, विद्यार्थियों की समस्याओं आदि पर चर्चा की जानी है। समस्त अभिभावकों से निवेदन है कि इस बैठक में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर अपने बहुमूल्य सुझाव देवें। ऑनलाईन बैठक में जुड़ने हेतु लिंक दिनांक 13 फरवरी 2024 को प्रातः भेज दिया जाएगा।

धन्यवाद।

8.2.24

विभागाध्यक्ष

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
F.E.S. M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

भूगोल विभाग
पृथ्वी विज्ञान संकाय
मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

शिक्षक–अभिभावक समिति बैठक

आज दिनांक 13.02.2024 को भूगोल विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा विभाग स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों से ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। उक्त मीटींग में 30 विद्यार्थियों के अभिभावकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान द्वारा अभिभावकों के स्वागत उद्‌बोधन एवं विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए समय–समय पर आयोजित गतिविधियों गतिविधियों का परिचय देकर की गयी। तत्पश्चात् शिक्षक–अभिभावक समिति के सचिव डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान ने पिछली बैठक में अभिभावकों द्वारा दिए गए सुझावों पर विभाग द्वारा किए गए कार्यों एवं उनसे प्राप्त परिणामों का विवरण अभिभावकों को बताया। शिक्षक–अभिभावक समिति के सदस्यों श्रीमती सुचित्रा सोनी, डॉ. कमलेश कुमार मिश्रा, श्री पुरूषोत्तम नागर, श्रीमती मंजु मीणा, श्री भवानी सिंह, श्री सुरेन्द्र सिंह राठौड़, श्री श्रीनाथ गुप्ता, श्रीमती मीनाक्षी भाटी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए एवं अपने बहुमूल्य सुझाव दिए जिसमें शोध कर भूगोल विषय आधारित सम्मेलनों में विद्यार्थियों को सहभागिता के लिए प्रेरित करना एवं नेट सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने में विद्यार्थियों की मदद करना, शैक्षिक भ्रमण का आयोजन करना आदि प्रमुख हैं। अन्य अभिभावकों ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किए। अभिभावकों ने विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतिदिन चलने वाली अध्ययन–अध्यापन गतिविधियों की भूरी–भूरी प्रशंसा की। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. भंवर विश्वेन्द्रराज सिंह, डॉ. सबिहा खान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अंत में कार्यक्रम संयोजक एवं शिक्षक–अभिभावक समिति के सचिव डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर ने अभिभावकों द्वारा दिए गए सभी सुझावों पर कार्य करने का आश्वासन देते हुए सभी अभिभावकों को बैठक में हिस्सा लेने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

13.2.24
विभागाध्यक्ष
HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

13.2.24
आयोजन सचिव
डॉ. डी.एस. चौहान

भूगोल विभाग
पृथ्वी विज्ञान संकाय
मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों का विभाग भ्रमण एवं अन्तःक्रिया

दिनांक 06 फरवरी 2024 को भूगोल विभाग में पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा 12 के 56 विद्यार्थियों ने शिक्षकों श्री सूर्यकांत काले, श्री दिनेश कुमार पटेल एवं श्रीमती मोनी गोयल के नेतृत्व में शैक्षणिक भ्रमण के तहत विभाग का दौरा किया। उक्त विद्यार्थी 'आजादी का अमृत महोत्व' के तहत मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान भूगोल विभाग को देखने, विभाग के शिक्षकों से अन्तःक्रिया करने तथा भूगोल विषय में भविष्य के लिए मार्गदर्शन हेतु उपस्थित हुए थे। विद्यार्थियों के विभाग में पहुंचने पर कार्यकारी विभागाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान ने सबका स्वागत किया।

समस्त विद्यार्थी मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन एवं विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय को देखते हुए विभाग में उपस्थित हुए। सभी विद्यार्थियों को संपूर्ण विभाग जीआईएस लेब, पुस्तकालय, लेबोरेट्री एवं समस्त सर्वे उपकरण, लेक्चर थिएटर, स्मार्ट कक्ष, नवनिर्मित भूगोल भवन आदि का भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. उर्मि शर्मा, डॉ. सबीहा खान एवं डॉ. विजय सिंह मीणा ने विद्यार्थियों को विभाग की कार्यप्रणाली, प्रवेश प्रक्रिया, जीआईएस लेब, सर्वे उपकरणों का उपयोग एवं उनकी कार्यप्रणाली, भूगोल विषय का महत्व एवं भूगोल में भविष्य के बारे में विस्तार से जानकारियां प्रदान की। सभी विद्यार्थियों को कक्षा 12 की पढ़ाई पूर्ण करने के उपरांत मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से उच्च अध्ययन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। सभी विद्यार्थीयों ने विभाग के बारे मे जानने के बाद इस विश्वविद्यालय एवं भूगोल विभाग से उच्च अध्ययन करने की इच्छा प्रकट की तथा भ्रमण की सुविधा मुहैया करवाने के लिए विभाग एवं विश्वविद्यालय को धन्यवाद ज्ञापित किया। विभाग के भ्रमण करने के बाद सभी विद्यार्थी उत्साहित एवं प्रसन्न थे तथा विभाग की भूरी–भूरी प्रशंसा की ।

6.2.24
विभागाध्यक्ष
HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
M.L. SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Rajasthan)

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय
PM SHRI School JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA
ठाकरडा,जिला :डूँगरपुर (राजस्थान) पिन कोड- 314029
Thakarda, Distt.: Dungarpur (Raj.) Pin Code -314029
शिक्षा मंत्रालय, विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का एक स्वायत्त संस्थान
An Autonomous Organization of Education Ministry, Department of School Education & Literacy
भारत सरकार / GOVT. OF INDIA
Web Site :https://www.navodaya.gov.in/nvs/nvs-school/DUNGARPUR/en/home/
Affiliation No. 1740008 Email: jnvdungarpur314029@gmail.com School Code :14065

आज़ादी का अमृत महोत्सव

F.No/JNV-THAKARDA/2023-24/ 1005 Date: 05.02.2024

To.

The Head
Department of Geography
University College of Social Science & Humanities MLSU
Udaipur, Rajasthan

Sub: Request to permit to visit MLSU for student of PM SHRI School JNV Dungarpur-Regarding.

Respected Madam/Sir,

With reference to the subject cited above, this is to bring to your kind notice that the 34 students of class 12th and 22 sudents of migration are eagerly awaited to visit MLSU campus of this vidyalaya on 06.02.2024.

It is therefore requested to your good self that the permission to vist your esteemed and prestigious institute on 06.02.2024 for students with escorts teachers so that they may be motivated and to join MLSU in near future and oblige.

With regards,

Your faithfully

05/02/2024.

Principal
JNV THAKARDA

प्राचार्य
ज.न.वि.ठाकरड़ा
जि.डूँगरपुर (राज.)

Encls: List of Students and Escorts.

Copy to:

1. The District Collector, Dungarpur cum Chairman Vidyalaya Management Committee, JNV Thakarda for kind information, please.
2. The Deputy Commissioner, NVS,RO,Jaipur for information,please.

Principal

Allowed
5.2.24

भूगोल विभाग

पृथ्वी विज्ञान संकाय

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का स्वागत समारोह एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का विदाई समारोह

दिनांक 17 अक्टुबर 2023 को भूगोल विभाग में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के नवआगन्तुक विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन महाविद्यालय के सेमीनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान एवं अन्य शिक्षकों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर की। कार्यक्रम में तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा जहां एक और प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का मोली एवं तिलक द्वारा स्वागत किया तो वहीं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उपहार देकर विदाई दी गयी। विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान ने प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अपने द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए बधाईयां देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की तो वहीं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की। चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा भूगोल विषय से संबंधित विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी 09 पुस्तकें विभाग के पुस्तकालय को भेंट की। कार्यक्रम में उपस्थित विभाग के शिक्षक डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान एवं डॉ. उर्मि शर्मा ने अपने उद्‌बोधन में चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी एवं नवआगन्तुक विद्यार्थियों का विभाग में स्वागत किया। कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सबिहा खान एवं डॉ. विजय सिंह मीणा भी उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नृत्य, कविता पाठ आदि की प्रस्तुतियां दी गई एवं कुछ मनोरंजनात्मक खेलों का भी आयोजन किया गया। प्रथम सेमेस्टर के नवआगन्तुक विद्यार्थियों में से श्री शैतान सिंह को मिस्टर फ्रेशर एवं सुश्री कृष्णा कंवर को मिस फ्रेशर चुना गया। चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने दो वर्ष के स्नातकोत्तर कार्यक्रम एवं विभाग द्वारा आयोजित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की प्रशंसा की तथा विभाग से बहुत कुछ सीख कर जाने के अपने भाव व्यक्त किए। कार्यक्रम में कुल 59 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विभागाध्यक्ष

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
M.L.S.U.

भूगोल विभाग

पृथ्वी विज्ञान संकाय

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

अधिष्ठापन कार्यक्रम

दिनांक 19 सितम्बर 2023 को भूगोल विभाग में नवप्रवेशित स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु अधिष्ठापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं विभागीय स्तर पर संपूर्ण प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़ी सभी जानकारियां देने हेतु व्याख्यानों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी. आर. सुथार द्वारा सरस्वती वंदना एवं उद्‌बोधन से हुआ। इस क्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान द्वारा विभागीय प्रशासनिक व्यवस्था, CBCS प्रणाली एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत निर्मित नवीन पाठ्यचर्या के बारे में एवं डॉ. डी.एस. चौहान द्वारा विभाग, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डॉ. भंवर विश्वेन्द्रराज सिंह द्वारा भूगोल विषय में केरियर अवसरों तथा डॉ. ऊर्मि शर्मा, सहायक आचार्य ने भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहरादुन से ऑनलाइन प्रसारित होने वाले सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

अंग्रेजी विभाग से सहायक आचार्य डॉ. कोपल वत्स द्वारा विभाग में संचालित जर्मन, फ्रांसीसी एवं अंग्रेजी भाषा के सर्टिफिकेट कोर्स करने के अवसरों को विद्यार्थियों के समक्ष रखा। रेड रिबन क्लब के संयोजक एवं पुस्तकालय विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. पी.एस. राजपुत ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में उपलब्ध पुस्कालयों से संबंधित सभी सुविधाओं के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड के तकनीकी एडवाइजर डॉ. डी.एस. चौहान द्वारा उपलब्ध खेल–कूद संबंधी सुविधाओं, उपलब्धियों तथा जीवन में खेल–कूद एवं योग के महत्व पर अपना व्याख्यान देते हुए छात्रों को अधिकाधिक संख्या में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। डॉ. रश्मि सिंह, सहायक आचार्य मनोविज्ञान विभाग द्वारा एनएसएस कार्यक्रम का महत्व बताते हुए उसमें भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ ही कार्यक्रम समाप्त हुआ।

इस कार्यक्रम में 20 नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं अधिष्ठापन कार्यक्रम की भूरी–भूरी प्रशंसा कर बताया कि यह कार्यक्रम उनके लिए बहुत उपयोगी रहा।

विभागाध्यक्ष

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
M.L. SUKHADIA UNIVERSITY

Tel : 0294-2470958, Fax : 0294-2470209

UNIVERSITY COLLEGE OF LAW

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY UDAIPUR-313001

No. F. Sports/Law/MLSU/2023-24/ 816 **Dt. 05/11/2023**

The Dean / Director /Principal
All Constitute and Affiliated College,
Mohanlal Sukhadia University,
Udaipur (Raj.)

Sub: Inter-Collegiate **Athletics (M/W)** Tournaments 2023-24.

Dear Sir/Madam,

With reference to the subject above-cited, it gives me pleasure to inform you that the University Sports Board, Mohanlal Sukhadia University Udaipur has entrusted us to organize following sports event for the inter-collegiate tournaments.

S. No.	Sports Event	Date of Tournament	Venue	Last Date of Receiving Detailed Entries	Manager Meeting
1.	Athletics (M/W)	29-11-2023 to 02-12-2023	M.B. Sports Complex, MLSU, Udaipur	24-11-2023	29-11-2023, 4.00 PM

Dr. Bheem Raj Patel, Assistant Director Physical Education, Univ. College of Law, MLSU, Udaipur will be the organizing secretary for the above mentioned tournaments. Please be in touch with him for further detail (Mobile : 9414474185)

The meeting of the managers of the tournament will be held at Secretary Office Univ. Sports Board, MLSU, Udaipur on time and date as mentioned above.

Eligibility for the participation inter collegiate tournament.

1. Please bring dully filled and signed eligibility proforma in triplicate.
2. Photo identification form for each member of participating team is essential.
3. Without manager the team will not be permitted to participate in Inter-Collegiate tournament.
4. The participating Team/Player should be in appropriate kit for inter collegiate tournament event.
5. It will be the responsibility of the team manager or the institutional head to ensure the team members to favour the discipline as well as the rules and regulations of journeys lodging boarding etc.
6. During the tournament, for any disputes, protest fee of Rs. 500/- should be paid with a written application in which brief description of the dispute should be mentioned. The decision of the protest committee will be final.
7. Lodging Arrangement will be made by the team themselves, however lodging charges of maximum Rs. 300/- per day per team will be paid by the constituents host college of Mohanlal Sukhadia University, Udaipur.
9. Officiating Charging Rs. 1000/- per team (M/W Separately).
8. For all above tournament it is compulsory to bring the mark-sheets of 10th Class, 12th Class and the last passing examination.
9. The org/secretary reserves the right to make changes in the schedule of the Events if required necessary.
   Looking forward for you kind co-operation for making the tournament success.

Yours faithfully,

DEAN

DEAN
UNIVERSITY COLLEGE OF LAW
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (RAJ.)

Copy to:

1. The P.S. to Vice-Chancellor, MLSU, Udaipur for his information
2. Registrar, MLSU, Udaipur
3. The Chairman/In-charge Sports board, MLSU, Udaipur
4. Guard File

DEAN

DEAN
UNIVERSITY COLLEGE OF LAW
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (RAJ.)

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.)-313001

Date: 4th June, 2023

A report on Cycling Marathon

On the occasion of World Environment Day and World Bicycle Day, the students of IET, MLSU took part in a cyclothon, organised at the Fatesh Sagar Pal, Udaipur this Sunday evening at 6 PM. The cyclothon was organised as an activity of BIS standard club to make people aware about the importance of clean and pure atmosphere, along with health benefits of cycling. The students showed so much enthusiasm took active participation in the activity. This cyclothon was organised & well executed by students under the mentorship or BIS faculty mentor Er. Prafull Kothari. After the cyclothon the students and sir gave intel about the activity to the media person who covered the activity. Refreshments were provided to the students after the commencement of the cyclothon. Total 46 students participated in the same.

सुविवि : इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग

सुविवि के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में भारतीय मानक ब्यूरो के चार्टेड क्लब के तहत फतहसागर पर वर्ल्ड एनवायरमेंट डे पर साइकिलिंग का आयोजन किया गया। कॉलेज के निदेशक प्रो. बीएल आहुजा ने बताया कि साइकलिंग न केवल मनुष्य को अपितु पर्यावरण को भी स्वस्थ रखने में अव्वल है। आईईटी में कार्यरत एनवायरनमेंटल इंजीनियर एवं क्लब के फैकल्टी मेंटर इंजीनियर प्रफुल्ल कोठारी ने बताया कि कुल 50 छात्रों ने भाग लेकर झील किनारे 7.0 किलोमीटर का सफर तय किया।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Report: World Water Day Celebration

Date: March 22, 2024

Location: Gangaur Ghat, Udaipur

Introduction:

The Department of Economics & the NSS, Unit 3 of UCSSH, MLSU, Udaipur celebrated World Water Day with fervor and dedication on March 22, 2024, at Gangaur Ghat, Udaipur. The event aimed to raise awareness about the importance of water conservation and promote sustainable water management practices among the community.

Event Highlights:

Decoration and Cultural Elements: Gangaur Ghat was adorned with intricate rangoli designs and colorful flowers, creating a vibrant atmosphere for the celebration. The cultural richness

of the event was enhanced by the traditional attire worn by two girls, adding a local flavor to the proceedings.

- **Pooja Ceremony**: The celebration commenced with a pooja ceremony, symbolizing reverence for water as a sacred element in Hindu culture. Volunteers performed rituals such as making swastik symbols, lighting oil lamps (deepaks), and offering flowers, invoking blessings for water conservation efforts.
- **Oath Taking:** A significant moment of the event was when 42 NSS volunteers took a solemn oath to prioritize water conservation and use water judiciously in their daily lives. This pledge underscored the NSS unit's commitment to environmental stewardship and sustainable practices.
- **Cultural Performances:** NSS volunteers showcased their talents through group songs that highlighted the themes of water conservation and environmental awareness. These performances served as engaging and educational tools to disseminate the message of water conservation to the audience.
- **Rally:** The celebration culminated in a rally organized from Gangaur Ghat to Jagdish Temple, symbolizing a collective call to action for water conservation and environmental protection. The rally served as a public demonstration of the NSS unit's dedication to advocating for sustainable practices and fostering community engagement.

Conclusion:

The World Water Day celebration at Gangaur Ghat was a resounding success, thanks to the active participation and dedication of NSS volunteers. Through a blend of cultural festivities, educational activities, and public outreach efforts, the event effectively raised awareness about the importance of water conservation and inspired positive action within the community.

The NSS unit remains committed to promoting sustainable water management practices and looks forward to organizing similar initiatives in the future to contribute towards a water-secure future for all.

Panel Discussion Report: Analysis of the Interim Union Budget 2024-25

Date: February 10th, 2024

Time: 11:30 AM

Venue: Smart Room, Department of Economics

Panel of Experts:

Prof. Bhagwati Prakash Sharma, Chairman UNESCO MGIEP, Ex. Vice-Chancellor, Gautam Budha University, Noida

Prof. Ashok Soni, Department of Economics, M. G. College, Udaipur

Dr. Balu Dan Barahth, Associate Professor, CUG, Gandhinagar

Introduction:

The Department of Economics at Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, organized a panel discussion to analyse the Union Budget 2024-25. The event aimed to provide insights into the economic policies proposed in the budget and their implications. Prof. Digvijay Bhatnagar presided over the panel discussion, with esteemed guests, scholars, and students from various departments in attendance.

Welcome Address:

Dr. Vinita Rajpurohit, Incharge-Head, Department of Economics, extended a warm welcome to all the guests. The panellist were welcomed with mementos, uparnas, and shawls, signifying our gratitude for their participation and expertise.

Keynote Speeches:

Prof. Bhagwati Prakash Sharma:

Prof. Sharma highlighted the macroeconomic implications of the budget and its alignment with national development goals. His key insights included:

Fiscal Policies and Development:

- Prof. Sharma highlighted the role of a high fiscal deficit and transitional velocity of money in contributing to development, citing examples like Korea's developmental phase.
- Comparisons were made with countries like Korea, where maintaining a fiscal deficit of 6.5% led to increased construction activities and infrastructural development.

Taxation and GDP Ratio Enhancement:

- Prof. Sharma suggested strategies for enhancing the tax GDP ratio, including increasing indirect taxes and research and development expenditures.
- He stressed the need to raise the tax GDP ratio from 0.7% to 2-3% to fulfil India's development aspirations and combat multidimensional poverty effectively.

Focus Areas for Development:

- The panel discussed the importance of prioritizing irrigation to boost agricultural productivity and position India as a global food power.
- It was noted that India's contribution to world manufacturing is relatively low (3.3%), indicating the need for efforts to increase this percentage.

Budget Deficit Management:

- Prof. Sharma identified subsidies and interest payments as major contributors to the budget deficit.
- Subsidies were suggested to be reduced as a measure to manage the deficit efficiently, highlighting the importance of fiscal management to prevent a "Ponzi collapse syndrome."

Prof. Bhagwati Prakash Sharma's insights provided valuable perspectives on fiscal policies, taxation, focus areas for development, and budget deficit management, crucial for India's economic growth and development aspirations.

Prof. Ashok Soni:

Professor Ashok Soni provided a comprehensive analysis of the Union Budget 2024-25, focusing on its impact on various sectors of the economy, particularly emphasizing its implications for education and skill development. Here are the key points highlighted by Prof. Soni during the panel discussion:

- **Fulfilling Government's Vision:** Prof. Soni emphasized the importance of the interim budget in fulfilling the government's vision of "Sabka Saath, Sabka Vikas, Sabka Vishwas." He underscored the significance of budgetary provisions aimed at fostering innovation in higher education, which are beneficial for society as a whole.
- **Balanced Fiscal Management:** Prof. Soni pointed out the dual objectives of the government: managing fiscal deficits while meeting the aspirations of the people. He commended the finance minister's skill in balancing the government's fiscal deficit while striving to fulfil public aspirations.
- **Symbol of Government's Commitment:** Prof. Soni viewed the government's ability to manage fiscal deficits as a symbol of its commitment to fulfilling India's aspirations. He suggested utilizing this commitment effectively to realize the government's vision.

Prof. Ashok Soni's insights shed light on the importance of balanced fiscal management and the government's commitment to fulfilling societal aspirations. His analysis provided valuable perspectives on how the Union Budget 2024-25 addresses the needs of various sectors, particularly in education and skill development, contributing to India's overall socio-economic development.

Dr. Balu Dan Barahth:

Dr. Barahth discussed the budget's provisions related to environmental sustainability and inclusive growth. His key findings included:

Constitutional Provisions and Women's Welfare:

- Dr. Barahth highlighted changes in constitutional provisions related to the budget and discussed specific budgetary provisions aimed at promoting the welfare of women.
- He emphasized India's commitment to gender equality in society and government, noting the provision of political and social rights for women since its inception.

Economic Empowerment of Women:

- The discussion emphasized the importance of economic empowerment for women and their mainstream inclusion in the economy.
- Dr. Barahth highlighted special provisions in the interim budget aimed at women's economic empowerment, such as offering a 7.5% interest rate on their savings and launching vaccination plans for young girls to combat cervical cancer.

Government Initiatives:

- Dr. Barahth highlighted the impact of government initiatives such as the Ujjwala scheme, benefiting over 100 million women, and the Lakhpatti Didi scheme, aiming to establish 3 million women as Lakhpatti Didis.
- These schemes were noted for their focus on women's economic empowerment, along with environmental and health benefits.

Infrastructure Development:

- The discussion also focused on the Prime Minister's emphasis on infrastructure development, particularly the expansion of rail and road networks.
- Dr. Barahth highlighted the government's goal of developing both basic amenities and personal development, with the aim of achieving a developed India by 2024.

Dr. Balu Dan Barahth's budget discussion provided valuable insights into India's budgetary provisions and their implications for women's welfare, economic empowerment, and infrastructure development. His analysis underscored the government's commitment to achieving inclusive growth and development for all sections of society, with a particular focus on women's empowerment and infrastructure enhancement.

Interactive Session:

The audience engaged in a lively interactive session with the panellists, raising questions and sharing insights, enriching the discussion further.

Vote of Thanks:

Dr. Neha Paliwal, Assistant Professor, Department of Economics, extended heartfelt thanks to the panellists and the audience for their valuable contributions and active participation.

Conclusion:

The panel discussion provided a comprehensive understanding of the Union Budget 2024-25 and its implications for various stakeholders. It served as a platform for meaningful dialogue and exchange of ideas, contributing to informed policy debates in the field of economics.

अर्थशास्त्र विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

विशिष्ट व्याख्यान

संपूर्ण रोजगारयुक्त भारत

चुनौतियां एवं संभावनाएं

सोमवार, दिनांक: 16 अक्टूबर 2023

मुख्य अतिथि

डॉ. बालू दान बारहठ

सह-आचार्य

केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात

मुख्य वक्ता

डॉ. सतीश कुमार आचार्य

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय, पीपलखूंट, प्रतापनगर

स्थान: स्मार्ट रूम, अर्थशास्त्र विभाग

समय: प्रातः 12 बजे

डॉ. विनीता राजपुरोहित

सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग

आयोजन सचिव

डॉ. दीपा सोनी

सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष

डॉ. नेहा पालीवाल

सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. अनीता जोया

सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. मुकेश मीणा

सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग

भारत की मूल पहचान सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रही है जिसमे आर्थिक-भौतिक प्रगति भी अंतर्निहित है। भारतीय ज्ञान सम्पदा की यह सर्वसमावेशिता हमें आश्वस्त करती है कि सन 2047 में जब हम स्वाधीनता का शताब्दी उत्सव मना रहे होंगे तब हम न केवल भौतिक दृष्टि से विकसित राष्ट्र के रूप में उभरेंगे अपितु विश्व मानवता को दिशा देने के उत्तरभार का भी निर्वहन करेंगे। ऐसे विकसित एवं नेतृत्वशील भारत के निर्माण व विकास में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा संकलित पंच प्राणों की उपादेयता निश्चित ही रहने वाली है। वास्तव में गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता व नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्य पालन के पंच प्राण विकसित भारत के निर्माण के सूत्र वाक्य है।

अपने गौरवशाली इतिहास, विलक्षण सांस्कृतिक परम्पराओं, पुरुषार्थी संतों, जनजातीय मान्यताओं की विशिष्ट भौगोलिक संरचनाओं से युक्त जनजाति बहुल क्षेत्र दक्षिण राजस्थान जो जनमानस में मेवाड़-वागड़ के रूप में ख्यात है, भारत के स्वाधीनता संघर्ष की प्रेरक भूमि रही है। बप्पा रावल, महाराणा प्रताप, पन्नाधाय, मीरा बाई, कल्लाजी राठौर, मावजी महाराज, गोविन्द गुरु, राणा पूंजा, कालीबाई व केसरी सिंह बारहठ इत्यादि का इतिहास रोमांचित, आकर्षित तथा प्रेरित करने वाला रहा है। ऐसे में इस पर चिंतन करना बहुत प्रासंगिक होगा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने हेतु इस क्षेत्र में किस तरह का मॉडल प्रभावी होगा? हम किस तरह प्रकृति और संस्कृति में अनुकूलन बनाए रखे, किस तरह की नीतियों से विकास व विरासत दोनों उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते है? यहाँ के प्राकृतिक संसाधन, पर्यटन, खनिज सम्पदा, जल, जंगल, जमीन, जानवर आदि का विकास की आधुनिक जटिलताओं के साथ किस तरह सामंजस्य स्थापित किया जाए? किस तरह यहाँ की जनजातीय अस्मिता व अस्तित्व को संरक्षित-सुरक्षित रखते हुए विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके? इस क्षेत्र का विकसित भारत में क्या अवदान संभव है तथा इस क्षेत्र की क्या आवश्यकताएं है? इस व्यापक परिदृश्य में समृद्ध आलोक जगत सांस्कृतिक विरासत को आधार बनाए यह आवश्यक है। अतः गवरी जैसे आयोजनों को मात्र लोककला के रूप में ही परिभाषित नहीं कर सकते अपितु इसे जनजातीय गौरव व पहचान के सशक्त माध्यम के रूप में समझने की आवश्यकता है। इसलिए यह आयोजन व इससे निमिती व्यापक समझ विकसित भारत-विकसित मेवाड़ के सपने को साकार करने में सहायक होगी, ऐसी अपेक्षा, आवश्यकता व अवधारणात्मक स्पष्टता के निमित यह संगोष्ठी आयोज्य है।

उद्देश्य

- विकसित भारत में मेवाड़-वागड़ के विकास के आयामों व जन- आकांक्षाओं पर चर्चा करना।
- सन 2047 में विकसित मेवाड़-वागड़ की सम्भावनाओं, चुनौतियों व समाधानों को चिन्हित करना।
- जनजातीय समाज की विरासत, परम्पराओं व जीवन मूल्यों में सतत विकास की अवधारणाओं पर प्रकाश डालना।
- जनजातीय समाज के परम्परागत ज्ञान का आधुनिक पद्धतियों के साथ सामंजस्य पर चर्चा करना।
- दक्षिण राजस्थान की विरासत, विकास, नीति निर्माण व जन भागीदारी पर दृष्टिपत्र तैयार करना।
- लक्षित समूहो व सरकारी योजनाओं के मध्य के अंतराल को समाप्त करने हेतु रोडमैप तैयार करना।
- विभिन्न क्षेत्रो के सर्वोत्तम अभ्यासों का क्षेत्र में क्रियान्वयन व नवाचारों का रोडमैप तैयार करना।
- वन संरक्षण व जनजातियो के वनाधिकार प्रावधानों पर अवधारणात्मक स्पष्टता के प्रयास करना तथा क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों पर दृष्टिपत्र तैयार करना।
- क्षेत्र में जैविक कृषि को बढ़ावा देने का नीति पत्र तैयार करना।

विकसित भारत - विकसित मेवाड़ @2047:

संकल्पना और रणनीतियाँ

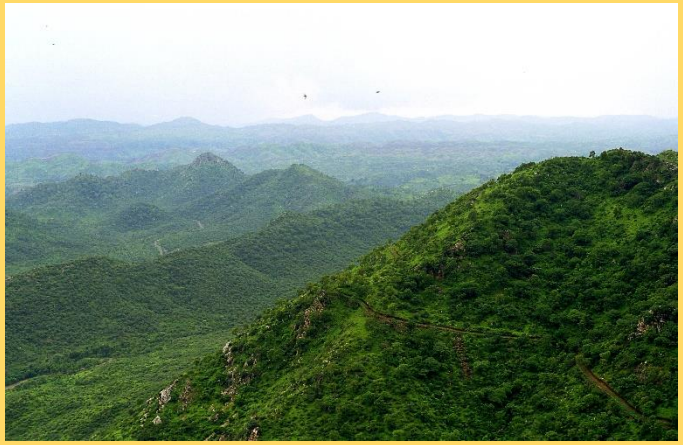

राष्ट्रीय परिसंवाद

अर्थशास्त्र विभाग,

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

एवं

अरावली विचार मंच, उदयपुर

के संयुक्त तत्वाधान में

28 मई 2024

स्थान - बप्पा रावल सभागार,

स्वर्णजयंती अतिथि गृह,

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रारूप

प्रस्तावित परिसंवाद में आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान, शोध पत्र प्रस्तुतिकरण, पैनल चर्चा, जनप्रतिनिधियों के व्यावहारिक अनुभवों आदि द्वारा मुक्त चिंतन प्रस्तावित है।

आमंत्रित प्रतिभागी

यह परिसंवाद आलोचित विषय में रूचि रखने वाले आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के लिए एक मंच है जो अपने व्यवहारिक अनुभव, शोध, अनुसन्धान एवं अध्ययन आदि के माध्यम से दक्षिण राजस्थान की विकास यात्रा एवं भावी दिशा में रूचि रखते है। आमंत्रित सहभागियों को बस अथवा रेल का वास्तविक किराया देय होगा। प्रमाणपत्र, भोजन की व्यवस्था आयोजकों का सौभाग्य रहेगा।

आयोजन सचिव

डॉ. विनीता राजपुरोहित
प्रभारी-विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग,
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
सम्पर्क सूत्र: 8005802574
ईमेल:vinitarajpurohit@mlsu.ac.in

उद्घाटन सत्र

समय: प्रातः 9:00 बजें

मुख्य अतिथि	माननीय बाबूलाल जी खराड़ी, केबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार
बीजभाषण	डॉ. मन्नालाल जी रावत, पूर्व ACT राजस्थान सरकार तथा निदेशक TEER फाउंडेशन नासिक
सारस्वत अतिथि	श्री तारा चंद जी जैन, विधायक, उदयपुर शहर
अध्यक्षता	प्रो. सुनीता मिश्रा, कुलपति, सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

समापन सत्र

समय: सायं 5:45 बजें

मुख्य अतिथि	श्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय, वरिष्ठ भाजपा नेता
सारस्वत अतिथि	श्री इंद्रपाल सिंह मथारू, आईएफएस (से. नि.)
अध्यक्षता	प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत, कुलपति, जनार्दन राय नागर, वि.वि., उदयपुर

प्रथम सत्र: आधारभूत संरचना एवं समावेशी विकास

समय: 10:45 से 12:45 मध्याह्न

पैनलिस्ट :

- प्रो. विवेक विजय, आई. आई. टी., जोधपुर
- श्री एम. एल. वर्मा, सेक्रेटरी (से. नि.) पी.डब्ल्यू. डी.
- प्रो. अनिल मेहता, प्राचार्य, विद्या भवन, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय

द्वितीय सत्र: कौशल विकास वृहत योजना

समय: 1:30 से 3:30 मध्याह्न

पैनलिस्ट :

- प्रो. बी. पी. शर्मा, पूर्व कुलपति, गौतम बुद्ध वि. वि., नोएडा
- डॉ. जयन्ती भाई चौधरी, सदस्य, जनजातीय सलहाकार परिषद, गुजरात सरकार
- श्री. सतीश शर्मा, सहायक वन संरक्षक (से. नि.)

तृतीय सत्र: संस्कृति, पर्यटन एवं सुशासन

समय: 3:45 से 5:45 अपराह्न

पैनलिस्ट :

- श्री राजा राम कटारा, संस्थापक-शिवगंगा मिशन, झाबुआ
- श्री बंसी लाल कटारा, सामाजिक चिंतक, डूंगरपुर
- डॉ. शैलेन्द्र सोमानी, ट्रस्टी-निदेशक, एम.डी.एस. ग्रुप ऑफ स्कूल्स
- श्री लोकेश पालीवाल, आई. टी. प्रोफेशनल तथा सोशल एंटरप्रेनर

Report: World Water Day Celebration

Date: March 22, 2024

Location: Gangaur Ghat, Udaipur

Introduction:

The Department of Economics & the NSS, Unit 3 of UCSSH, MLSU, Udaipur celebrated World Water Day with fervor and dedication on March 22, 2024, at Gangaur Ghat, Udaipur. The event aimed to raise awareness about the importance of water conservation and promote sustainable water management practices among the community.

Event Highlights:

Decoration and Cultural Elements: Gangaur Ghat was adorned with intricate rangoli designs and colorful flowers, creating a vibrant atmosphere for the celebration. The cultural richness

of the event was enhanced by the traditional attire worn by two girls, adding a local flavor to the proceedings.

- **Pooja Ceremony**: The celebration commenced with a pooja ceremony, symbolizing reverence for water as a sacred element in Hindu culture. Volunteers performed rituals such as making swastik symbols, lighting oil lamps (deepaks), and offering flowers, invoking blessings for water conservation efforts.
- **Oath Taking:** A significant moment of the event was when 42 NSS volunteers took a solemn oath to prioritize water conservation and use water judiciously in their daily lives. This pledge underscored the NSS unit's commitment to environmental stewardship and sustainable practices.
- **Cultural Performances:** NSS volunteers showcased their talents through group songs that highlighted the themes of water conservation and environmental awareness. These performances served as engaging and educational tools to disseminate the message of water conservation to the audience.
- **Rally:** The celebration culminated in a rally organized from Gangaur Ghat to Jagdish Temple, symbolizing a collective call to action for water conservation and environmental protection. The rally served as a public demonstration of the NSS unit's dedication to advocating for sustainable practices and fostering community engagement.

Conclusion:

The World Water Day celebration at Gangaur Ghat was a resounding success, thanks to the active participation and dedication of NSS volunteers. Through a blend of cultural festivities, educational activities, and public outreach efforts, the event effectively raised awareness about the importance of water conservation and inspired positive action within the community.

The NSS unit remains committed to promoting sustainable water management practices and looks forward to organizing similar initiatives in the future to contribute towards a water-secure future for all.

भारत की मूल पहचान सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रही है जिसमे आर्थिक-भौतिक प्रगति भी अंतर्निहित है। भारतीय ज्ञान सम्पदा की यह सर्वसमावेशिता हमें आश्वस्त करती है कि सन 2047 में जब हम स्वाधीनता का शताब्दी उत्सव मना रहे होंगे तब हम न केवल भौतिक दृष्टि से विकसित राष्ट्र के रूप में उभरेंगे अपितु विश्व मानवता को दिशा देने के उत्तरभार का भी निर्वहन करेंगे। ऐसे विकसित एवं नेतृत्वशील भारत के निर्माण व विकास में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा संकलित पंच प्राणों की उपादेयता निश्चित ही रहने वाली है। वास्तव में गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता व नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्य पालन के पंच प्राण विकसित भारत के निर्माण के सूत्र वाक्य है।

अपने गौरवशाली इतिहास, विलक्षण सांस्कृतिक परम्पराओं, पुरुषार्थी संतों, जनजातीय मान्यताओं की विशिष्ट भौगोलिक संरचनाओं से युक्त जनजाति बहुल क्षेत्र दक्षिण राजस्थान जो जनमानस में मेवाड़-वागड़ के रूप में ख्यात है, भारत के स्वाधीनता संघर्ष की प्रेरक भूमि रही है। बप्पा रावल, महाराणा प्रताप, पन्नाधाय, मीरा बाई, कल्लाजी राठौर, मावजी महाराज, गोविन्द गुरु, राणा पूंजा, कालीबाई व केसरी सिंह बारहठ इत्यादि का इतिहास रोमांचित, आकर्षित तथा प्रेरित करने वाला रहा है। ऐसे में इस पर चिंतन करना बहुत प्रासंगिक होगा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने हेतु इस क्षेत्र में किस तरह का मॉडल प्रभावी होगा? हम किस तरह प्रकृति और संस्कृति में अनुकूलन बनाए रखे, किस तरह की नीतियों से विकास व विरासत दोनों उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते है? यहाँ के प्राकृतिक संसाधन, पर्यटन, खनिज सम्पदा, जल, जंगल, जमीन, जानवर आदि का विकास की आधुनिक जटिलताओं के साथ किस तरह सामंजस्य स्थापित किया जाए? किस तरह यहाँ की जनजातीय अस्मिता व अस्तित्व को संरक्षित-सुरक्षित रखते हुए विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके? इस क्षेत्र का विकसित भारत में क्या अवदान संभव है तथा इस क्षेत्र की क्या आवश्यकताएं है? इस व्यापक परिदृश्य में समृद्ध आलोक जगत सांस्कृतिक विरासत को आधार बनाए यह आवश्यक है। अतः गवरी जैसे आयोजनों को मात्र लोककला के रूप में ही परिभाषित नहीं कर सकते अपितु इसे जनजातीय गौरव व पहचान के सशक्त माध्यम के रूप में समझने की आवश्यकता है। इसलिए यह आयोजन व इससे निमिती व्यापक समझ विकसित भारत-विकसित मेवाड़ के सपने को साकार करने में सहायक होगी, ऐसी अपेक्षा, आवश्यकता व अवधारणात्मक स्पष्टता के निमित यह संगोष्ठी आयोज्य है।

उद्देश्य

- विकसित भारत में मेवाड़-वागड़ के विकास के आयामों व जन- आकांक्षाओं पर चर्चा करना।
- सन 2047 में विकसित मेवाड़-वागड़ की सम्भावनाओं, चुनौतियों व समाधानों को चिन्हित करना।
- जनजातीय समाज की विरासत, परम्पराओं व जीवन मूल्यों में सतत विकास की अवधारणाओं पर प्रकाश डालना।
- जनजातीय समाज के परम्परागत ज्ञान का आधुनिक पद्धतियों के साथ सामंजस्य पर चर्चा करना।
- दक्षिण राजस्थान की विरासत, विकास, नीति निर्माण व जन भागीदारी पर दृष्टिपत्र तैयार करना।
- लक्षित समूहो व सरकारी योजनाओं के मध्य के अंतराल को समाप्त करने हेतु रोडमैप तैयार करना।
- विभिन्न क्षेत्रो के सर्वोत्तम अभ्यासों का क्षेत्र में क्रियान्वयन व नवाचारों का रोडमैप तैयार करना।
- वन संरक्षण व जनजातियो के वनाधिकार प्रावधानों पर अवधारणात्मक स्पष्टता के प्रयास करना तथा क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों पर दृष्टिपत्र तैयार करना।
- क्षेत्र में जैविक कृषि को बढ़ावा देने का नीति पत्र तैयार करना।

विकसित भारत - विकसित मेवाड़ @2047:

संकल्पना और रणनीतियाँ

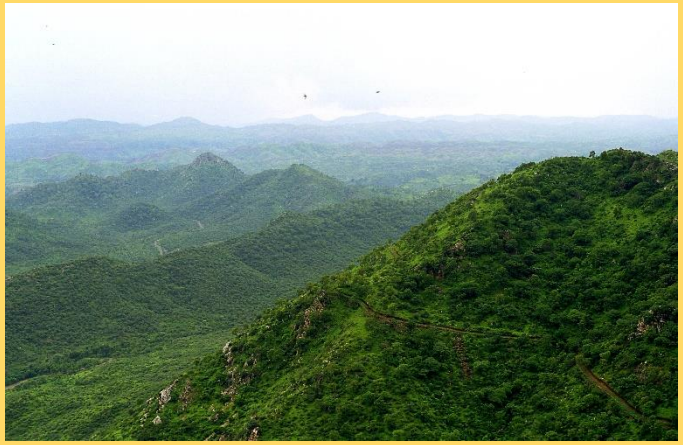

राष्ट्रीय परिसंवाद

अर्थशास्त्र विभाग,

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

एवं

अरावली विचार मंच, उदयपुर

के संयुक्त तत्वाधान में

28 मई 2024

स्थान - बप्पा रावल सभागार,

स्वर्णजयंती अतिथि गृह,

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रारूप

प्रस्तावित परिसंवाद में आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान, शोध पत्र प्रस्तुतिकरण, पैनल चर्चा, जनप्रतिनिधियों के व्यावहारिक अनुभवों आदि द्वारा मुक्त चिंतन प्रस्तावित है।

आमंत्रित प्रतिभागी

यह परिसंवाद आलोचित विषय में रूचि रखने वाले आमंत्रित विषय विशेषज्ञों के लिए एक मंच है जो अपने व्यवहारिक अनुभव, शोध, अनुसन्धान एवं अध्ययन आदि के माध्यम से दक्षिण राजस्थान की विकास यात्रा एवं भावी दिशा में रूचि रखते है। आमंत्रित सहभागियों को बस अथवा रेल का वास्तविक किराया देय होगा। प्रमाणपत्र, भोजन की व्यवस्था आयोजकों का सौभाग्य रहेगा।

आयोजन सचिव

डॉ. विनीता राजपुरोहित
प्रभारी-विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग,
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
सम्पर्क सूत्र: 8005802574
ईमेल:vinitarajpurohit@mlsu.ac.in

उद्घाटन सत्र

समय: प्रातः 9:00 बजें

मुख्य अतिथि	माननीय बाबूलाल जी खराड़ी, केबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार
बीजभाषण	डॉ. मन्नालाल जी रावत, पूर्व ACT राजस्थान सरकार तथा निदेशक TEER फाउंडेशन नासिक
सारस्वत अतिथि	श्री तारा चंद जी जैन, विधायक, उदयपुर शहर
अध्यक्षता	प्रो. सुनीता मिश्रा, कुलपति, सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

समापन सत्र

समय: सायं 5:45 बजें

मुख्य अतिथि	श्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय, वरिष्ठ भाजपा नेता
सारस्वत अतिथि	श्री इंद्रपाल सिंह मथारू, आईएफएस (से. नि.)
अध्यक्षता	प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत, कुलपति, जनार्दन राय नागर, वि.वि., उदयपुर

प्रथम सत्र: आधारभूत संरचना एवं समावेशी विकास

समय: 10:45 से 12:45 मध्याह्न

पैनलिस्ट :

- प्रो. विवेक विजय, आई. आई. टी., जोधपुर
- श्री एम. एल. वर्मा, सेक्रेटरी (से. नि.) पी.डब्ल्यू. डी.
- प्रो. अनिल मेहता, प्राचार्य, विद्या भवन, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय

द्वितीय सत्र: कौशल विकास वृहत योजना

समय: 1:30 से 3:30 मध्याह्न

पैनलिस्ट :

- प्रो. बी. पी. शर्मा, पूर्व कुलपति, गौतम बुद्ध वि. वि., नोएडा
- डॉ. जयन्ती भाई चौधरी, सदस्य, जनजातीय सलहाकार परिषद, गुजरात सरकार
- श्री. सतीश शर्मा, सहायक वन संरक्षक (से. नि.)

तृतीय सत्र: संस्कृति, पर्यटन एवं सुशासन

समय: 3:45 से 5:45 अपराह्न

पैनलिस्ट :

- श्री राजा राम कटारा, संस्थापक-शिवगंगा मिशन, झाबुआ
- श्री बंसी लाल कटारा, सामाजिक चिंतक, डूंगरपुर
- डॉ. शैलेन्द्र सोमानी, ट्रस्टी-निदेशक, एम.डी.एस. ग्रुप ऑफ स्कूल्स
- श्री लोकेश पालीवाल, आई. टी. प्रोफेशनल तथा सोशल एंटरप्रेनर

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur [Raj.]

(NAAC ACCREDITED "A" GRADE STATE UNIVERSITY)

Tel.: (0)+91-294247-0192,Email:pharmacymlsu@gmil.com.pharmacy@mlsu.ac.in

Event Report

Sports day Activity-2024

On 18 Feb 2024 Department of Pharmacy Organized stress-free game zone for all the students & faculty members.

More than 42 students participated.

Below are the pictures of some games

HEAD

HEAD
Deptt. of Pharmaceutical Sciences

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur [Raj.]

(NAAC ACCREDITED "A" GRADE STATE UNIVERSITY)

Tel.: (0)+91-294247-0192,Email:pharmacymlsu@gmil.com.pharmacy@mlsu.ac.in

Event Report

Pharmacist Day Celebration-2023

On 10 April 2024 Department of Pharmacy Organized Pharmacist Day Celebration for all the students & MLSU faculty members.

More than 198 participants participated.

Below are the pictures

HEAD

HEAD
Deptt. of Pharmaceutical Sciences

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur [Raj.]

(NAAC ACCREDITED "A" GRADE STATE UNIVERSITY)

Tel.: (0)+91-294247-0192,Email:pharmacymlsu@gmil.com.pharmacy@mlsu.ac.in

Event Report

ISN-MLSU First Neurochemistry School on "Advances in Neurochemical Research Techniques & Management of Neurological Disorders" **Funded by** International Society for Neurochemistry, USA

24 January, 2024

The ISN-MLSU First Neurochemistry School on "Advances in Neurochemical Research Techniques & Management of Neurological Disorders" Funded by International Society for Neurochemistry, USA with INR 28,08,249 was a highly successful seven-day event that brought together experts, researchers, and students for an enriching exploration of neurochemical advancements.

The program featured lectures by renowned scientists covering cutting-edge topics such as G-protein coupled receptor pharmacology, theranostic nanoparticles in neuro- oncology, and the neuroprotective potential of Quercetin. Discussions also delved into ethical dimensions of neuroscience research, innovative drug development, and advanced clinical trial designs for neurological disorders.

Hands-on laboratory sessions were a highlight, offering practical training in rodent brain surgery, DNA expression techniques, UHPLC, and NMR demonstrations. Participants also explored neuroplastic pathways, Parkinson's Disease biomarkers, and neural graft technologies, bridging theory with real-world applications.

The program featured lectures and insights from distinguished scientists, including Prof. Lance McMahon, Dr. Atulabh Vajpeyee, Prof. V.K. Khanna, Dr. Dharmendra Kumar Khatri, Dr. Awanish Mishra, Prof. Min Hua Chen, Dr. Ashok Datusalia, Dr. Phalguni Anand Alladi, Dr. Pallab Bhattacharya, Prof. Jens Hjerling-Leffler, Prof. L.C. Chiou, Prof. R.K. Goel, Dr. Kaisar Raza, Prof. Chrystalina Antoniades, Dr. Ashutosh Pareek, Dr. Sanket Jadhav, and Dr. Lokesh Agrawal. Their expertise enriched the discussions on neurochemical advancements and therapeutic innovations

This successful event fostered an enriching environment for sharing knowledge and inspiring advancements in neurochemical research. Our gratitude goes to all speakers, participants, and organizers for making this initiative a resounding success.

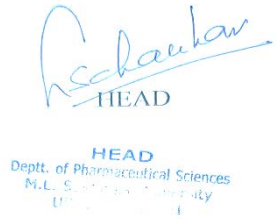

HEAD

Annexure- 7.1.1a

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, MLSU,

UDAIPUR, RAJASTHAN-313001 INDIA

A REPORT OF THE INTERNATIONALWOMEN'S DAY CELEBRATION

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated International women's Day 2024 under the campaign theme of "**Invest in women: Accelerate progress**". This theme recognizes the efforts of women human rights defenders, peacebuilders, and feminist movements to build peace. Imagine a gender equal world. A world free of bias, stereotypes, and discrimination. A world that is diverse, equitable and inclusiveon 8th march, 2024. All the Teaching and Non-teaching staff members, research scholars, and students of B. Pharm. were present. Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan is felicitated Mrs. Meera Bai (sweeper) on this occasion followed by a speech of Prof. L. S. Chauhan.

HEAD

HEAD
Deptt. of Pharmaceutical Science
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR - 313001

Annexure - 7.1.5a

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, MLSU,

UDAIPUR, RAJASTHAN-313001 INDIA

A REPORT OF THE MAHATMA GANDHI JAYANTI CELEBRATION 2023

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated 2nd October, 2023 as a Swachh Bharat Abhiyan is the most significant cleanliness launched on 2nd October 2014 to honour Mahatama Gandhi's vision of a clean country. All the Teaching, Non-teaching staff members, research Scholars and students of B. Pharm. were participated in the cleanliness. Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan given the guidelines and speech on this occasion.

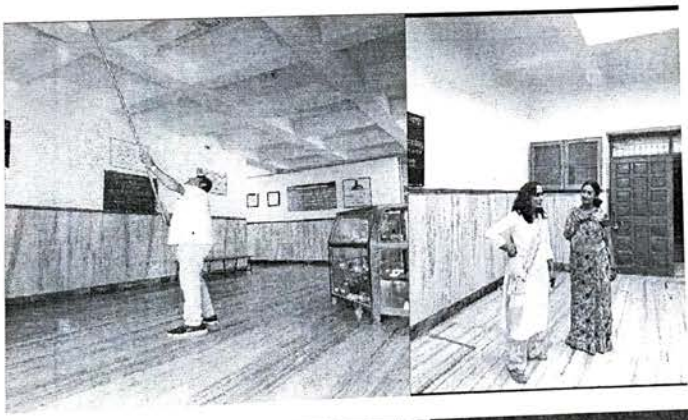

पत्रिका

र, 5 अक्टूबर 2023

दर्ज स्वास्थ्य जांच शिविर में 32 यूनिट रक्तदान

उदयपुर. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग की ओर से बुधवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर सुनीता मिश्रा एवं विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सीपी जैन ने रैली को रवाना किया। इसके पश्चात कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान अनेक जांच की गई। जांच शिविर में कुल 354 रजिस्ट्रेशन किए गए। एसएजी आई हॉस्पिटल व आर 3 आई केयर के सहयोग से निशुल्क नेत्र जांच शिविर, ब्लड बैंक आरएनटी मेडिकल कॉलेज के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में कर्मचारियों ने कुल 32 यूनिट रक्तदान किया।

HEAD

HEAD
Deptt. of Pharmaceutical Sciences
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR - 313001

Annexure- 7.1.56

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, MLSU,

UDAIPUR, RAJASTHAN-313001 INDIA

REPORT OF THE NATIONAL YOUTH DAY CELEBRATION 2024

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated 161st birth anniversary of Swami Vivekanand as a Rashtriya Yuva Diwas on 12th January, 2024 on the theme "**Arise, Awake, and Realize the Power You Hold**". The day is celebrated on January 12th to honor the birth anniversary of Swami Vivekananda, a 19th century Indian saint, philosopher, and spiritual leader." All the Teaching and Non-teaching staff members, research Scholars, and some of the students of B. Pharm. were present. A speech was delivered by Prof. L. S. Chauhan, Head of the Department.

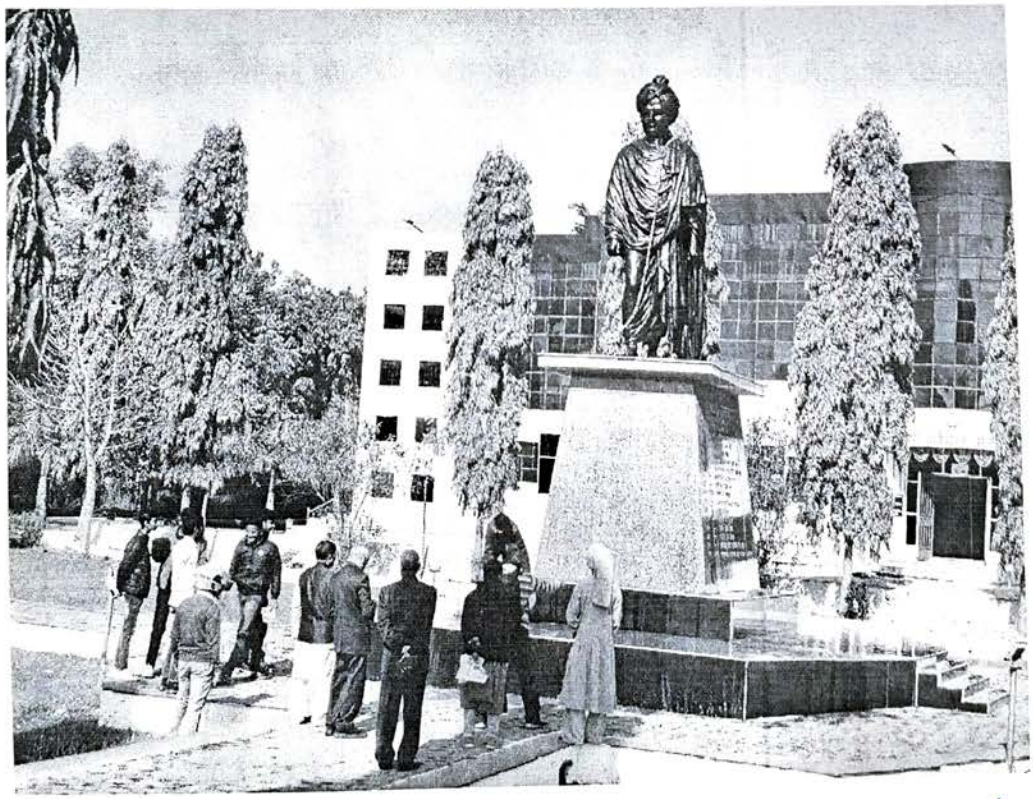

HEAD

HEAD
Deptt. of Pharmaceutical Scienc
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR-313001

Annexure-7.1.2a

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, MLSU, UDAIPUR, RAJASTHAN-313001 INDIA

RAJASTHAN DIWAS CELEBRATION REPORT 2024

The Department of Pharmaceutical Sciences, MLSU celebrated the 75th "Rajasthan Diwas" on Tuesday, 30th March, 2024 on theme "Day to Save the Culture of Harmony". Carom and Chess and badminton competitions for the students and staff were organized. Students of semester I, III, V and VII as well as staff members actively participated in all the activities. Certificates were provided to all the participants, winners were rewarded with a trophy and in the evening a breakfast was served for all.

HEAD

HEAD
Dept. of Pharmaceutical Science
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR - 313001

Annexure- 7.1.9a

Department of Pharmaceutical Sciences, MLSU, Udaipur, Rajasthan-313001 INDIA

REPORT OF WORLD PHARMACIST DAY CELEBRATION 2023

The Department of Pharmaceutical Sciences, MLSU has celebrated World Pharmacist Day on 25th September, 2023, on theme **"Pharmacy strengthening health systems"**. The theme was chosen to highlight the importance of pharmacists in health systems, especially in the post-COVID world, in which various activities were organized for the awareness and Health benefits of the society.

The some sports, curricular and extracurricular activities took place in the Department by the staff, research scholars and B. Pharm. students.

The Department also participated in the "Swachh Bharat Mission" by the Govt. of India on This campaign was officially launched on 2 October 2014 at Rajghat, New Delhi, where Prime Minister Narendra Modi himself wielded broom and cleaned a road. The campaign is India's biggest ever cleanliness drive and 3 million government employees and schools and colleges students of India participated in this event.

HEAD

HEAD
Deptt. of Pharmaceutical Sciences
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR - 313001

Annexure - 7.1.10a

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, MLSU,

UDAIPUR, RAJASTHAN-313001 INDIA

REPORT OF THE NATIONAL PHARMACY WEEK CELEBRATION 2023

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated National Pharmacy Week on November, 2023. The theme for the 62nd National Pharmacy Week (NPW) in 2023 was "**Join Pharmacists to Ensure Patient Safety**". The week was celebrated from November 19–25, 2023.

The NPW is celebrated every year in the third week of November to recognize the important role Pharmacists play in the healthcare system. The week also highlights the responsibilities of Pharmacists to society, and the history of the Pharmacy profession. The some sports, curricular (Poster session, extempore, face making, and rangoli) and cultural activities took place in the Department by the staff, research scholars and B. Pharm. students. The gathering was guided and addressed by the Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan followed by the high tea.

HEAD

HEAD
Deptt. of Pharmaceutical Sciences
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR - 313001

Annexure - 7.1.10b

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, MLSU,

UDAIPUR, RAJASTHAN-313001 INDIA

REPORT OF THE WORLD YOGA DAY CELEBRATION 2024

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated Yoga on the occasion of 10th International Day of Yoga, 21 June, 2024 on the theme of "Yoga for Self and Society". Yoga, a transformative practice, represents the harmony of mind and body, the balance between thought and action, and the unity of restraint and fulfillment. All the Teaching and Non-teaching staff members, research scholars, and many of the students of B. Pharm. were present. A speech was delivered by Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan.

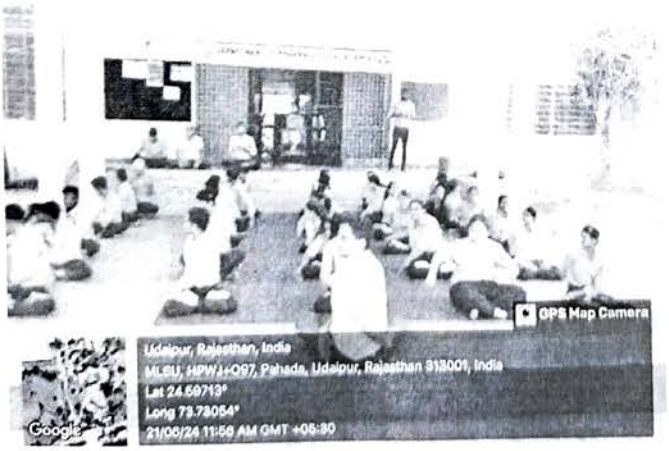

HEAD

HEAD
Deptt. of Pharmaceutical Science
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR - 313001

Annexure-7.1.1a

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, MLSU,
UDAIPUR, RAJASTHAN-313001 INDIA

REPORT OF THE INDEPENDENCE DAY CELEBRATION 2023

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated Independence Day on 15th August, 2023. All the Teaching, Non-teaching staff members, research Scholars, and some of the students of B. Pharm. were present. The flag was hoisted by the Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan followed by the National anthem. A speech was given by Prof. L. S. Chauhan.

HEAD

HEAD
Deptt. of Pharmaceutical Scien...
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR - 313001

Annexure-7.1.11.6

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL SCIENCES, MLSU,

UDAIPUR, RAJASTHAN-313001 INDIA

A REPORT OF THE REPUBLIC DAY CELEBRATION 2024

The Department of Pharmaceutical Sciences, Mohanlal Sukhadia University is celebrated Republic Day on 26th January 2024. All the Teaching and Non-teaching staff members, research Scholars, and some of the students of B. Pharm. were present. The flag was unfurled by the Head of the Department, Prof. L. S. Chauhan followed by the National anthem. Gathering was addressed by Prof. L. S. Chauhan.

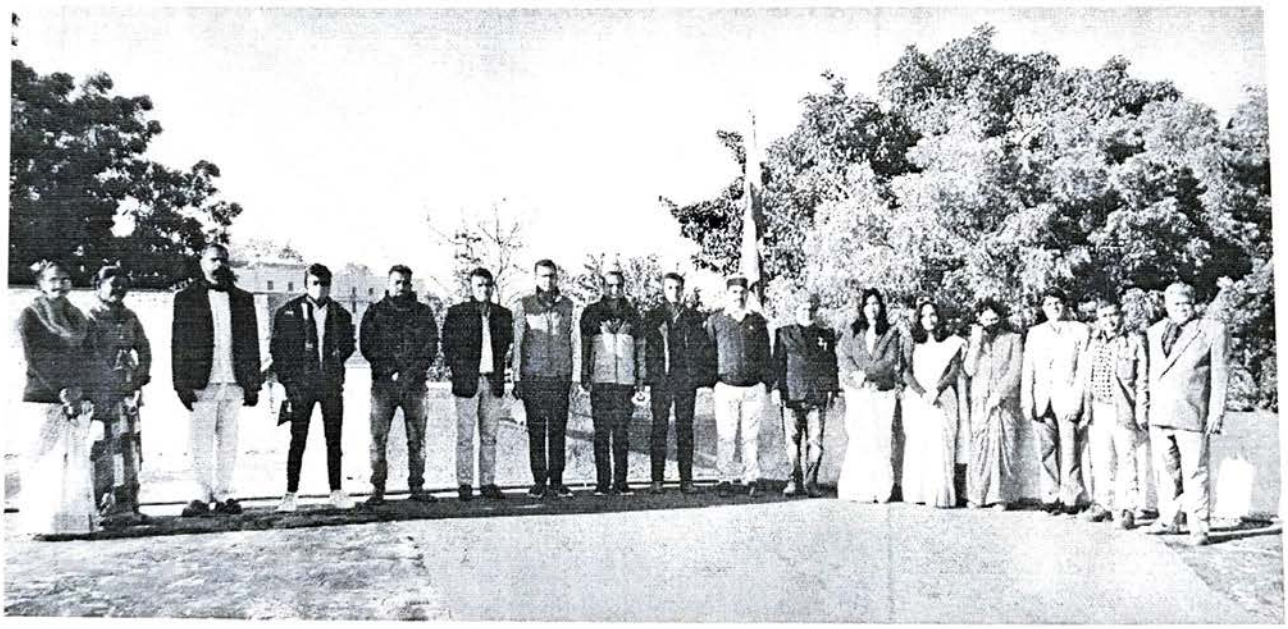

HEAD

HEAD
Deptt. of Pharmaceutical Science
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR - 313001

Department of Biotechnology/Microbiology
Vigyan Bhawan, Block – B, New Campus
Mohanlal Sukhadia University
Udaipur– 313001
Email – biotech@mlsu.ac.in
Telephone No.:- 0294-2470071

Date: 19/02/2024

Notice

The department is going to organize **"Scientific Poster and Scientific Rangoli Competition"** to celebrate the **National Science Day** on 28.02.2024 from 11:00 am onwards. All faculty members and students are invited to attend the programme. Interested students are instructed to submit their name to the respective coordinators :-

1. Dr. Nitish Rai - M.Sc. Biotechnology II & III Sem.
2. Dr. Avinash Marwal - B.Sc. Biotechnology II, IV & VI Sem.
3. Dr. Namita Ashish Singh - M.Sc. Microbiology II & III Sem.

The coordinators are requested to discuss and finalize the schedule.

Dr. Harshada Joshi
Course Director
Course Director
Department of Biotechnology
Mohanlal Sukhadia University
Udaipur (Raj.)

DEPARTMENT OF ENVIRONMENTAL SCIENCES

Poster Gallery

Hon. D.S. Kothari Bday Celebration

विश्वविख्यात डॉ॰ डीएस॰ कोठारी जी की जयंती उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि

विश्वविख्यात व महान वैज्ञानिक डॉ. डी.एस.कोठारी जी की जयंती (6 जुलाई 2024) के उपलक्ष्य में बायोटेक्नोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में दिनांक 6 जुलाई, 2024 को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डी. एस. कोठरी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च एवं विज्ञान समिति के गणमान्य पदाधिकारियों प्रोफेसर के. एल. कोठरी, प्रोफेसर सुरेंद्र पोखरना व अन्य सदस्यों ने विभाग के कैंपस गार्डन में स्थापित डॉ. कोठारी जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। डॉ. हर्षदा जोशी कोर्स डायरेक्टर, बायोटेक्नोलॉजी व माइक्रोबायोलॉजी विभाग व सभी शिक्षकगण ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया। प्रोफेसर के. एल. कोठारी जी ने डॉ. डी.एस.कोठारी जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। विभाग के सभी संकाय सदस्य, डॉ. टीकमचंद डाकल, डॉ. अविनाश मारवाल, डॉ. नमिता आशीष सिंह व विभाग के कर्मचारी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

अनावरण

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

Date:10th March2023

Report on Women's Day and Ethnic Day Celebration

To celebrate the International Women's Day and Ethnic Day, 2023 the Institute of Engineering and Technology (MLSU) organized a special event on Women Empowerment on 8th March 2023. The event consists of many performances by the students. The active participation was given by the students and faculty members. For the Ethnic Day celebration everyone was dressed in Indian traditional attires. The event was full of joy by the dance and singing performances given by the students of 1st year and 2nd year. Some entertainment games were arranged for the faculty members like cup tower making competition for female faculties and balloon blowing competition for male faculties.

The event was held successfully and everyone enjoyed a lot. At the end the prizes were given to the winners and participants. And refreshments were given to the students.

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

Date:10th March2023

Report on Women's Day and Ethnic Day Celebration

To celebrate the International Women's Day and Ethnic Day, 2023 the Institute of Engineering and Technology (MLSU) organized a special event on Women Empowerment on 8th March 2023. The event consists of many performances by the students. The active participation was given by the students and faculty members. For the Ethnic Day celebration everyone was dressed in Indian traditional attires. The event was full of joy by the dance and singing performances given by the students of 1st year and 2nd year. Some entertainment games were arranged for the faculty members like cup tower making competition for female faculties and balloon blowing competition for male faculties.

The event was held successfully and everyone enjoyed a lot. At the end the prizes were given to the winners and participants. And refreshments were given to the students.

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

Date: 25th March,2023

Report on NSS Activity

The NSS (National Service Scheme) activity held at IET College was a commendable initiative that demonstrated the commitment of the students, particularly those in their first and second years, towards community service and social welfare. In this particular event, students were taken to a slum area where they engaged in a meaningful outreach effort.

During the visit to the slum area, the students distributed ORS (Oral Rehydration Solution) and energy drinks to the residents. This act of kindness not only provided essential health support to the community but also symbolized the students dedication to improving the well-being of the less privileged. Additionally, the students took the opportunity to educate their surroundings about the significance of sanitation and hygiene. They shared valuable insights on maintaining clean living conditions, which are vital for overall health and quality of life.

TheNSSactivitywasaremarkabledemonstrationofempathyandsocialresponsibility bythestudentsofIETCollege.Itnotonlyhelpedtheslumcommunitybutalsoinstilled asenseofcivicdutyandcompassionintheparticipatingstudents,showcasing the positive impact of such initiatives on both the beneficiaries and the volunteers.

सुविवि : इंजीनियरिंग कॉलेज के स्टूडेंट्स क्लब की नई पहल, जल संरक्षण के साथ देंगे स्वास्थ्य प्रबंध भी महत्वपूर्ण टिप्स

झुग्गी-झोपड़ियों में समझाएंगे जल का 'महत्व'

ब्यूरो नवज्योति। उदयपुर

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संघटक इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के स्टूडेंट्स क्लब ने फैकल्टी इंजीनियर प्रफुल्ल कोठारी के साथ मिलकर नई पहल की है। आगामी ग्रीष्मकाल को देखते हुए कॉलेज के आसपास स्थित झुग्गी झोपड़ियों के रहवासियों को जल संरक्षण के साथ स्वास्थ्य प्रबंधन के टिप्स देंगे। इसकी शुरुआत कर दी गई है। इंजीनियर प्रफुल्ल कोठारी ने बताया कि आईईटी कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. अविनाश पंवार के निर्देशन में हुए इस अभियान में स्टूडेंट्स क्लब के सदस्यों ने झुग्गी-झोपड़ी में स्थित बच्चों, युवाओं और महिलाओं से बातचीत की तथा उनके क्षेत्र में पेयजल प्राप्ति, उसके संरक्षण आदि की बारीकियां जानी तथा साथ-साथ उन्हें कई तरह की महत्वपूर्ण जानकारी दी एवं सैकड़ों ओआरएस के पैकेट का वितरण किया। स्टूडेंट्स ने यहां विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को इसे लेकर आगे आने का आव्हान किया।

कहा कि यदि घर के बच्चे और युवाओं द्वारा इस अभियान की पहल की जाएगी तो घर के अन्य सदस्यों के लिए लाभकारी रहेगा। आईईटी के कुछ स्टूडेंट्स ने यहां निवासरत युवाओं से आगामी गर्मी के दिनों में जल संरक्षण करने की विभिन्न प्रक्रियाओं को साझा किया तथा घर एवं आसपास में लंबे समय से जमा पानी को हटाने की बात कही। कोठारी ने बताया कि आगामी दिनों में भी यह अभियान जारी रहेगा तथा स्टूडेंट्स शहर व आसपास के विभिन्न स्थलों पर जाकर इसी तरह से अभियान संचालित करेंगे।

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

Date:04th March,2023

Report on Worlds Engineer's Day

The Engineer's Day celebration was a momentous occasion for the students of IET College, where they gathered to honor the remarkable contributions of engineers to society. As part of the festivities, a captivating tech talk session was organized, providing a platform for students and faculty to delve into the latest technological advancements and engineering innovations. The session featured the speaker as Er. C.P. JAIN who shared their experiences and insights, inspiring the students to reach greater heights in their engineering pursuits.

In addition to the tech talk session, the college premises were adorned with a vibrant display of posters highlighting various engineering marvels and break thought. These posters served as informative and visually engaging exhibits, offering a glimpse into the fascinating world of engineering. The Engineer's Day celebration fostered a sense of pride among the students of IET College, reminding them of the critical role engineers play in shaping our world and driving innovation. It was an event that ignited enthusiasm for engineering and encouraged students to pursue their engineering dreams with dedication and passion.

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

Date: 5th June,2023

Report on Yoga Day

Yoga Day is an annual celebration observed worldwide, and it holds special significance for the students of IET College. On this day, "students of IET College" join people across the globe to promote physical and mental well-being through the practice of yoga. The day typically involves various yoga sessions, workshops, and demonstrations to emphasize the importance of yoga in maintaining a healthy lifestyle.

In IET College, students come together to participate in yoga sessions led by experienced instructors, allowing them to experience the physical and mental benefits of this ancient practice.YogaDayservesasareminderoftheimportanceofmindfulness,stress management, and physical fitness, which are vital aspects of a student's life.

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

Date: 04th March,2023

Report on Engineer's Day

The Engineer's Day celebration was a momentous occasion for the students of IET College, wheretheygatheredtohonortheremarkablecontributionsofengineerstosociety.Aspart of the festivities, a captivating tech talk session was organized, providing a platform for students and faculty to delve into the latest technological advancements and engineering innovations. The session featured the speaker as Er. C.P. JAIN who shared their experiences and insights, inspiring the students to reach greater heights in their engineering pursuits. Inadditiontothetechtalksession,thecollegepremiseswereadornedwithavibrantdisplay ofpostershighlightingvariousengineeringmarvelsandbreakthroughs.Thesepostersserved asinformativeandvisuallyengagingexhibits,offeringaglimpseintothefascinatingworld ofengineering.TheEngineer'sDaycelebrationfosteredasenseofprideamongthestudents of IET College, reminding them of the critical role engineers play in shaping our worldand driving innovation. It was an event that ignited enthusiasm for engineeringand encouraged students to pursue their engineering dreams with dedication and passion.

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

Date: 10th March,2023

Report on Seminar by DhruvAgrawal

A seminar of great significance took place within the premises of IET College, featuring a distinguished guest speaker, Mr. Dhruv Agrawal. Mr. Agrawal, not only an accomplished electrical engineer from IIT Delhi but also the co-founder and COO of Shipsy, shared his insightsandexpertisewiththeaudience.Hispresence and background added an air of authority and excellence to the event.

During the seminar, Mr. Agrawal provided valuable insights into the world of electrical engineering and technology innovation. His journey from IIT Delhi to co-founding Shipsy, a notable company in the field of logistics and supply chaintechnology, served as an inspiring example for the students and faculty inattendance. The event allowed attendees to gain adeeper understanding of thepractical applications of electrical engineering and how it can be harnessedforreal-worldsolutions.Mr.Agrawal'svisitandtheseminarservedasaplatform for students to explore exciting career possibilities and broaden their horizons in the field of electrical engineering.

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

Date: 15th July, 2023

Report on Women in Engineering Seminar

Onthe 15thand16thof July,asignificantseminar unfoldedattheInstituteof Engineers (India) Udaipur Local Centre, dedicated to the theme of "Women in Engineering." The distinguished Chief Guests for this illuminating event were Dr.Ajit Kumar Karnatak, Prof. Padmakali Bannerjee, and Dr. NS Rathore, each contributing their invaluable insights. Their inspiring words on the pivotal role ofwomeninthecountry'sdevelopmentservedasabeacon of hope for all in attendance. The seminar witnessed enthusiastic participation from female engineering students andfaculty members, includingDr. Hemani Paliwal, Er. Vimla Dangi,and Er. Jaishree Chouhan. Their active engagement added depth tothe discussions, creating a vibrant atmosphere that celebrated the accomplishments of women in engineering and pavedthe way for a more inclusive and empowered future in the field.

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

.

Date:10thMarch, 2023

Report on Women's Day and Ethnic Day Celebration

To celebrate the International Women's Day and Ethnic Day, 2023 the Institute of Engineering and Technology (MLSU) organized a special event on Women Empowerment on 8th March 2023. The event consists of many performances by the students. The active participation was given by the students and faculty members. For the Ethnic Day celebration everyone was dressed in Indian traditional attires. The event was full of joy by the dance and singing performances given by the students of 1st year and 2nd year. Some entertainmentgames were arranged for the faculty members like cup tower making competitionfor female faculties and balloon blowing competition for male faculties.

Theeventwasheld successfully andeveryone enjoyed alot.At the end theprizeswere given to the winners and participants. And refreshments were given to thestudents.

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

Date:5th June,2023

ReportonYogaDay

Yoga Day is anannualcelebration observedworldwide,and it holdsspecialsignificance for the students of IET College. On this day, "students of IET College"join people across the globe to promote physical and mental well-being throughthe practice of yoga. The day typically involvesvariousyogasessions,workshops,anddemonstrationstoemphasizetheimportance of yoga in maintaining a healthy lifestyle.

In IET College, students come together to participate in yoga sessions led by experienced instructors, allowing them to experience the physical and mental benefits of this ancient practice.YogaDayservesasareminderoftheimportanceofmindfulness,stress management, and physical fitness, which arevital aspects of a student's life.

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.) 313001

Date:13th March, 2023

Report on BIS Activity

The Bureau of Indian Standards (BIS) club activity organized by second-year students of IET College was a commendable initiative that demonstrated their commitment to promoting and upholding quality standards in various industries. This activity allowed "students of IET College"toengageindiscussionsandactivitiesrelatedtoBISstandards,whichplayavital role in ensuring product safety and quality in India.

During the club activity, students had the opportunity to explore different BIS standards, understand their significance in various sectors, and discuss the impact of these standards on public safety and product quality.

The BIS club activity not only enhanced the knowledge of "students of IET College"but also instilled a sense of responsibility regarding quality standards in their respective disciplines. It encouragedthem to be more aware of the products they encounter in daily life and inspired them to promote the principles of safetyand quality assurance. This initiative showcased their dedication to a better andsafer future for all.

संस्कृत विभाग
गाँधी जयन्ती
: विचार गोष्ठी
02-10-2023
विषय: गाँधी का भारत
M.A. संस्कृत
CLASS ROOM
158
GPS Map Camera
Udaipur,RJ,India
University Road, Mohanlal Sukhadia University,
Udaipur, 313001, RJ, India
Lat 24.596052, Long 73.730699
10/02/2023 11:35 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

Note: All Activities were carried out jointly by all the NSS Units.

13 Sep, 2023: Rajasthan Mission 2030 Essay and Extempore Competition

विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा 'राजस्थान मिशन -2030' पर निबंध एवं आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 13 सितंबर 2023 को किया गया। विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय की NSS की पांचो इकाइयों द्वारा राजस्थान सरकार के अभियान "राजस्थान मिशन -2030" के तहत निबंध एवं आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर तथा शोध विद्यार्थियों ने भाग लिया। अधिष्ठाता प्रो सी पी जैन, सहायक अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी और सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ सुशील गांधी के सानिध्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 75 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने राजस्थान मिशन- 2030 के अंतर्गत विभिन्न विषय-वस्तु जैसे उच्च शिक्षा, प्रशासन, पर्यावरण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, महिला सुरक्षा, शिक्षा एवं सशक्तिकरण, शोध और उन्नयन, रोजगार , विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा समसामयिक विषयों पर निबंध एवं आशुभाषण के स्वरूप में अपने सुझाव और विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के दौरान सहायक अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ सुशील गांधी, प्रॉक्टर डॉ प्रभात बारोलिया, प्रतियोगिता के संयोजक एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ गिरिमा नागदा, डॉ तृप्ता जैन, डॉ प्रदीप विश्वकर्मा, डॉ अविनाश मारवाल, डॉ दीपक चौधरी, श्री भरत कुमार यादव तथा अन्य संकाय सदस्य डॉ जया अरोड़ा, डॉ प्रद्युमन सिंह राणावत, डॉ अनिता मेहता और डॉ कीर्ति खुरदिया उपस्थित रहे।

23th Sept, 2023: A NSS Event on Grooming & Career Planning (Kar Lo Safalta Mutthi Mein)

" कर लो सफलता मुट्ठी में " विषय पर हुआ सेमिनार । मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के संघटक विज्ञान महाविद्यालय के पांचों NSS इकाइयों व महाविद्यालय प्रशासन के सानिध्य में "दैनिक जागरण व जिलेट गार्ड" द्वारा "Grooming & Career Planning Seminar" का आयोजन स्वामी विवेकानंद हॉल में 23/09/2023 को किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हरीश हरचंदानी उपस्थित रहे । उन्होंने स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों को साक्षात्कार संबंधित जानकारी प्रदान करवाई जिसमें बातचीत की शैली एवं अपने व्यक्तित्व को कैसे निखारा जाए इसके बारे में मार्गदर्शन दिया गया । विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर इस कार्यक्रम में भाग लिया एवं इस कार्यक्रम को सफल बनाया । कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो सी पी जैन, सह अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ एस के गांधी, प्रॉक्टर डॉ प्रभात बारोलिया , NSS प्रोग्राम ऑफिसर डॉ गिरिमा नागदा , डॉ तृप्ता जैन, डॉ प्रदीप विश्वकर्मा एवं डॉ अविनाश मारवाल और करीब 150 स्वयंसेवक मौजूद रहे ।

2 October, 2023: Gandhi Jayanti Celebration Cleanliness Drive

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन। विज्ञान महाविद्यालय की NSS की पांचों इकाइयों द्वारा गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती 2 अक्टूबर 2023 को प्रातः 11:00 बजे से स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी पी जैन, सह अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी, प्रॉक्टर डॉ प्रभात बारोलिया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम अधिकारी डॉ दीपक चौधरी, डॉ गिरिमा नागदा, डॉ तृप्ता जैन, डॉ प्रदीप विश्वकर्मा, और डॉ अविनाश मारवाल के साथ करीब 120 स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया । महाविद्यालय के परिसर की साफ सफाई की गई तथा विद्यार्थियों को स्वच्छता जागरूकता हेतु स्वच्छता शपथ, तथा स्वच्छता का महत्व, राष्ट्रहित और राष्ट्र निर्माण के विषयों पर अवगत कराया गया

28 October, 2023: Bhartiya Sanskriti Gyan Pariksha

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा *भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा (महाविद्यालय) - 2023-24* का आयोजन। विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा एनएसएस स्वयंसेवकों और छात्रों के लिए *भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा (महाविद्यालय)-2023-24* का आयोजन कराया गया। यह परीक्षा अखिल विश्व गायत्री परिवार, हरिद्वार के संरक्षण में हुई। परीक्षा का आयोजन *मेरी माटी मेरा देश* कार्यक्रम के अंतर्गत, 28 अक्टूबर, 2023 को दोपहर 12:00 बजे से 1:00 बजे तक महाराणा भूपाल विज्ञान महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में हुआ। इस परीक्षा के तीन चरण निर्धारित हैं, प्रथम चरण(महाविद्यालय स्तर), द्वितीय चरण(जिला स्तर) एवं तृतीय चरण(प्रान्तीय स्तर), जिसके प्रथम चरण के तहत महाविद्यालय में आयोजित हुई इस परीक्षा में 39 छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी स्वयंसेवकों को अपने समाज, संस्कृति और विरासत को समझने में मदद मिली। परीक्षा का आयोजन एवं संचालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. सी पी जैन, सह अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी, प्रॉक्टर डॉ प्रभात बारोलिया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम अधिकारी डॉ गिरिमा नागदा, डॉ तृप्ता जैन, डॉ प्रदीप विश्वकर्मा, डॉ अविनाश मारवाल और डॉ दीपक चौधरी के निरक्षण में सम्पन्न हुआ।

21 June, 2024: Yoga Day

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वयंसेवकों ने किया योग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संघटक विज्ञान महाविद्यालय की सभी पांच इकाइयों के स्वयंसेवकों ने योग के विभिन्न आसनों के साथ योगाभ्यास किया। योगासन करने से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करता है. योग से मांसपेशियों सुदृढ़ होती हैं, शरीर में प्राणाशक्ति बढ़ती है और आंतरिक अंगों में दृढ़ता आती है। साथ ही योग मानसिक तनाव से मुक्ति और मानसिक एकाग्रता प्रदान करता है। स्वयंसेवकों के इस प्रयास ने संदेश दिया कि योगाभ्यास स्वस्थ मन और शरीर के लिए आवश्यक है।

कॉसफेस्ट : आर्यन मिस्टर व विशाखा मिस कॉसफेस्ट

उदयपुर। विज्ञान महाविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव के अंतिम दिन समूह गान, समूह नृत्य और मिस्टर एंड मिस कॉस्फेस्ट प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी।सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ एसके गांधी ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुनीता मिश्रा ने कार्यक्रम में शिरकत की एवं छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति प्रो. मिश्रा ने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम से छात्रों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास होता है व महाविद्यालय में निरंतर होने चाहिए। महाविद्यालय के आर्यन खतुरिया मिस्टर कॉस्फेस्ट व विशाखा पालीवाल मिस कॉस्फेस्ट बने। हिमांशु पालीवाल और चित्रा भटनागर उपविजेता रहे। कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो सीपी जैन, सह अधिष्ठाता प्रो अतुल त्यागी, प्रो आरती प्रसाद, प्रो जीएस राठौड़, प्रो सुधीश कुमार, प्रो मनोज जैन, प्रो एलएस चौहान, डॉ पीके बारोलिया, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ दीपक चौधरी, डॉ गिरिमा नागदा, डॉ तृप्ता जैन, डॉ प्रदीप विश्वकर्मा और डॉ अविनाश मारवाल मौजूद रहे। समापन पर सभी विजेताओं को पुरष्कार वितरित किया गया।

{PLUS} SUNDAY
patrika.com

साइंस कॉलेज का वार्षिकोत्सव संपन्न

आर्यन मिस्टर कॉस्फेस्ट और विशाखा मिस कॉस्फेस्ट 2024 बनी

साइंस कॉलेज में शनिवार को कॉस्फेस्ट - 2024 सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते छात्र छात्राएं। पत्रिका

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

उदयपुर. सांस्कृतिक कार्यक्रम से छात्रों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है। महाविद्यालय में निरंतर ऐसे आयोजन होने चाहिए। यह बात एमएलएसयू की कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने कही। वे विज्ञान महाविद्यालय के तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव के अंतिम दिन समारोह को संबोधित कर रही थी। सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. एस के गांधी ने बताया कि समारोह में समूह गान, समूह नृत्य और मिस्टर एंड मिस कॉस्फेस्ट प्रतियोगिताएं हुई। इस दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। महाविद्यालय के आर्यन खतुरिया मिस्टर कॉस्फेस्ट-2024 और विशाखा पालीवाल मिस कॉस्फेस्ट बने। हिमांशु पालीवाल और चित्रा भटनागर उपविजेता घोषित हुए। कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो. सीपी जैन, सह अधिष्ठाता प्रो. अतुल त्यागी, प्रो. आरती प्रसाद, प्रो. जीएस राठौड़, प्रो. सुधीश कुमार, प्रो. मनोज जैन, प्रो. एल एस चौहान, डॉ पी के बारोलिया, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक चौधरी, डॉ. गिरिमा नागदा, डॉ. तृप्ता जैन, डॉ. प्रदीप विश्वकर्मा और डॉ. अविनाश मारवाल और महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य मौजूद रहे। समापन पर प्रतियोगिताओ में विजेता रहे प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

Phone: 0294-2417308 Email: usb@mlsu.ac.in Website: www.mlsu.ac.in

UNIVERSITY SPORTS BOARD

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR

Maharana Bhupal Sports Complex, M.B. College Ground, Saraswati Marg, Udaipur-313001 (Rajasthan)

No.: MLSU / USB / 2023-24/133 Date 11/09/2023

To,

The Director/Principal,

_____

_____

Sub.: **Inter Collegiate Sports Calender Session 2023-24 & General Information.**

Dear Sir/Madam,

It is my pleasure to forward you to Tentative Sports of Inter Collegiate Tournaments Session 2023-24, with other necessary enciosures regarding your active participation in the Inter Collegiate Tournaments & University Selection Trials of the current Session. Please **read carefully attached revised eligibility rules** of AIU, New Delhi.

The organizer of **Inter Collegiate Tournaments Session 2023-24** are hereby provided the list of all affiliated colleges for their general correspondence and invitations of the ICT through there concerning email id.

Please feel free in taking up any matter with us and when needed, we solicit your active co-operation in the smooth conduction of the Inter Collegiate Tournaments.

With Best Wishes,

Yours faithfully,

M.L. Sukhadia University Sports Board UDAIPUR-313001

(Dr. Bheem Raj Patel)
Secretary, USB

Enclosure:-

1. General Information for ICT/IUT with qualifying Mark.
2. Eligibility Performa.
3. Photo ID Performa.
4. Updated Eligibility Rules.
5. Invitation for University Selection Trials.
6. Tentative Sports Calender 2023-24
7. University Team Manager Duties & Rights.

(Dr. Bheem Raj Patel)
Secretary, USB

Dr. Bheem Raj Patel
Secretary
University Sports Board
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR-313001

UNIVERSITY SPORTS BOARD, MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY

MAHARANA BHUPAL SPORTS COMPLEX, SARASWATI MARG, UDAIPUR-313 001 (Rajasthan)
Ph.: +91-294-2417308, Fax: 2471150
Email: usb@mlsu.ac.in | Website: www.mlsu.ac.in

अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताएँ/विश्वविद्यालय स्तरीय चयन स्पर्धाओं के आयोजन एवं उसमें भाग लेने के संदर्भ में सामान्य सूचनाएं एवं महत्वपूर्ण निर्देश।

QUALIFYING MARKS FOR UNIVERSITY (TEAMS) COACHING CAMPS

सत्र 2023–24

Eligibility: Please send duly completed and signed (competent authority) eligibility Performa in triplicate, with one copy of **Photo ID Form of each team member** to the organizing secretary of ICT/ UST. आयु सीमा 17 से 25 वर्ष अर्थात 02 जुलाई 1998 या उसके पश्चात एवं महाविद्यालय में प्रवेश की तिथि तक 17 वर्ष का होना चाहिए। 2016 या उसके पश्चात् 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के वर्ष को **प्रथम अवसर** मानते हुए अधिकतम 8 बार प्रतियोगिता में भाग ले सकेगें।

Officiating Charges: For the all Inter-collegiate games officiating charges will be paid of @ Rs. 1000/-(One Time) in the Athletics, Archery, Chess, Cross Country, Wt. Lifting, Power Lifting, Best Physique will be per team and Cricket will be per match. Rest all ICT Sport events will be charged of Rs. 500/- per match from the session 2022-23.

No officiating charges will be to paid for the university selection trials: Please send only outstanding players for the university selection trials, neither a certificate of participations nor staying charges (lodging) will be paid for university selection trials.

Selection Committee: Should be consist of Five members (1) Organizing President (2) Organizing Secretary (3) University Observer of ICT, nominated by USB (4) One Technical Person as member Selection Committee of ICT, nominated by USB (5) A Technical Person nominated by the Organizing President with concern to Organizing Secretary. Committee will recommend the names of probable Players for the university team's coaching camp with the name of best player in men & women section separately.

Protest Committee: Should be consist of three members (1) Organizing Secretary (2) University Observer (3) A Technical Person nominated by the organizing President. A protest can be lodge by the submission of an application with protest fee Rs. 500/- to the Organizing Secretary, within an hour after complete of the event.

Nomination of Team Captain

Lodging Arrangement: At Udaipur the Lodging arrangement will be made by the Teams themselves. However lodging charges of maximum of Rs. 300/- per day per team will be paid by the constituent host college of M.L. Sukhadia University, Udaipur for ICT only.

Organizers of Inter Collegiate Tournaments shall inform and invite all the member colleges for the participation in the Inter Collegiate Tournament with in proper time. (The list of Member Colleges will be provided by University Sports Board). The Process of ICT with awarding of points/Team Championships etc. will be discuss in detail at the Managers Meeting by the Org. Secretary.

Event Details:

Archery: **Indian Round (Men):**(1) 50mtr. (2) 30mtr. **Indian Round (Women)** (1) 50mtr. (2) 30mtr.
Fita & Compound Round (Men) (1) 90 mtr. (2) 70mtr. (3) 50 mtr. (4) 30mtr. **(Women)** (1) 70 mtr. (2) 60mtr. (3) 50 m (4) 30mtr.

Boxing: For boxing, the candidate should have one Bout, Shadow Boxing of one round of 5 minutes, one round of Punching Bag of 5 minutes.
Men: (1) 46-49 kg. (2) 49-52 kg. (3) 52-56kg. (4) 56-60kg.(5) 60-64kg. (6) 64-69kg. (7) 69-75 kg . (8) 75-81kg.(9) 81-91kg.(10) 91+kg
Women: (1) 45-48 kg.(2) 48-51 kg.(3) 51-54 kg (4) 54-57 kg. (5) 57-60 kg. (6) 60-64 kg. (7)64-69 kg. (8) 69-75 kg. (9) 75-81 kg.(10) 81+kg.

Cross Country: (Men) **10 Kms. Race -Qualifying Mark 38 minutes.** (Women) **10 Kms. Race Qualifying -Mark 50 minutes.**
***Men / Women :** A team should be consist of maximum Six members, points of first Four members will be counted for team championship

Gymnastic: each gymnast should have perform on these equipments.

- **Men section:** Roman Rings, Vaulting horse, Parallel Bars, Horizontal Bars & Floor Exercise.
- **Women section:** Floor Exercise, Vaulting Table, Balancing Beam, Uneven Bars.

Judo: Each Judo candidate should have three Bouts, and will perform 5 techniques of Judo.

- **Men section**
  Under 56kg. (2) 56-60kg. (3) 60-66kg. (4) 66-73kg. (5) 73-81kg. (6) 81-90kg. (7) 90-100kg. (8) Open Weight Category.
- **Women section**
  Up to 44kg. (2) 44-48kg. (3) 48-52kg. (4) 52-57kg. (5) 57-63kg. (6) 63-70kg. (7) 70-78kg . (8) Open Weight Category.

Kayaking & Canoeing M/W:
Lawn Tennis (M/W): Maximum four players can participate in this
Pistol Shooting, Air Rifle Peep Sight (M/W): Clay Pigeon Shooting Trap, Double Trap & Skeet
Squash(M/W): Maximum four players can participate in this.
Taekwondo M/W: Each Competitor should have three Bouts and will demonstrate 5 techniques.
Wrestling: Greeko Roman & Free Style Each wrestler should have three Bouts and will demonstrate 5 techniques.

- **Men section:** Up to 50kg. (2) 50-55kg. (3) 55-60kg. (4) 60-66kg. (5) 66-74kg.(6) 74-84kg. (7) 84-96kg. (8) 96 -120kg.
- **Women section:** Up to 48kg. (2) 51kg. (3) 55 kg. (4) 59 kg . (5) 63 kg. (6) 67 kg. (7) 72 kg.+

Wushu (M/W): TAOLU - Maximum 12 (M/W) Competitors and SANSHO-Maximum 19 Competitors (M/W)
Yogasana (M/W): Maximum0 6 players in Men section & 04 Players in women section can participate in this.
Karate (M/W): 60Kg., 67Kg., 75Kg., 84Kg. +84Kg. [Women] 50Kg., 55Kg., 68Kg.+68Kg.

M.L. Sukhadia University Sports Board UDAIPUR-313001

Qualifying Mark for University (Teams) Coaching Camps

S. No.	ATHLETICS			AQUATICS (Swimming)		
	Events	Qualifying Marks Men	Qualifying Marks Women	Events	Qualifying Marks Men	Qualifying Marks Women
1.	100 mtr.	10.70 sec.	12.11 sec.	50 m FS	0:27.50 Sec.	0:35.05 Sec.
2.	200 mtr.	22.59 sec.	25.19 sec.	100 m FS	1:02.70 Sec.	1:12.50 Sec.
3.	400 mtr.	49.31 sec.	56.58 sec.	200 m FS	2:15.10 Sec.	2:40.10 Sec.
4.	800 mtr.	1.59.61 sec.	2.17.26 sec.	400 m FS	5:10.50 Sec.	6:15.20 Sec.
5.	1500 mtr.	3.52.21 sec.	4.45.24 sec.	1500 m FS	20:10.80 Sec.	23:10.05 Sec.
6.	5000 mtr.	14.28.28 sec.	17.05.93 sec.	100 m BK	1:14.82 Sec.	1:28.02 Sec.
7.	10000mtr.	35.11.85 sec.	36.37.42 sec.	200 m BK	2:40.02 Sec.	3:10.51 Sec.
8.	110 m Hurdles	----	15.14 sec.	100m BR	1:20.10 Sec.	2:32.25 Sec.
9.	400 m Hurdles	53.80 sec.	1.08.16 sec.	200m BR	3:07.85 Sec.	3:30.50 Sec.
10	4x100 m Relay	41.92 sec.	49.97 sec.	100 m BFS	1:07.05 Sec.	1:20.36 Sec.
11.	4x400 m Relay	3.18.63 sec.	4.03.25 sec.	200 m BFS	2:35.55 Sec.	3:05.55 Sec.
12.	Long Jump	7.28 mtr.	5.60 mtr.	200 m IM	2:35.15 Sec.	3:12.05 Sec.
13.	High Jump	2.00 mtr.	1.65 mtr	400 m IM	5:59.00 Sec.	6:50.73 Sec.
14.	Triple Jump	14.79 mtr.	12.34 mtr.	4x100m Relay FS	04:30.00 Sec.	5:50.00 Sec.
15.	Pole Vault	4.70 mtr.	3.20 mtr.	Medlay Relay 4x100	5:01.05 Sec.	6:05.05 Sec.
16.	Shot Put	16.25 mtr.	11.67 mtr.	Free Style	---	---
17.	Hammer throw	55.16 mtr.	46.78 mtr.	4x200m Relay FS	10:10.35 Sec.	12:10.35 Sec.
18.	Discus throw	47.88 mtr.	41.50 mtr.	Free Style	---	---
19.	Javelin throw	67.20 mtr.	42.88 mtr.	800 FS	12:10.25 Sec.	14:15.25 Sec.
20.	20 km Race Walk	1hr:32:07:22 Sec.	1hr:49:12:99 Sec.	50m Back Store	0:36.15 Sec.	0:41.18 Sec.
21.	-	-	-	50m Breast ST.	0:38.18 Sec.	0:44.18 Sec.
22.	-	-	-	50m BFS	0:30.15 Sec.	0:36.18 Sec.

S. No.	Weight Lifting				Power Lifting			
	Men Total = Snatch & Jerk		Women Total = Snatch & Jerk		Men Total = Squat + Bench Press + Dead Lift		Women Total = Squat + Bench Press + Dead Lift	
	Wt. Catg.	Qualifying Marks	Wt. Catg.	Qualifying Marks	Wt. Catg.	Qualifying Marks	Wt. Catg	Qualifying Marks
1.	55 kg	170 kg	48 kg	90 kg	59 kg	420 Kg	47 kg	200 Kg
2.	61 kg	205 kg	53 kg	95 kg	66 Kg	440 Kg	52 Kg	220 Kg
3.	67 kg	220 kg	58 kg	100 kg	74 Kg	460 Kg	57 Kg	230 Kg
4.	73 kg	230 kg	63 kg	105 kg	83 Kg	480 Kg	63 Kg	250 Kg
5.	81 kg	240 kg	69 kg	110 kg	93 Kg	500 Kg	69 Kg	255 Kg
6.	89 kg	250 kg	75 kg	110 kg	105 Kg	500 Kg	76 Kg	255 Kg
7.	96 kg	250 kg	75+ kg	110 kg	120 Kg	505 Kg	84 Kg	260 Kg
8.	102 kg	250 kg	-----	-----	120 Kg+	510 Kg	+84 Kg	265 Kg
9.	109 kg	250 kg	-----	-----	------	-----	----	----
10.	+109 kg	250 kg	-----	------	------	-----	----	----

➢ Best Physique: Men Section Up to 60kg. (2) 60-65kg. (3) 65-70kg. (4) 70-75kg. (5) 75-80kg. (6) 80-85kg. (7) 85-90kg. (8) +90 kg

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं/विश्वविद्यालय चयन स्पर्धा में भाग लेने हेतु आयु सीमा 17 से 25 वर्ष अर्थात 02 जुलाई 1998 या उसके पश्चात एवं महाविद्यालय में प्रवेश की तिथि तक 17 वर्ष का होना चाहिए। 2016 या उसके पश्चात् 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के वर्ष को प्रथम अवसर मानते हुए अधिकतम 8 बार प्रतियोगिता में भाग ले सकेगें। उक्त प्रतियोगिताओं हेतू 10वीं कक्षा, 12वीं कक्षा, अंतिम कक्षा की अंकतालिका, महाविद्यालय में प्रवेश की फीस रसीद तथा आधार कार्ड की प्रतिलिपि सलंग्न करना अनिवार्य है।
2. अन्तरमहाविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रारम्भिक से क्वार्टर फाईनल मुकाबलों तक 20-20 ओवर के मैच खेले जायेंगें तथा सेमीफाईनल व फाईनल 50-50 ओवर के मुकाबले होंगें, आयोजक महाविद्यालय पूर्व सूचना के साथ इसमें परिवर्तन कर सकेगें।
3. अन्तरमहाविद्यालयी प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, शतरंज, क्रोस कट्री, वेट लिफ्टिंग, पावर लिफ्टिंग, बेस्ट फिजिक (पुरूष/महिला) की टीमों को रूपये 1000/- Officiating Charges के रूप में जमा करवाने होगें। क्रिकेट प्रतियोगिता की पुरूष/महिला प्रति टीम, प्रति मैच के रुपये 1000/- Officiating Charges के रूप में जमा कराने होगें। इसके अतिरिक्त अन्य खेलों की टीमों को प्रति मैच रूपये 500/- Officiating Charges के रुप में आयोजक महाविद्यालय को जमा करवाने होगें।
4. अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताएँ/विश्वविद्यालय स्तरीय चयन स्पर्धाओं में भाग लेने वाली टीमों/सदस्यों हेतु उपयुक्त खेल किट अनिवार्य है, इसके साथ महाविद्यालय संकाय सदस्य की टीम मैनेजर के रुप में उपस्थिती आवश्यक एवं अनिवार्य है, ऐसा न होने की स्थिती में संस्था प्रधान उत्तरदायी रहेगें।
5. अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिता से पूर्व आयोजक महाविद्यालय द्वारा आयोजित टीम मैनेजर्स मीटिंग में प्रत्येक टीम मेनेजर का अनिवार्य रुप से उपस्थित रहकर आयोज्य खेल प्रतियोगिता के सदंर्भ में पूर्ण जानकारी लेने एवं अपनी टीम के सदस्यों को महत्वपूर्ण निर्देशों से अवगत कराने के उत्तरदायी रहेगें।
6. अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताएँ/विश्वविद्यालय स्तरीय चयन स्पर्धाओं में भाग लेने के इच्छुक महाविद्यालय अपने स्तर पर भी आयोजक महाविद्यालय से निर्धारित तिथी एवं अन्य वांछित सूचनाओं हेतू आवश्यक एवं अनिवार्य रुप से सम्पर्क करें।
7. विद्यार्थी एक शैक्षणिक सत्र के दौरान एथलेटिक्स मे अन्तर महाविद्यालय/विश्वविद्यालय स्तर पर अधिकतम (तीन ट्रेक तथा दो फिल्ड स्पर्धाओं) में ही भाग ले सकेगा।
8. पात्रता (एलिजिबिलिटी) नियमों में संशोधन को सावधानी पूर्वक पढकर विद्यार्थी (खिलाड़ी) का चयन करें। पात्रता (ईलिजिबिलटी) नियमों के उलंघनकर्त्ता महाविद्यालय को इस सत्र से निष्कासन के साथ रूपये 10,000 हजार जुर्माना राशि भी जमा करवानी होगी। (संलग्न प्रपत्र)

M.L. Sukhadia University Sports Board * UDAIPUR-313001 *

Eligibility Performa for the Inter collegiate Tournament & University Selection Trial
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR SESSION, 2023-24

Name of the Participating College:_____ **Manager's Name** _____

Name of the Tournament: ICT/UST _____ **Date from** _____ **to**_____

Organizing College: _____ **Place**_____ **Manager's Status**_____

Sr. No.	Name of the Participant	Father's Name	Mother's Name	Date of Birth	Year of Passing 12th	Present Class	Duration of Course	Previous Participations UG+PG
1.								
2.								
3.								
4.								
5.								
6.								
7.								
8.								
9								
10.								
11.								
12.								

This is to certify that the above particulars are true as per record of the college and above mentioned students are not employed on full time basis.

In Charge, Sports with Seal

Seal of the College

Signature of the Principal with Seal

फोटो पहचान पत्र (महाविद्यालय के रिकार्ड हेतु)

For Inter Collegiate Tournaments & UST of M.L.S.U, Session 2023-2024

Sports Event: _____

Name: _____

Father's Name: _____

Mother's Name: _____

Date of Birth: _____

Contact No. : _____

Year of Passing 12th Exam: _____

Present Class / Course: _____

Photo with Signature of the Student

Signature with seal
(In charge Sports)

Signature with seal
(Principal/Dean/Director of College/Institution)

फोटो पहचान पत्र (प्रतियोगिता हेतु साथ लावें)

For Inter Collegiate Tournaments & UST of M.L.S.U, Session 2023-2024

Sports Event: _____

College: _____

Name: _____

Father's Name: _____

Mother's Name: _____

Date of Birth: _____

Aadhar Card No.: _____

Mobile No. : _____

Year of Passing 12th Exam: _____ **Present Class / Course**_____

Highest participation (Previous year)_____

Photo with Signature of the Student

Signature with seal **Principal /Dean / Director of College / Institution**	**Student's address with Telephone/Mobile Number :**	**Signature with seal** **In charge Sports**

अन्तरमहाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं/विश्वविद्यालय चयन स्पर्धा में भाग लेने हेतु **आयु सीमा 17 से 25 वर्ष अर्थात 02 जुलाई 1995** या उसके पश्चात एवं महाविद्यालय में प्रवेश की तिथि तक 17 वर्ष का होना चाहिए। 2016 या उसके पश्चात् 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के वर्ष को **प्रथम अवसर** मानते हुए अधिकतम 8 बार प्रतियोगिता में भाग ले सकेगें। उक्त प्रतियोगिताओं हेतू 10वीं कक्षा, 12वीं कक्षा, अंतिम कक्षा की अंकतालिका, महाविद्यालय में प्रवेश की फीस रसीद तथा आधार कार्ड की प्रतिलिपि सलंग्न करना अनिवार्य है।

UNIVERSITY SPORTS BOARD
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
Ph.: +91-294-2417308, Fax: 2471150
Email: usb@mlsu.ac.in, usbmlsu@gmail.com | Website: www.mlsu.ac.in
MAHARANA BHUPAL SPORTS COMPLEX, SARASWATI MARG, UDAIPUR-313 001 (Rajasthan)

विद्यार्थियों की खेल पात्रता (इलिजिबिलटी) के संदर्भ में संशोधित नियम

1. विश्वविद्यालय की अन्तर महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं व चयन स्पर्धाओं हेतु विद्यार्थीयों की पात्रता (इलिजिबिलटी) व पहचान पत्रक में खेल प्रभारी तथा महाविद्यालय के प्राचार्य दोनों के हस्ताक्षर व संस्था की सील का होना आवश्यक है। ऐसा नही होने पर पात्रता (इलिजिबिलटी) पत्र अपूर्ण मानते हुये खेल प्रतियोगिता में भाग लेने से रोका जा सकेगा।

2. पात्रता (इलिजिबिलटी) के आधार अयोग्य पाये जाने वाले खिलाड़ी व खिलाड़ियो के संदर्भ में संबधित पूरी टीम उस सत्र के लिये अयोग्य मानी जायेगी । जिसका उतरदायित्व महाविद्यालय प्रशासन का होगा तथा सत्र 2017–18 से ऐसी टीम पर रूपये 10,000/– हजार का जुर्माना भी लागू होगा, जिसे संबधित महाविद्यालय को क्रीड़ा मण्डल में जमा करवाने पश्चात ही शेष खेल गति विधियों में भाग लेनें की पात्रता प्राप्त होगी, एवं यह अयोग्यता प्रकरण को विश्वविद्यालय प्रशासन और संबधित महाविद्यालय प्रशासन को आवश्यक कार्यवाही हेतू प्रेषित किया जायेगा।

   उक्त नियम व्यक्तिगत स्पर्धाओं वाली खेल प्रतियोगिताओं में भी लागू होगें।

3. अन्तर विश्वविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं में चयन होने पर संबधित विद्यार्थी को 10 रूपये के नॉन ज्यूडीशियल शपथ पत्र पर क्रीड़ा मण्डल द्वारा उपलब्ध करायी गयी घोषणा, स्वंय के हस्ताक्षर व दिनांक सहित क्रीड़ा मण्डल कार्यालय में देनी होगी, उसके पश्चात ही विश्वविद्यालय टीम में उसका चयन सुनिश्चित हो सकेगा।

M.L. Sukhadia University Sports Board * UDAIPUR-313001 *

डॉ. बलजीत सिंह सेखों
संयुक्त सचिव (वाई ए एंड एस)
DR. BALJIT SINGH SEKHON
Joint Secretary (YA&S)

Azadi Ka Amrit Mahotsav

भारतीय विश्वविद्यालय संघ
ए. आई. यू. हाउस, 16, कॉमरेड इंद्रजीत गुप्ता मार्ग
(कोटला मार्ग), नई दिल्ली – 110002

Association of Indian Universities
AIU House, 16, Comrade Indrajit Gupta Marg
(Kotla Marg) New Delhi- 110002

No. S/NUG-2023-24/AIU
August 18, 2023

The Vice Chancellors
Member University AIU.

Subject: Fixation of Upper age limit upto 25 years from this academic session 2023-24 onwards for participation in National University Games.

Dear Sir/Madam,

Greetings from AIU!

As you are aware that the Sports Board in its AGM unanimously decided to enhance the age limit from 25 years to 27 years for the academic session 2022-23 only for participation in National University Games on account of unprecedented Covid-19 situation.

Now, number of queries has been pouring in the office with regard to Age limit for this current academic session and this is to confirm that the upper age limit from this academic session 2023-24 onwards for participation in National University Games shall remain as 25 years. Hence, the eligibility rules for participation in National University Games for the year 2023-24 will be as under: -

a. Age Limit of the student shall be minimum 17 years and Maximum upto 25 years from the current academic session.
b. A student may be treated as eligible to participate in National University Games "On the Day" the student completes 17 years of age during the academic year in which he/she is admitted/enrolled for a degree or diploma whose examination is conducted by a university or college affiliated to university.
c. Further, an athlete may participate if he/she is less than 25 years of age as on 1st July of the current academic year.

Kindly disseminate the same to all and your affiliated colleges, if any for information and compliance.

This may please be accorded top priority.

(Baljit Singh Sekhon)

CC: The Director Sports/Organizing Secretaries, Member Universities AIU for kind information.

E-mail: sports@aiu.ac.in; jointsecretarysekhon@gmail.com; aiusportsaiu@gmail.com
Phone: (011) 23230059, 23231097, 23232429, 23232435, 23232305

M.L. Sukhadia University Sports Board UDAIPUR-313001

Scanned with CamScanner

Phone: 0294-2417308 Email: usb@mlsu.ac.in Website: www.mlsu.ac.in

UNIVERSITY SPORTS BOARD

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR

Maharana Bhupal Sports Complex, M.B. College Ground, Saraswati Marg, Udaipur-313001 (Rajasthan)

No.: MLSU / USB / 2023-24/134 Date 11/09/2023

The Principal / Dean / Director,

Sub.: **University Selection Trials for the Session 2023-24.**

Dear Sir/Madam,

As per the decision of University Sports Board meeting dated 26.08.2023, University Sports Board, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur shall organise the following sports events for the University Teams Coaching Camp:

S. No.	Sports Event	Date of Commencement	Venue	Timing
1.	Wrestling (M/W)	29.09.2023	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
2.	Aquatics (M/W) Swimming	03.10.2023	Maharana Pratap Khelgaon, Udaipur	11:00am
3.	Judo (M/W)	07.10.2023	Maharana Pratap Khelgaon, Udaipur	03:00pm
4.	Lawn Tennis (M/W)	01.11.2023	Lawn Tennis Court, Science College	11:00am
5.	Riffle & Pistol Shooting (M/W)	02.11.2023	Maharana Pratap Khelgaon, Udaipur	11:00am
6.	Kick Boxing (M/W)	04.11.2023	M.S. Boxing Hall, M. B. College Ground, Udaipur	03:00pm
7.	Yogasana (M/W)	18.11.2023	Yoga Hall, M. B. College Ground, Udaipur	11:00am
8.	Squash Racket (M/W)	20.11.2023	Maharana Pratap Khelgaon, Udaipur	03:00pm
9.	Karate (M/W)	01.12.2023	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
10.	Gymnastic (M/W)	02.12.2023	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	03:00pm
11.	Wushu (M/W)	06.12.2023	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
12.	Kayaking & Canoeing (M/W)	16.12.2023	Goverdhan Sagar Lake, Udaipur	03:00pm
13.	American Football (M)	23.12.2023	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
14.	Taekwondo (M/W)	05.01.2024	M.S. Boxing Hall, M. B. College Ground, Udaipur	03:00pm
15.	Rugby (M/W)	06.01.2024	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
16.	Boxing (M/W)	08.01.2024	M.S. Boxing Hall, M. B. College Ground, Udaipur	03:00pm
17.	Archery (M/W)	13.01.2024	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	11:00am
18.	Indoor Hockey (M/W)	20.01.2024	Sports Complex, M.B. College Ground, Udaipur	03:00pm

Please send your entries at least two days before for above mentioned trials.

University Sports Board, MLSU, Udaipur will be organizing the above mentioned University Selection Trials. Please make all the correspondence regarding the selection trials to USB Office. (Office: 0294-2417308).

Eligibility: please bring duly filled and signed, eligibility Performa in triplicate, with one copy of Photo ID form of each team member to the organizing secretary of University Selection Trials.

No officiating charges will be paid for the University Selection Trials: Please send only outstanding players for the University Selection Trials, neither certificate of participations nor staying charges (lodging) shall be paid for the University Selection Trials.

Thanking You,

Yours faithfully,

(Dr. Bheem Raj Patel)
Secretary, USB

Dr. Bheem Raj Patel
Secretary
University Sports Board
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR-313001

M.L. Sukhadia University Sports Board UDAIPUR-313001

सत्र 2023-24

विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय

महाराणा भूपाल खेल परिसर, सरस्वती मार्ग, उदयपुर- 313 001

फोन–0294–2417308, E-mail: usb@mlsu.ac.in, Website: www.mlsu.ac.in

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की अन्तर महाविद्यालयी खेल स्पर्धाओं का आयोजन अधोवर्णित तिथियों एवं महाविद्यालयों में किया जायेगा, उक्त प्रतियोगिताओं के दौरान ही विश्वविद्यालय की विभिन्न टीमों के प्रशिक्षण शिविरों तथा श्रेष्ठ खिलाड़ियों की अनुशंसा चयन समिति द्वारा नियमानुसार की जायेगी। निम्न वर्णित खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु इच्छुक महाविद्यालय के खेल प्रभारी संबंधित आयोजक से अपने स्तर पर समय से पूर्व सम्पर्क कर सकते है। इन तिथियों में तकनीकी कारणों से परिवर्तन हो सकता है अतः विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल से सम्पर्क करते रहें।

क्र.स.	खेल स्पर्धाएं	प्रतियोगिता तिथि	आयोजक महाविद्यालय	सम्पर्क सूत्र	आयोजक विश्वविद्यालय
1.	बैडमिंटन (पुरूष/महिला)	26-27 Sep., 2023	विवि विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर	9828045060	
2.	कुश्ती ग्रीको/फ्री (पुरूष/महिला) UST	29.09.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
3.	क्रॉस–कन्ट्री (पुरूष/महिला)	30.09.2023	सुयश महाविद्यालय, राशमी	9928029701	
4.	खो–खो (महिला)	01-02 Oct., 2023	राजकीय कन्या महाविद्यालय, राजसंमद	9929340490	
5.	तैराकी (पुरूष/महिला) UST	03.10.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
6.	कबड्डी (महिला)	03-04 Oct., 2023	बी.एन. गर्ल्स महाविद्यालय, सलूम्बर	9414609913	
7.	वॉलीबाल (महिला)	05-06 Oct. 2023	गुरू नानक कन्या महाविद्यालय, उदयपुर	9414164030	
8.	बास्केटबॉल (महिला)	05-06 Oct., 2023	गुरूनानक कन्या महाविद्यालय, उदयपुर	9414164030	
9.	जूडो (पुरूष/महिला) UST	07.10.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
10.	शतरंज (महिला/पुरूष)	09-10 Oct., 2023	सन कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एण्ड साईंस, उदयपुर	7665155444	
11.	खो–खो (पुरूष)	10-11 Oct., 2023	विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, उदयपुर	8764270893	
12.	बास्केटबॉल (पुरूष)	12-13 Oct., 2023	रविन्द्रनाथ टेगौर पी.जी. महाविद्यालय, कपासन	9983505675	
13.	कबड्डी (पुरूष)	14-15 Oct., 2023	द्रोणाचार्य महाविद्यालय, भीण्डर	9785875863	
14.	टेबल टेनिस (पुरूष/महिला)	17-18 Oct., 2023	ऐश्वर्या महाविद्यालय, उदयपुर	9928906535	
15.	वॉलीबाल (पुरूष)	19-20 Oct., 2023	राणा प्रताप शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, भीण्डर	9928070715	
16.	हॉकी (पुरूष/ महिला)	26-27 Oct., 2023	विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय	9828045060	
17.	फुटबॉल (पुरूष/महिला)	28-30 Oct., 2023	विवि सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय	9414474185	
18.	लॉन टेनिस (पुरूष/महिला) UST	01.11.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
19.	राईफल/पिस्टल शूटिंग (पु./म.) UST	02.11.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
20.	हैंडबॉल (पुरूष)	03-04 Nov., 2023	राणा प्रताप शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, भीण्डर	9928070715	
21.	किक बॉक्सिंग (पुरूष/महिला) UST	04.11.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
22.	हैंडबॉल (महिला)	17-18 Nov., 2023	सुयश महाविद्यालय, राशमी	9928029701	
23.	योगासन (पुरूष/महिला) UST	18.11.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	

M.L. Sukhadia University Sports Board * UDAIPUR-313001 *

निरन्तर.....2

क्र.स.	खेल स्पर्धाएं	प्रतियोगिता तिथि	आयोजक महाविद्यालय	सम्पर्क सूत्र	आयोजक विश्वविद्यालय
24.	स्क्वेस रेकेट्स (पुरूष/महिला) UST	20.11.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
25.	एथेलेटिक्स (पुरूष/ महिला)	21-24 Nov., 2023	विवि विधि महाविद्यालय, उदयपुर	9414474185	
26.	पावर लिफ्टिंग (पुरूष /महिला)	29-30 Nov., 2023	विवि सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय	9414474185	
27.	वेट लिफ्टिंग (पुरूष/ महिला)	29-30 Nov., 2023	विवि सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय	9414474185	
28.	बेस्ट फिजिक (पुरूष)	29-30 Nov., 2023	विवि सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय	9414474185	
29.	कराटे (पुरूष/महिला) UST	01.12.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
30.	जिम्नास्टिक (पुरूष/महिला) UST	02.12.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
31.	सॉफ्टबॉल (पुरूष/महिला)	04-05 Dec., 2023	द्रोणाचार्य महाविद्यालय, भीण्डर	9785875863	
32.	वुशू (पुरूष/ महिला) UST	06.12.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
33.	क्रिकेट (पुरूष/महिला)	09-18 Dec., 2023	विवि वाणिज्य महाविद्यालय	9828045060	
34.	कयाकिंग एवं केनोइंग (पुरूष/महिला) UST	16.12.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
35.	अमेरिकन फुटबॉल (पुरूष) UST	23.12.2023	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
36.	रग्बी (पुरूष/महिला) UST	06.01.2024	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
37.	ताईकांडो (पुरूष/महिला) UST	05.01.2024	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
38.	बॉक्सिंग (पुरूष/महिला) UST	08.01.2024	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
39.	तीरंदाजी (पुरूष/महिला) UST	13.01.2024	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	
40.	इंडोर हॉकी (पुरूष/महिला) UST	20.01.2024	विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल, उदयपुर	0294-2417308	

M.L. Sukhadia University Sports Board * UDAIPUR-313001 *

(डॉ. भीमराज पटेल)
सचिव, वि.वि. क्रीड़ा मण्डल
Dr. Bheem Raj Patel
Secretary
University Sports Board
M.L. Sukhadia University
UDAIPUR-313001

UNIVERSITY SPORTS BOARD
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
Ph.: +91-294-2417308, Fax: 2471150
Email: usb@mlsu.ac.in | Website: www.mlsu.ac.in
MAHARANA BHUPAL SPORTS COMPLEX, SARASWATI MARG, UDAIPUR-313 001 (Rajasthan)

विश्वविद्यालय दल प्रबंधक (टीम मैनेजर) के कर्तव्य एवं अधिकार

विश्वविद्यालय की खेल टीम का प्रबंधन करते समय टीम प्रबंधक हेतु निम्नलिखित कर्तव्यों का निर्वहन करना आवश्यक है।

1. विश्वविद्यालय दल प्रबंधक (टीम मैनेजर) के नियुक्ति के साथ ही टीम मैनेजर को विश्वविद्यालय की उस टीम (जिसके वे प्रबंधक/मैनेजर नियुक्त किए गए है) के प्रशिक्षण शिविर को एक से अधिक बार अवलोकन करना तथा टीम के खिलाडियों से उनकी प्रशिक्षण तथा व्यक्तिगत कठिनाइयों के बारे में जानना और विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल कार्यालय के सहयोग से उसके निराकरण का प्रयास करना।
2. विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल कार्यालय में उपस्थित होकर टीम से सम्बन्धित सभी दस्तावेजों इलिजिबिलिटी परफोरमा, आई.डी.कार्ड, टीम घोषणा एवं रवानगी आदेश, इन्ट्रोडक्शन लैटर इत्यादि को प्राप्त कर उनकी जांच करना।
3. विश्वविद्यालय टीम के आवागमन हेतु क्रीडा मण्डल कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गए रेल/बस/टेक्सी के टिकटों एवं आरक्षण की पूर्ण जॉच करना तथा यात्रामार्ग के बारे मे भी विस्तार से जानकारी प्राप्त करने के साथ टीम को कहॉ और कब रिपोर्ट करना है, यह जानना।
4. विश्वविद्यालय क्रीडा मण्डल द्वारा खिलाडियों के लिए निर्धारित दैनिक भत्ता, प्रशिक्षण भत्ता, मैच रिफ्रेशमेंन्ट, खेल किट तथा ट्रेकसूट एवंम् अन्य भत्ते के सम्बंध में पूर्ण जानकारी लेकर अग्रिम धनराशि प्राप्त करना तथा खिलाडियों को नियमानुसार भुगतान सुनिश्चित कराना।
5. विश्वविद्यालय दल/टीम के साथ जा रहे खेल प्रशिक्षक, टीम/दल के सदस्यों के मध्य सामंजस्य बैठाना या रखना तथा निर्दिष्ट नियमावली (अनुशासन) के अनुरूप आचरण करने हेतु सभी को प्रेरित करना। विश्वविद्यालय क्रीडा मण्डल कार्यालय को खेल प्रतियोगिता में वास्तविक रुप से भाग लेने खिलाडियों की सूची (प्रमाण पत्र हेतू) उपलब्ध करवाना।
6. जिस खेल प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे है उस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का अच्छे से अच्छे प्रदर्शन हो सके इस हेतु दल सदस्यों एवम् प्रशिक्षक को उपलब्ध संसाधनों के आधार पर अधिकाधिक प्रोत्साहित करना।
7. खेल प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की गरिमा के अनुरूप सफलता पूर्वक भाग लेकर सम्पूर्ण दल को क्रीडा मण्डल कार्यालय तक पहुंचाना तथा उक्त खेल प्रतियोगिता हेतु विश्वविद्यालय क्रीडा मण्डल कार्यालय से प्राप्त अग्रिम धनराशि का नियमानुसार विस्तृत लेखा-जोखा कार्यालय में 7 दिनों के अन्दर प्रस्तुत करना ।

विश्वविद्यालय की खेल टीम मैनेजर/दल प्रबंधक के रुप में प्रबंधक को खेल टीम के एकाधिक सदस्यों या सर्म्पूण टीम को अनुशासन हीनता, टीम के विरुद्ध आचरण, दल प्रबंधक/खेल प्रशिक्षक के आदेश की अवहेलना, विश्वविद्यालय की गरिमा को ठेस पहुंचाने जैसे कृत्य करनें पर सम्बंधित खेल प्रतियोगिता में भाग लेने से रोकने का अधिकार होगा।

विश्वविद्यालय की खेल टीम के आवागमन दौरान किसी भी प्रकार की प्राकृतिक या परिस्थिति जन्य आपदा जिसके कारण विश्वविद्यालय की खेल टीम/दल प्रभावित हो, ऐसी परिस्थिति में टीम मैनेजर/दल प्रबंधक को अन्य सुविधा जनक विकल्प के चयन के निर्णय का अधिकार होगा।

M.L. Sukhadia University Sports Board * UDAIPUR-313001 *

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
University Grants Commission

MALAVIYA MISSION
TEACHER
TRAINING PROGRAMME

UGC- Malaviya Mission Teacher Training Centre (MMTTC)
National Institute of Educational Planning and Administration (NIEPA), New Delhi
&
Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

Invite you to join

Two-Week Online Refresher Programme on 'Research Methods: Approaches & Practices'

7th March to 21st March, 2024

Objectives	➢ To develop interdisciplinary approach and analytical thinking for research ➢ To explain important aspects of Research Methodology ➢ To impart intense knowledge about different types of research designs and sampling methods ➢ To enhance understanding of data types and basic as well as advanced tools and techniques of classification and analysis ➢ To enable the participants to apply tools and techniques for their research and reporting of research outcome with the help of appropriate software. ➢ To provide them with hands-on experience on different software of data analysis. ➢ To improve writing of research paper & understand the publishing process.
Expected Outcomes	After successful completion of this online program, the participants will be able to conduct quality research and produce fruitful outcomes. They will conduct research in a scientific manner by using appropriate quantitative and qualitative methods and effectively analyse the data. They will be competent to report their research outcomes impressively and generate quality publications.
Incentive for Faculty Members	This Refresher Course conducted under the Malaviya Mission Teacher Training Programme shall be taken into consideration for the fulfilment of the requirements as laid down in the Career Advancement Scheme as per UGC Regulations on Minimum qualifications for appointment of teachers and other Academic Staff in Universities and Colleges and Measures for the Maintenance of Standards in Higher Education 2018.
Programme Duration and Contact Hours	It is a two-week programme to be held from 7th March to 21st March, 2024 with 72 contact hours (6 hours daily on 6 working days of each of the two weeks).
Fees	No fees will be charged from participants.
Registration	Participants can register for the programme by filling the **Google form** https://forms.gle/bXuoAoT2ynczdniy5 latest by 6th March, 2024.
Eligibility Criteria	The programme is open to faculty members (regular/permanent/ad-hoc /contractual/guest) from all disciplines at all levels.
Expectation from the participants	➢ The participants are required to attend all the sessions of the programme sincerely. **No leave will be granted during the programme**. ➢ The participants will be requested to submit their opinions and suggestions (feedback) on the various components of the program.

Patron

Prof. Shashikala Wanjari
Hon'ble Vice-Chancellor
NIEPA, New Delhi

Prof. Mona Khare
***Director,* UGC – Malaviya Mission**
Teacher Training Centre, NIEPA, New Delhi
Email : niepammcdir@niepa.ac.in

Prof. Sunita Mishra
Hon'ble Vice-Chancellor
MLSU, Udaipur

Contacts

Deputy Director, UGC – MMTTC

Dr. Amit Gautam
Associate Professor
Phone: 91- 011-26544889
Email: ddmmttcniepa@niepa.ac.in

Refresher Programme Coordinator

Dr. Neha Paliwal
Dept. of Economics, MLSU, Udaipur
Mb.N.-9829858589
Email: neha.paliwal03@gmail.com

Technical

Sh. Chandra Kumar M.J.
Systems Analyst
Phone: 91- 011-26544879
Email: chandrakumar@niepa.ac.in

"Microbial Techniques" workshop report

Department of Microbiology and Biotechnology have organized a workshop on "**Microbial Techniques**" on 18 October, 2023 for the B. Pharma students of Asian College of Pharmacy, Udaipur under the aegis of Azadi ka Amrit Mahtosav.

The objective of this workshop was to combine the theoretical knowledge of students along with the practical exposure. In this workshop twenty students have participated and hands on training includes experiments related to basic microbial techniques like gram staining, carbohydrate fermentation, isolation of microbes and antibiotic susceptibility test.

Students have visited research laboratories of the department and seen the instrumentation facility also.

Dr. Namita Ashish Singh

Coordinator

Dr. Harshada Joshi

Course-Director

3- Two Weeks Training Programme-III

On

"Research Methodology Using SPSS Software"

'Research Skill Development in Social Sciences, Communication & Management'

Organized by Dept. of Sociology under RUSA 2.0 project

(8.01.2024 to 22.01.2024)

4- Two Weeks Training Programme-IV

On

"Research Methodology and Writing Skills"

'Research Skill Development in Social Sciences, Communication & Management'

Organized by Dept. of Sociology under RUSA 2.0 project

(5.02.2024 to 19.02.2024)

5- Two Weeks Training Programme-V

On

"Skill Development in Social Sciences"

'Research Skill Development in Social Sciences, Communication & Management'

Organized by Dept. of Sociology under RUSA 2.0 project

(18.11.2024 to 01.12.2024)

जनजातीय अध्ययन : शोध प्रविधि एवं तकनीकी

राष्ट्रीय कार्यशाला

दिनांक : 9-10 मार्च, 2024

आयोजक :

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर

ट्राईबल रिसर्च एंड नॉलेज सेंटर, नई दिल्ली

वनवासी कल्याण आश्रम, उदयपुर

प्रतिवेदन

जनजातीय अध्ययन : शोध प्रविधि एवं तकनीक विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 9-10 मार्च, 2014 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर, माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर, ट्राईबल रिसर्च एंड नॉलेज सेंटर नई दिल्ली तथा वनवासी कल्याण आश्रम, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार में हुआ। इसका उद्घाटन 9 मार्च को सुबह 10:00 बजे अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस सत्र में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अतुल जोग, जनजातीय क्षेत्रीय विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुनीता मिश्रा, ट्राईबल रिसर्च एवं नॉलेज सेंटर नई दिल्ली के महासचिव प्रो. विवेक दुबे और कार्यक्रम संयोजक डॉ. मन्ना लाल रावत का मार्गदर्शन मिला।

कारक्राम का आरंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ अतिथियों का स्वागत एवं उद्घाटन भाषण, कार्यशाला का परिचय के साथ कार्यशाला में पधारने के लिए सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया गया।

इस उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री अतुल जोग ने कहा कि प्राचीन काल के शासकों तथा कालांतर में ब्रिटिश शासन ने अपने स्वार्थ के लिए जनजातियों को गरीब बनाया। बदनाम करने के लिए क्रिमिनल घोषित

किया और पिछड़ा साबित किया। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के बारे में अब तक जो इतिहास में पढ़ाया गया, वह गलत था। हमें आदिवासियों की अस्मिता को समझना और सही तरीके से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

जनजातीय क्षेत्रीय विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी जी ने कहा कि आजादी के बाद न तो जनजातियों का समुचित विकास हुआ और न ही उन पर महत्वपूर्ण शोध हुए। आज की जरूरत है कि आदिवासी समाज को जागृत किया जाए और उनके इतिहास को सही परिपेक्ष्य में लिखा और पढ़ा जाए। श्री खराड़ी ने कहा कि जनजाति समाज स्वाभिमानी समाज है। उन्हें अपने पैरों पर खड़ा कर स्वावलंबी बनाना होगा।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने कहा कि मैंने आदिवासी समाज को बहुत करीब से देखा है। ट्राईबल रिसर्च एवं नॉलेज सेंटर नई दिल्ली के महासचिव प्रोफेसर विवेक दुबे ने कहा कि हमारा संस्थान पूरे देश में जनजाति चिंतन से जुड़े विषयों पर लगातार कार्यशालाएं कर रहा है ताकि जनजातियों के विकास के लिए चिंतन प्रवाह को आगे बढ़ाया जा सके। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मन्ना लाल रावत ने कहा कि आदिवासी अध्ययन नहीं अनुभूति का विषय है क्योंकि आदिवासी समाज सदैव स्वाभिमानी समाज रहा है और इसके उत्थान और विकास के लिए जितने प्रयास होने चाहिए उतने नहीं हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ बालूदान बारहट ने किया और धन्यवाद डॉ. नवीन नंदवाना ने दिया।

प्रथम सत्र

चाय के लिए ब्रेक कार्यशाला का प्रथम सत्र 11: 45 पर प्रारंभ हुआ। उद्घाटन के बाद प्रथम तकनीकी सत्र में प्रो. फीरमी बोडो ने कहा कि जनजाति समाज को उन्हीं की नजर से देखने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने वक्तव्य में मिजो और मणिपुरी भाषाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें जनजाति समाज की Thought और understanding को समझना होगा। हमारी जनजातियां इतने वर्षों से यूं ही नहीं संघर्ष कर रही हैं। हमें जनजाति समाज को उनकी आंखों से देखने की आवश्यकता है।

द्वितीय सत्र

भोजनोपरांत दूसरा सत्र 2:00 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें मुख्य वक्ता श्री राजाराम कटारा, श्री गिरीश कुबेर जी एवं प्रोफेसर एम.एस. राठौड़ थे। इस सत्र का विषय 'जनजातीय

अस्तित्व' था। इस सत्र में मुख्य वक्ता श्री राजाराम कटारा ने कहा कि जनजातीय अस्मिता और अस्तित्व पर शोध व विमर्श होना सुखद है। जनजातियों की अस्मिता ठीक से जानने पर ही हम उनके कल्या (विकास) की ठीक से योजना बना पाएंगे। मात्र भौतिक उन्नति से ही जनजाति कल्याण को जोड़ लिया जाता है, यह उचित नहीं है। इस दृष्टि के कारण कई विषय छूट जाते हैं। अब तक इस समाज के परंपरागत ज्ञान को ठीक से नहीं समझा गया। इस कारण यह स्वावलंबी समाज बेरोजगार हो गया। स्वास्थ्य, बीज संरक्षण, रस्सी निर्माण, प्राकृतिक चिकित्सा आदि का जो ज्ञान इस समाज के पास है, इनके इस ज्ञान पर ध्यान देना अपेक्षित है। हमें आदिवासी समाज की आध्यात्मिकता को समझना होगा। जनजाति समाज का धर्म व आध्यात्म देने की परंपरा से जुड़ा है। अपने भजन और आरती में यह 'स्वयं के कल्याण के स्थान पर लोक कल्याण' की कामना व्यक्त करता है।

इस सत्र में श्री गिरीश जी कुबेर जी कहा कि जनजाति अस्मिता की बात केवल जल, जंगल, जमीन की लड़ाई तक नहीं है। उन्होंने 1871 क्रीमिनल एक्ट की बात भी की। उन्होंने प्रोटेक्शन ऑफ़ लेंड, कल्चर और लेंग्वेज पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि जनजातियों की सक्सेस स्टोरी लिखी जानी चाहिए। उन्होंने जमीन और पुनर्वास के विषयों पर विचार व्यक्त किए। नियमों और योजनाओं की जानकारी के अभाव के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ वहां तक नहीं पहुंच पाता है।

वक्ता के रूप में बोलते हुए प्रो. मदन सिंह राठौड़ ने कहा कि जनजातियों के लिए किया गया विकास विकारग्रस्त न हो। आपने वसुधैव कुटुंबकम की महता बताई। साथ ही नीति निर्माण और क्रियान्वयन के बीच का गैप खत्म करने पर बल दिया।

तृतीय सत्र

इस कार्यशाला का तीसरा सत्र 3:15 बजे प्रारंभ हुआ जिसके मुख्य वक्ता प्रोफेसर विवेक कुमार, श्री वैभव सुरंगे और श्री एस.एल. परमार ने जनजातीय विकास पर अपनी बात रखी।

श्री वैभव सुरंगे ने कहा कि विकास के साथ जनजातीय जीवन को ध्यान में रखने की महती आवश्यकता है। हम जंगल काटकर विकास की बात करते हैं, फिर पेड़ लगाने की चिंता करते हैं। हैप्पीनेस इंडेक्स को ध्यान में रखते हुए विकास के पथ पर अग्रसर होना होगा। पर्यावरण के अनुकूल विकास का मॉडल बनाना होगा। हमारे पास कम्युनिटी का मॉडल बचा नहीं है, जनजातियों के पास अभी बचा है। हम जनजाति समाज की स्थिति को जाने बिना

मत तय कर लेते हैं, जो उचित नहीं है। शोधार्थी को अपने शोध के माध्यम से सरकारी योजनाओं का सही मूल्यांकन कर उसके निष्कर्ष सरकार तक पहुंचाने होंगे। विकास योजनाओं की असफलता का भी ठीक से मूल्यांकन करना होगा। श्री एस.एल. परमार ने कहा कि आजादी के बाद विकास दिखता है, पर सवाल गुणवत्ता का है। हमारे यहां शिक्षा के क्षेत्र में संख्या तो बढ़ी है, पर स्तर नहीं बढ़ा। प्रो. विवेक कुमार ने 'जनजातीय समाज की प्राचीन परंपरा और विकास' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हम जनजातीय समाज के विकास के लिए चिंतित हैं बल्कि हमें विकास के सही मॉडल को समझना होगा।

प्रो. नीरज शर्मा ने सनातन दर्शन, शांति और समन्वय की विराट प्रकृति पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि विवेक पूर्ण मानवीय आचरण जरूरी है। वैदिक दर्शन में प्रकृति की उपासना महत्वपूर्ण है। आपने नारायण दशावतार की बात करते हुए प्रकृति से विकास क्रम को दर्शाया। प्राकृतिक शक्तियों के मानवीकरण और पंच देवोपासना की चर्चा की और कहा कि सनातन का मूल एक है। सनातन वैदिक अस्मिता, आदिवासी आस्तिकता के बिना अपूर्ण है। सनातन वैदिक चिंतन प्रवाह आदिवासी मूल्यों से अभिन्न है। हमारी सनातन संस्कृति वन्य जीवन से अभिन्न है।

प्रो. सुरेश अग्रवाल ने वैदिक धर्म और भक्ति -पर अपने विचार रखे। संत मावजी के चौपड़े, वाणियों में निहित भविष्यवाणियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैदिक संस्कृति व जनजातीय संस्कृति, गोविंद गुरु के प्रवचन और अवदान को रेखांकित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम और जनजातीय विद्यार्थियों के ड्रॉपआउट के कारणों पर प्रकाश डाला। वहीँ प्रो. दिग्विजय भटनागर ने समन्वय के दर्शन, शिक्षा को बढ़ाने पर बल दिया।

दूसरा दिन : 10 मार्च 2024

प्रथम सत्र

कार्यशाला के दूसरे दिन 10 मार्च, 2024 को सुबह 10:00 बजे प्रथम सत्र प्रारंभ हुआ जिसमें मुख्य वक्ता श्री भगवान सहाय जी, प्रो. बिनोद कुमार और डॉ. प्रियासी दत्ता थे।

प्रो. बिनोद कुमार ने कहा कि हम अपनी कहानी स्वयं नहीं लिख पाए तो कोई और उसे अपने तरीके से लिख गया। इस सत्र में डॉ. बिनोद कुमार ने Curriculum Design पर बात की। वहीँ आदिवासी जीवन के विषय में Reclaiming Narrations & Documentations पर अपने विचार रखे। इस सत्र में श्री भगवान सहाय जी ने जनजातीय

संस्कृति और सनातन संस्कृति को अभिन्न बताया और कहा कि जनजातीय संस्कृति रक्षण, पोषण और संवर्धन होना चाहिए। हमें जनजातियों के बीच सकारात्मकता लेकर जाना होगा।

द्वितीय सत्र

इस दिन का दूसरा सत्र 11:30 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें 'शोध प्रविधियां' विषय पर प्रकाश डाला गया। इस सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कोठारी ने कहा कि जनजातीय विषयों पर अनुसंधान और शोध करने से पहले उनसे जुड़ाव जरूरी है। पश्चिमी देशों के प्रबंधन के तरीके हमारे देश में हूबहू लागू नहीं किए जा सकते हैं। भारतीय जनजातियों में कई विषयों पर शोध की संभावना है। इसके बाद भोजन अवकाश हुआ।

समापन समारोह

इस कार्यशाला का समापन सत्र अपराह्न 2.00 बजे प्रारंभ हुआ जिसके अध्यक्ष प्रो. बी.पी, शर्मा, मुख्य अतिथि श्री हर्ष चौहान और श्री सुधीर द्वे थे। श्री सुधीर दवे ने जनजातीय विकास विभाग की गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी दी। श्री वारसिंह निर्देशक टी.आर.आई. ने टी.आर.आई. की गतिविधियों, उद्देश्यों एवं महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में बताया।

श्री हर्ष चौहान ने कहा कि जनजातीय समाज को लेकर अलग-अलग नेरेटिव हैं, उस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने Why Tribal Research ? विषय पर अपने विचार रखे और कहा कि जनजातीय समाज को हम ठीक से समझ नहीं पाए। अंग्रेजों की दृष्टि से हम इस समाज को देखते हैं, जो ठीक नहीं है। हमारी संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में इस पर अध्ययन करेंगे तो हम इस समाज को समझ पाएंगे। उन्होंने कहा कि नगरीय जीवन में आज आदिवासी को लेकर जो छवि बनी हुई है वह सोचनीय है। औपनिवेशिक मानसिकता से लिखा गया साहित्य और बनी हुई फिल्में आज भी आदिवासियों की छवि बदल नहीं सकीं। आज आंकड़े और यथार्थ में भेद दिखता है। अतः इस समाज को आधार बनाकर शोध एवं अध्ययन की महती आवश्यकता है। दृष्टि, पद्धति और संकल्प ठीक होने पर ही जनजातीय समाज पर सही शोध संभव है।

प्रो. बी.पी. शर्मा ने कहा कि सबसे सभ्य और सुसंस्कृत समाज जनजातीय समाज है। 'गवरी' नृत्य के माध्यम से हम उनकी श्रद्धा और अनुशासन देख सकते हैं। आस्था और समर्पण हम उनके इस वार्षिक पर्व में देख सकते हैं। गवरी के एक-एक पात्र पर शोध की

अनेक संभावनाएँ हैं। जनजातीय समाज का हमने ठीक से अध्ययन अभी तक नहीं किया है। जनजातियों के पर्वों व मान्यताओं पर भी शोध की आवश्यकता है। इस समापन समारोह का संचालन डॉ. विनीता राजपुरोहित ने किया और आभार डॉ. बालूदान बारहठ ने व्यक्त किया किया। राष्ट्रगान के साथ इस कार्यशाला का समापन हुआ।

ooo

REPORT OF

ONE DAY WORKSHOP ON

“ACCOUNTING FOR HOTELS”

[MAY 9, 2024 THURSDAY]

ORGANIZED BY

Department of Accountancy and Business Statistics,

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Raj.)

Department of Accountancy and Business Statistics
University College of Commerce & Management Studies
Mohanlal Sukhadia University
(NAAC ACCREDITED "A" Grade State University)
Organising

WORKSHOP
ON
ACCOUNTING FOR HOTELS

Thursday, May 9, 2024 at 11:00 am
Venue : Computer Lab (Room No. 402)
University College of Commerce & Management Studies

Chief Patron	Co-Patron	Workshop Director	Workshop Secretary
Prof. Sunita Mishra	**Prof. B.L. Verma**	**Prof. Shurveer S. Bhanawat**	**Dr. Shilpa Vardia**
Hon'ble Vice Chancellor	Dean and Faculty Chairman	Head	Assistant Professor
MLSU, Udaipur	UCCMS, MLSU, Udaipur	Department of ABST	Department of ABST
		MLSU, Udaipur	MLSU, Udaipur

Registration Link : https://forms.gle/tysLUyZ5wrCe7euS8

One day workshop on "**Accounting for Hotels"** was organized by Department of Accountancy and Statistics , University College of Commerce and Management Studies , MohanlalSukhadia University. The workshop was organized under the guidance of Honorable Vice chancellor of the University **Professor Sunita Mishra** and Dean of University, **Professor B.L Verma.**

Organizing Secretary of the workshop **Dr. Shilpa Vardia** said that the main objective of conducting this workshop is to provide practical Knowledge of " **Accounting for hotels**" and also increase there employment opportunities in hotel industry. Further , she said that there are immense possibilities of tourism in Udaipur. Hotel industry is biggest industry in Udaipur in which an investment of 1000 crores and about 1000 employees are working. She also focused significance of hotel accounting in present era and different services provided by hotel industry.

Thereafter, Department Head **Dr. Shurveer Singh Bhanawat** , also motivated students on creating their own employment and form groups and develop accounting skills and plan to start a start up. He enlightened the knowledge of participants by providing in depth knowledge about the concept of Hotel accounting.

The keynote speaker of present workshop **Mr. Piyush Soni**, made the participants aware of the introduction of Hotel Business Accounting, its types, license requirement and tax system through Power point presentation. Along with this, he also gave training of practical hotel accounting through case study related to hotel through tally software.

The present workshop was very informative and interactive as it ended with quiz and question and answer round that enabled the participants to put their queries which were very well explained and answered by resource person. Lastly , **E- Certificate** were provided to all **51** participants who attended the present workshop.

The Faculty members of the department, Assistant Professor **Dr. ShilpaLodha, Dr. Asha Sharma, Dr. ParulDashora, Dr. PushprajMeena**were present in this workshop. Along with this , Guest faculty of Accountancy department **Dr. RimpiSaluja, Dr**. **Nidhibhanawat , Dr. Priyanka Jain** and **Dr**. **Ruchika Jain** were also present.

Google
India
UCCMS , MLSU, Opposite Hotel R
Lat 24.581446°
Long 73.712386°
09/05/24 11:55 AM GMT +05:30

Google
India
UCCMS , MLSU, Opposite Hotel R
Lat 24.581446°
Long 73.712386°
09/05/24 11:59 AM GMT +05:30

Google
India
UCCMS , MLSU, Opposite Hotel R
Lat 24.581446°
Long 73.712386°
09/05/24 11:57 AM GMT +05:30

Google
India
UCCMS , MLSU, Opposite Hotel R
Lat 24.581446°
Long 73.712386°
09/05/24 01:47 PM GMT +05:30

BACHELOR OF VOCATION
Google
India
UCCMS , MLSU, Opposite Hotel R
Lat 24.581446°
Long 73.712386°
09/05/24 12:21 PM GMT +05:30

Google
India
UCCMS , MLSU, Opposite Hotel R
Lat 24.581446°
Long 73.712386°
09/05/24 12:22 PM GMT +05:30

Google
India
UCCMS , MLSU, Opposite Hotel R
Lat 24.581446°
Long 73.712386°
09/05/24 12:01 PM GMT +05:30

आदि ने अपना काव्य पाठ किया। और कलाकारों के सामने आस्वाद की लाइव प्रस्तुति दी।

स्टार्टअप सृजित कर रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे

सुविवि में लेखांकन पर कार्यशाला

ब्यूरो नवज्योति/ उदयपुर।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के लेखांकन एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा गुरुवार को होटल लेखांकन पर कार्यशाला का आयोजन कंप्यूटर लैब में किया गया। कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा एवं विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबन्ध संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीएल वर्मा एवं व विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत के मार्गदर्शन में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन सचिव डा. शिल्पा वर्डिया ने बताया कि उदयपुर में लेखांकन में रोजगार की संभावना भरपूर है। अतः लेखा विद्यार्थियों के लिए यह कार्यशाला उनके रोजगार के अवसरों में अभिवृद्धि करेगी। विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने कहा कि स्वयं के रोजगार के सृजन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके लिए लेखांकन एवम टैक्सेशन

में कौशल विकसित करके स्टार्ट अप शुरू करने की योजना बनानी चाहिए। संचालन शौयगढगढ़ रिसॉर्ट के अकाउंट्स एग्जीक्यूटिव पीयूष सोनी ने किया। सुखाड़िया विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा एवं विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबन्ध संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीएल वर्मा ने कार्यशाला के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

DEPARTMENT OF ACCOUNTANCY AND BUSINESS STATISTICS
UNIVERSITY COLLEGE OF COMMERCE AND MANAGEMENT STUDIES
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR
Workshop on Accounting For Hotels on 9 May, 2024 at 11 am

Sr. no.	Name	Mobile No.	Signature	CLASS			
				M.Com	MFC	M.Voc (ATA)	Other
1	Vikash Kumar	7079840252	Vikash			✓	
2	Nayan Gorwani	8209363307	[illegible]				✓
3	Hussain Kukadiwala	7427007162	Hsn	✓			
4	Komal Bhagwatilal Nagda	9137509702	[illegible]	✓			
5	Vivek Bhati	9953763198	[illegible]	✓			
6	Chinmay Jain	9799185787	Jain	✓			
7	Dr. Nidhi Bhapawat Murdia	9414917061	Nidhi				✓
-8	Shivdutt Singh Rao	9785567574	[illegible]		✓		
9	Ritika Sahu	8290115874	Ritika		✓		
10	Khushi Mod	7300271346	Khushi		✓		
11	Divya Kalal	8955302866	Divya		✗	✓	
12	Komal Nagda	8824149482	Komal		✗	✓	
13	Meenakshi Paliyai	8769991269	[illegible]				✓
-14	Jaya kumari	8239376763	Jayakumari		✓		
-15	Mayur Ved	9588296278	[illegible]			✓	
16	Nagendra Singh Jhala	8890851129	Nagendra singh			✓	
17	DIKSHA PUROHIT	7014527813	Diksha			✓	
18	Mudita Bhatnagar	8905741089	Mudita			✓	

Scanned with AltaScan

DEPARTMENT OF ACCOUNTANCY AN[illegible]SS STATISTICS

UNIVERSITY COLLEGE OF COMMERCE AND MANAGEMENT STUDIES

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR

Workshop on Accounting For Hotels on 9 May, 2024 at 11 am

Sr. no.	Name	Mobile No.	Signature	CLASS			
				M.Com	MFC	M.Voc (ATA)	Other
19	Aayush Maheshwari	9649755098	Aayush		✓		
20	Darshan Bhatia	8560942464	Darshan		✓		
21	Neeraj Nagda	9057092628	Neeraj		✓		
22	Ritika Choudhary	9001973704	Ritika	✓			
23	Vidhi Vyas	6378128273	Vidhi	✓			
24	MOHD. Shama Khan	7424946408	Khan		✓		
25	Mitesh Kumar Meena	8529583229	mitesh.	✓			
26	VIPIN KUMAR DAMOR	8107652586	VIPIN KUMAR	✓			✓
27	Shilpa Lodha		[illegible]				
28	[illegible]	[illegible]	Tejas	✓			
29	Anjali Bhil	8690039954	[illegible]	✓			
30	Aamna Banu	8107104491	Aamna Banu	✓			
31	Khushi Sharma	9929671624	Khushi	✓			
32	Dipanshu Rathore	7737193664	[illegible]	✓			
33	Neha Shaktawat	9521694587	Neha Shaktawat	✓			
34	Nupur Paliwal	9079101100	Nupur	✓			
35	Hema Mali	9602355715	Hema	✓			
36	Ashok Singh Rao	9929713767	[illegible]				PhD ✓

DEPARTMENT OF ACCOUNTANCY AND BUSINESS STATISTICS
UNIVERSITY COLLEGE OF COMMERCE AND MANAGEMENT STUDIES
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR
Workshop on Accounting For Hotels on 9 May, 2024 at 11 am

Sr. no.	Name	Mobile No.	Signature	CLASS			
				M.Com	MFC	M.Voc (ATA)	Other
37	Ashok Kumar Sharma	9664417552	[illegible]				✓
38	Dr Priyanka Saluja	9982325121	[illegible]				
39	Dr [illegible] Jain	8169924184	[illegible]				✓
40	Dr [illegible] Jain	9462436369	[illegible]				
41	[illegible] Nagda	9887149823	[illegible]				
42	Kiran Chundawat	7742329615	[illegible]				
43	Rohit Sharma	9024820471	[illegible]				
44	Ronak Jain	7737120774	[illegible]				
45	Bhanu Singh	9785317004	[illegible]				
46	Yosefa Bohra	8290575415	[illegible]				
47	[illegible] Bhatnagar	[illegible]4583518	[illegible]				
48	Anil Kumar Meena	[illegible]	[illegible]		✓		
49	[illegible]	[illegible]	[illegible]		✓		
50	Dr Asha Sharma	8005516509	[illegible]				✓
51	Dr Shilpa Vardia		[illegible]				

(Shilpa Vardia)

[illegible] : [illegible]*

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 450 [illegible]

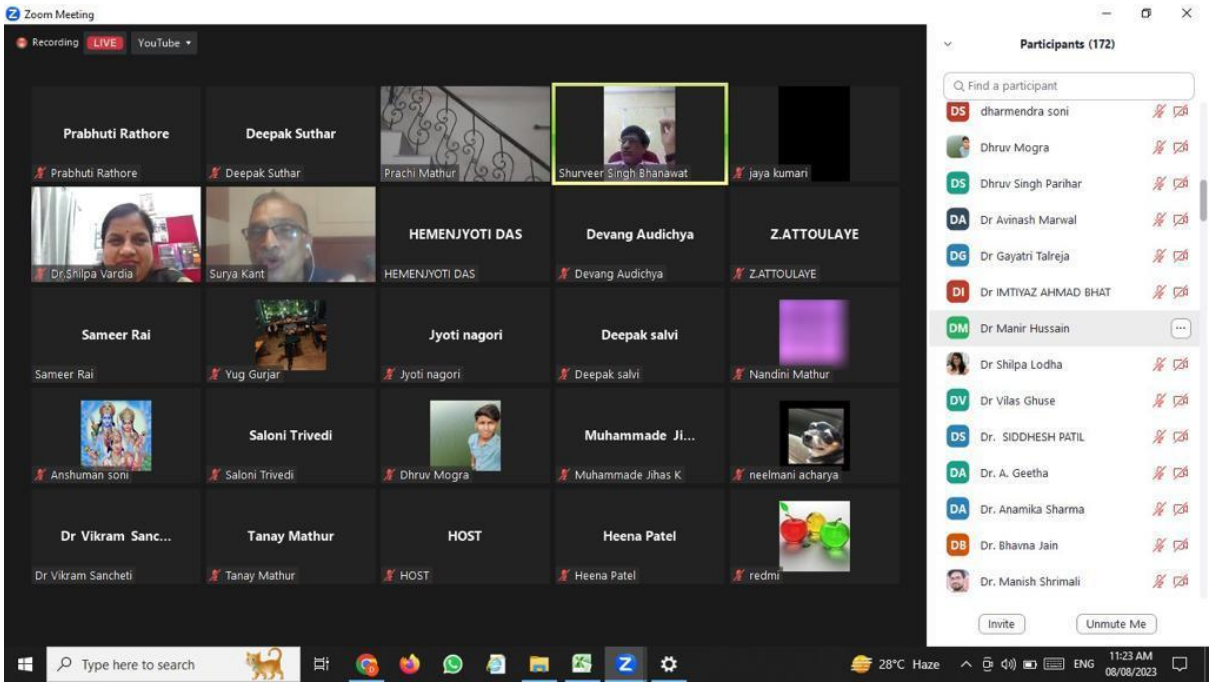
Zoom Meeting
Recording
LIVE
YouTube
Prabhuti Rathore
Deepak Suthar
Prachi Mathur
Shurveer Singh Bhanawat
jaya kumari
Dr.Shilpa Vardia
Surya Kant
HEMENJYOTI DAS
Devang Audichya
Z.ATTOULAYE
Sameer Rai
Yug Gurjar
Jyoti nagori
Deepak salvi
Nandini Mathur
Anshuman soni
Saloni Trivedi
Dhruv Mogra
Muhammade Ji...
neelmani acharya
Dr Vikram Sanc...
Tanay Mathur
HOST
Heena Patel
redmi
Participants (172)
Find a participant
dharmendra soni
Dhruv Mogra
Dhruv Singh Parihar
Dr Avinash Marwal
Dr Gayatri Talreja
Dr IMTIYAZ AHMAD BHAT
Dr Manir Hussain
Dr Shilpa Lodha
Dr Vilas Ghuse
Dr. SIDDHESH PATIL
Dr. A. Geetha
Dr. Anamika Sharma
Dr. Bhavna Jain
Dr. Manish Shrimali
Invite
Unmute Me
Type here to search
28°C Haze
ENG
11:23 AM
08/08/2023

seminar Report

हिंदी साहित्य, सिनेमा, समाज तथा अन्य माध्यम

उद्घाटन सत्र

दिनांक *06·10·2023* समय प्रातः *11:00* से *12:30*

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् एवं मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में *06-07* अक्टूबर,*2023* को हिंदी साहित्य, सिनेमा, समाज तथा अन्य माध्यम विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी में देश के कई जाने-माने टीवी, वेब सीरीज तथा सिने कलाकार, निर्देशक, संगीतकार तथा पटकथा लेखक विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए। कई विश्वविद्यालयों से आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए । इस संगोष्ठी का शुभारंभ *06*अक्टूबर,*2023* शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद सभागार में हुआ । उदघाटन सत्र में विभागाध्यक्ष डॉ· नीतू परिहार ने स्वागत उद्बोधन दिया । प्रसिद्ध रंगकर्मी, सिने-टीवी कलाकार अखिलेंद्र मिश्र ने मुख्य अतिथि के रूप में अपना उद्बोधन दिया । उन्होंने बताया कि भगवान शिव के डमरू से *14* सूत्र निकले । इन्हीं सूत्रों से सारी विद्याएँ, विधाएं और भाषाएँ निकली। संस्कृत भी इन्हीं में से एक है, जिसकी हिंदी समेत कई बेटियां हैं।उन्होंने कहा कि सृष्टि प्रदत्त भाषा है संस्कृत और हिंदी।

आयोजन सचिव डॉ· नीता त्रिवेदी ने कहा कि हम उस पीढ़ी के प्रतीक हैं जो टीवी पर चित्रहार, रामायण, चंद्रकांता संतति जैसे सीरियल देखते हुए बड़े हुए हैं। उन्होंने सिनेमा के दौर को याद करते हुए कहा कि उस समय सिनेमा मनोरंजन का साधन होने के साथ हमें भावनात्मक और रहस्य की दुनिया से भी जोड़े रखता था। विशिष्ट अतिथि प्रो· गौरव वल्लभ ने बताया कि हिंदी भाषा में जो अपनत्व, ममता, प्रेम, करुणा, वात्सल्य है, वह दुनिया की किसी भी भाषा में महसूस नहीं होता। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रो· सुनीता मिश्रा ने कहा कि ऐसी संगोष्ठी समय की मांग है।मुख्य वक्ता प्रो· पुनीत बिसारिया ने कहा कि साहित्य के बिना समाज नहीं है और समाज के बिना सिनेमा नहीं है।सभी एक दूसरे के बिना अधूरे हैं।विशिष्ट अतिथि प्रो· नीरज शर्मा ने कहा कि अगर हिंदी भाषा का एक शब्द भी आपके भीतर समा जाए तो आपको उच्च सम्मान मिल सकता है। इस अवसर पर डॉ· आशीष सिसोदिया की पुस्तक 'मेवाड़ी लोककला एवं लोकगीत' का विमोचन किया गया।तेजस पूनिया की दो पुस्तकों का भी विमोचन हुआ।अतिथियों को स्मृति-चिह्न भी भेंट किए गए। डॉ· नवीन नंदवाना ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

व्याख्यान सत्र

दिनांक *06·10·2023* समय *12:35* से *1:30* तक

स्थान : विवेकानंद सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

नाटक, सिनेमा, साहित्य और समाज

उद्घाटन सत्र के बाद व्याख्यान सत्र प्रारंभ हुआ जिसका संचालन डॉ॰ मुन्ना कुमार पांडे ने किया। इस सत्र में 'नाटक, सिनेमा, साहित्य और समाज' विषय पर प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं अभिनेता अखिलेंद्र मिश्र ने अपना व्याख्यान दिया। इस सत्र में डॉ॰ मुन्ना कुमार पांडे के साहित्य एवं सिनेमा से संबंधित सवालों के जवाब अखिलेंद्र मिश्र ने अपने अनोखे अंदाज़ में दिए साथ ही उन्होंने अपनी पुस्तक 'अखिलामृतं' से कुछ कवितायें भी सुनाई।

प्रथम तकनीकी सत्र

दिनांक *06·10·2023* समय *2:30* से *4:00* तक

स्थान : विवेकानंद सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

साहित्य, समाज तथा अधुनातन माध्यम

*(*क्षेत्रीय सिनेमा तथा वेब सीरीज, प्रिंट मीडिया, शॉर्ट मूवीज तथा टीवी सीरियल*)*

भोजन के पश्चात् प्रथम तकनीकी सत्र प्रारंभ हुआ।इस सत्र की अध्यक्षता सोमेन्द्र हर्ष,निदेशक *(*RIIF*)*, जयपुर ने की। वक्ता के रूप में आदित्य ओम *(*तमिल एवं हिंदी फिल्म निर्देशक*)*, तरुण डुडेजा *(*लेखक एवं निर्देशक*)*, चिन्मय भट्ट *(*फिल्म निर्देशक, गीतकार, संगीतकार एवं पटकथा लेखक*)*, जिगर नागदा *(*निर्माता, निर्देशक एवं लेखक*)* एवं कुणाल मेहता *(*फिल्म निर्देशक, अभिनेता एवं लेखक*)* ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस सत्र में साहित्य, समाज तथा अधुनातन माध्यम जिसके अंतर्गत क्षेत्रीय सिनेमा तथा वेब सीरीज, प्रिंट मीडिया, विज्ञापन, शोर्ट मूवीज तथा टीवी सीरियल पर विस्तृत चर्चा हुई जिसमें दर्शकों की जिज्ञासाओं का भी प्रतिउत्तर दिया गया। इस सत्र में विषय से संबंधित *06* पत्र आए।

साहित्यिक कार्यक्रम

दिनांक *06·10·2023* समय सायं *7:30* से *9:00*

स्थान : बप्पा रावल सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

शब्द ब्रह्म

*(*आखर से आख्यान की यात्रा*)*

06 अक्टूबर,*2023* की शाम को *7:30* बजे से साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया| इसका विषय रखा गया - **शब्द-ब्रह्म *(*आखर से आख्यान की यात्रा*)*** | इस कार्यक्रम में सिनेमा से संबंधित लेखक से संवाद किया गया | इस कार्यक्रम में मशहूर पटकथा लेखक सत्य व्यास से उनकी पुस्तक **'मीना मेरे आगे'** पर चर्चा की गई| साथ ही फिल्म विश्लेषक तेजस पूनिया से भी उनकी पुस्तक पर चर्चा हुई| इस कार्यक्रम का संचालन डॉ॰ मुन्ना कुमार पांडे ने किया|

द्वितीय तकनीकी सत्र

दिनांक *07*॰*10*॰*2023* समय प्रात*: 10:30* से *11:30*

स्थान *:* बप्पा रावल सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

सिनेमा तथा अन्य माध्यमों का समाज तथा साहित्य से अंतर्संबंध

07 अक्टूबर,*2023* को प्रातः *10:30* बजे से द्वितीय तकनीकी सत्र प्रारंभ हुआ| इस सत्र की अध्यक्षता प्रो॰ संजीव दुबे *(*अध्यक्ष हिंदी अध्ययन केंद्र, गुजरात*)* ने की|इसमें वक्ता के रूप में उपस्थित विद्वानों में - प्रो॰ अशोक कांबले *(*अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन और अनुसन्धान विभाग कर्नाटक*)*, डॉ॰ विशाल विक्रम सिंह *(*सहायक आचार्य, हिंदी विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर*)*, डॉ॰ आशीष सिसोदिया *(*सह आचार्य, हिंदी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर*)* तथा डॉ॰ नवीन नंदवाना *(*सह आचार्य, हिंदी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर*)* ने सिनेमा तथा अन्य माध्यमों का समाज तथा साहित्य से अंतर्संबंध विषय

पर अपने विचार व्यक्त किए।इस सत्र में विषय से संबंधित *10* पत्र आए।मुख्य वक्ता प्रो· अशोक कांबले ने साहित्य की भाषा एवं सिनेमा की विकास यात्रा पर चर्चा की।

तृतीय तकनीकी सत्र

दिनांक *07·10·2023* समय प्रात: *11:35* से *12:40*

स्थान : बप्पा रावल सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

सिनेमा तथा अन्य माध्यमों का सैद्धान्तिक एवं तकनीकी पक्ष

इसके बाद तृतीय तकनीकी सत्र प्रारम्भ हुआ जिसकी अध्यक्षता डॉ· मृत्युंजय सिंह *(*ओ·एस·डी· बंगाल सरकार, लेखक एवं निर्देशक*)* ने की। इसमें वक्ता के रूप में सुष्मिता सिंह *(*सह संस्थापक, उदयपुर टेल्स इंटरनेशनल स्टोरी टेलिंग फेस्टिवल*)*, डॉ· मुन्ना कुमार पांडे *(*सह आचार्य, हिंदी विभाग, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय*)* डॉ· संदेश महाजन *(*सहायक आचार्य, पी·डी·ई·यू· गांधीनगर, गुजरात*)* तथा डॉ· दीपा सोनी *(*सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर*)* उपस्थित रहे। इस सत्र का विषय था - **सिनेमा तथा अन्य माध्यमों का सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्ष** । इस सत्र में विषय से संबंधित *05* पत्र आए। डॉ· मृत्युंजय सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय सिनेमा कला का एक अलग ही क्षेत्र है।विभिन्न कलाओं की तरह फिल्म निर्माण भी कला है। उन्होंने फिल्म निर्माण की सैद्धांतिकी को भी श्रोताओं को समझाया। इस अवसर पर डॉ· मृत्युंजय सिंह ने अपनी प्रसिद्ध कविता 'द्रौपदी' सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संवाद सत्र

दिनांक *07·10·2023* समय *12:45* से *02:00*

स्थान *:* बप्पा रावल सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

सिनेमा तथा अन्य माध्यम *:* विविध आयाम

*(*पटकथा लेखन, गीत-संगीत, निर्देशन, छायांकन रिकार्डिंग, मार्केटिंग*)*

तत्पश्चात द्वितीय संवाद सत्र शुरू हुआ जिसका संचालन सोमेन्द्र हर्ष *(*निदेशक *(*RIIF*)*, जयपुर*)* ने किया। इस सत्र का विषय था- **सिनेमा तथा अन्य माध्यम *:* विविध आयाम *(*पटकथा लेखन, गीत-संगीत, निर्देशन, छायांकन रिकार्डिंग, मार्केटिंग*)***।इस सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में दिलीप सेन *(*प्रसिद्ध संगीतकार*)*, चिन्मय भट्ट *(*फिल्म निर्देशक, गीतकार, संगीतकार एवं पटकथा लेखक*)* तथा कपिल पालीवाल *(*गीतकार*)* ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। संगीतकार दिलीप सेन ने कहा कि जब तक फ़िल्में रहेंगी, संगीत रहेगा। संगीत फिल्म की रीढ़ है।

समापन सत्र

दिनांक *07·10·2023* समय *3:00* से *04:30*

स्थान *:* बप्पा रावल सभागार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

हिंदी साहित्य, सिनेमा, समाज तथा अन्य माध्यम

समापन सत्र की अध्यक्षता सोमेन्द्र हर्ष ने की। मुख्य वक्ता के रूप में दिलीप सेन ने अपने संगीत एवं धुन की निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से समां बांध दिया। उन्होंने गानों के माध्यम से दर्शकों का मन जीत लिया।उनहोंने कहा कि इस सृष्टि का संचालन तीन चीजों से होता है और वो है – सुर, लय और ताल।इन तीनों को मिलाकर ही संगीत बनता है। डॉ· आशीष सिसोदिया ने संगोष्ठी का प्रतिवेदन पढकर सुनाया। आयोजन सचिव डॉ· नीता त्रिवेदी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ· नवीन नंदवाना ने किया। इसी के साथ दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ।

Programme Title: “Dabu Indigo Printing ”

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators: Yogesh Chhipa

Date: 12.04.2023

No. of Participants-50

Collaboration: Military Cant.

Objectives of the Programme:

- To teach individuals the traditional art and techniques of Dabu indigo printing
- To promote eco-friendly practices through Dabu printing, including the use of sustainable materials and dyeing methods.
- To provide a historical and cultural context for Dabu indigo printing, helping participants appreciate its significance.

Outcomes:

- Participants acquired the knowledge and skills needed to create intricate and beautiful prints.
- Participants explored their creativity and developed their own unique designs and patterns in Dabu printing.
- Learners achieved a deeper appreciation for the cultural and historical significance of Dabu printing, connecting with the tradition and heritage behind the art.
- Participants learned eco-friendly practices, encouraged to adopt sustainable and environmentally responsible methods in their printing process

Overview of the Programme:

The training was organised in a military cantt. area for the military men wives on 12th April 2023 with the objective of creating awareness about the traditional art of the Dabu printing among the women. The training was given by the locally trained artisan Mr Yogesh cheepa. His family is totally involved in this art. He explained every step by live demonstration of mud resist printing. Women themselves did this craft and enjoy a lot by creating scarfs, dupatta and kurta.

The incharge of the department Dr. Dolly Mogra threw light on the historical and cultural significance of the Dabu print and explained about its significance in this era of ever changing fashion world.

Annexure –2

Programme Title: " Mandala Art "

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Resource Person : Ms. Yogini Dak

Date: 2. 06.2023

No. of Participants-36

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To provide a platform for participants to express their creativity and emotions through the creation of mandala art.
- To promote an appreciation for the beauty and symmetry found in mandala art.
- To teach the techniques and skills needed to create intricate and visually appealing mandala designs.
- To educate participants about the cultural and historical significance of mandalas in various traditions.

Outcomes:

- Participants created their own unique mandalas, expressing their creativity and individuality.
- Participants achieved a better understanding of the cultural and spiritual significance of mandalas in various traditions.
- Mandala art workshops provided a platform of the participants to express themselves artistically.

Overview of the Programme:

The workshop was organized by the Department of Fashion Technology and Designing on 2nd June 2023 for the 36 participants at Nehru hostel. The resource person for the training was Yogini Dak. She is a trained creative artist. Under the workshop the students were to explode about the mandala art. She finely demonstrated the art of mandala and also told about the key points in making fine and perfect mandala art. The training was basically organised to improve the skill of the students and also to enable them to start their own enterprise by using this historical and traditional technique of mandala. In this workshop the students prepared various samples in different shapes and sizes.

Dr. Dolly Mogra Incharge Department of Fashion Technology and Designing gave the detailed information regarding the importance and its use in this present era of globalization and also told the students how they can use this technique to start their own enterprise.

Programme Title: " Clay Pot Making "

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Resource Person: Ms. Yogini Dak

Date: 3 June 2023

No. of Participants- 36

Objectives of the Programme:

- To Provide a hands-on experience for participants to create their own clay pots.
- To Develop participants' skills in shaping, decorating, and firing clay pots.
- To Teach participants the traditional art of pottery and clay pot making.
- Potentially support local artisans and the pottery industry by encouraging interest in handmade pottery.

Outcomes:

- Participants acquired skills in working with clay, hand-building techniques, and pottery craftsmanship.
- Completing a clay pot boosted participants' self-esteem and sense of achievement.

Overview of the Programme:

The workshop was organized on 3rd June 2023 for the 36 participants at Nehru hostel. The resource person for the training was Yogini Dak. She is a trained creative artist. Under the workshop the students were explored about the various techniques of pot decoration with clay moulds and different styles of painting on the pot. The training is basically organised to improve the skill of the students and also to enable them to start their own enterprise by using this artistic way of creating pots and other items of decoration. In this workshop the students prepared various types of pots and decorative items by using clay and other techniques.

Dr. Dolly Mogra Incharge Department of Fashion Technology and Designing gave the detailed information regarding the importance and its use in this present era of globalization and also tell the students that by using their creativity they can develop many decorative items which are in demand .

Programme Title: “ Lippan Art ”

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators: Dimple Jain, Priyanka Jain

Date: 21 July2023

No. of Participants-50

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To acquaint students with the traditional Lippan art.
- To improve their creativity.
- To enhance their skill in lippan art.

Outcomes:

- They prepare many products by lippan art technique.
- Their speed of making products was also increased.
- Participants achieved a better understanding of the cultural and spiritual significance of lippan art in various traditions.
- Lippan art workshops provided a platform of the participants to express themselves artistically.

Overview of the Programme:

On 27th july 2023 a vibrant Lippan Art Training Workshop was conducted at Nehru hostel for 50 students], bringing together art enthusiasts and learners eager to explore the traditional folk art form of Lippan. The workshop aimed to provide hands-on training, fostering creativity and preserving the rich cultural heritage associated with this distinctive art.

The workshop included interactive sessions where participants could ask questions, seek guidance, and engage in discussions with the instructor i.e Dimple and Priyanka. This fostered a collaborative learning environment and allowed for a deeper understanding of Lippan art.

Participants were encouraged to express their creativity through both individual and group projects. This not only provided a platform for personal artistic expression but also promoted teamwork and camaraderie among the participants.

Towards the end of the workshop, an exhibition of the participants' Lippan art creations was organized. This showcase allowed participants to appreciate each other's work, share their experiences, and celebrate the diversity of artistic expressions within the Lippan art tradition.The Lippan Art Training Workshop proved to be an enriching and culturally immersive experience for all participants. It not only imparted practical skills in Lippan art but also provided a deeper appreciation for the cultural heritage embedded in this traditional folk art form

Programme Title: “Tri Colour Dupatta Making Workshop ”

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators: Rekha Purohit

Date: 12.08.2023

No. of Participants-50

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To enhance knowledge about the mass production method.
- To learn how to complete a big order in a small time.
- To acquaint them with the raw material procurement.

Outcomes:

- They learned and practiced the mass production process.
- They get an understanding about the importance of time in completing order.
- They gained insight knowledge about raw material purchase.
- They prepare nice tri colour dupatta on time.

.

Overview of the Programme

On 12th August 2023, a "Tri Colour Dupatta Making Workshop" was organized under the guidance of the Department of Fashion Designing and Technology. The workshop aimed to celebrate the cultural diversity of our nation through the creation of tri-color dupattas, symbolizing the Indian flag.

Fifty enthusiastic participants gathered to learn and engage in the art of dupatta making. The workshop commenced with Dr. Dolly Mogra's opening remarks, emphasizing the importance of cultural expression and creativity.

Participants were provided with materials including fabric in saffron, white, and green colors, along with various embellishments such as sequins, beads, and embroidery threads. Under the expert guidance of Rekha Purohit and her team, participants learned different techniques including tie-dye, embroidery, and fabric painting to adorn their dupattas.

Throughout the workshop, participants displayed remarkable creativity, experimenting with different designs and patterns. The atmosphere was filled with joy and camaraderie as participants shared ideas and techniques with each other.

By the end of the workshop, each participant had successfully crafted their own unique tri-color dupatta, representing the spirit of unity in diversity.

Dr. Dolly Mogra concluded the event by congratulating the participants on their creativity and encouraging them to continue exploring their artistic talents.

The "Tri Colour Dupatta Making Workshop" was not only a celebration of artistic expression but also a reminder of the rich cultural heritage that unites us as a nation. It served as a platform for individuals to come together, learn, and celebrate our shared identity.

The success of the workshop would not have been possible without the dedication and guidance of Dr. Dolly Mogra and her team, as well as the enthusiasm and active participation of all the participants.

Overall, the workshop was a resounding success, leaving a lasting impact on all those who attended, and showcasing the power of creativity and unity in fostering cultural appreciation.

Programme Title: " Rakhi Making"

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators: Rekha Purohit

Date: 21.08.2023

No. of Participants- 36

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To enhance their creativity.
- To develop the skill of rakhi making.
- To sensitize students about the hand made rakhi.

Outcomes:

- Students rakhi making skill was developed
- Their creativity was also improved.
- They start earning by selling their handmade rakhi.
- They understand the importance of handmade rakhi.

.

Overview of the Programme:

On 21st August 2023, a delightful Rakhi Making Workshop was organized at Nehru Hostel in which 36 students engage in the creative and traditional art of crafting Rakhi. The workshop aimed to celebrate the spirit of Raksha Bandhan, promote creativity, and provide an opportunity for participants to make personalized Rakhis for their loved ones.

The workshop began with an introduction to various materials used in Rakhi making, including threads, beads, sequins, and decorative elements. Different techniques such as braiding, beadwork, and embroidery were demonstrated to give participants a diverse range of options for creating their Rakhis.

To guide participants, expert Ms. Rekha Purohit and Ms. Chanda Sharma were invited to demonstrate advanced techniques and share tips for creating intricate and visually appealing

Rakhis. These demonstrations added value to the workshop by showcasing professional craftsmanship.

The Rakhi Making Workshop proved to be a delightful and engaging event, successfully achieving its objectives of promoting creativity and celebrating the cultural significance of Raksha Bandhan. Participants left the workshop not only with beautifully crafted Rakhis but also with a sense of pride in their creative abilities.

The success of the workshop underscored the importance of hands-on activities in celebrating festivals and connecting with cultural traditions. Participants expressed their appreciation for the opportunity to create personalized Rakhis, reinforcing the sentiment behind the festival of Raksha Bandhan – a celebration of love, protection, and the bond between siblings.

Programme Title: “ Textile Surface embellishment ”

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Resource person: Sophia

Date: 5-7 Sep.2023

No. of Participants-55

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- Introduce participants to various techniques for surface embellishment.
- Teach participants how to enhance the appearance of surfaces through decorative methods.
- Provide hands-on experience with different tools and materials used in surface embellishment.
- Empower participants to incorporate embellishment techniques into their own artistic or design practices.
- Encourage collaboration and sharing of ideas among workshop participants

Outcomes:

- Improved skills in applying decorative methods.
- Increased creativity and experimentation.
- Expanded knowledge of tools and materials.
- Empowered participants to incorporate techniques into their own work.

Overview of the Programme:

The programme was organised between 5-7 sep 2023 at Nehru hostel . The resource person of the workshop was Ms. Sophia . She taught three different surface ornamentation techniques to students-

1. Fabric painting
2. Kuch embroidery with three D outliner
3. Cutwork

Students enthusiastically participated in this workshop and prepared the article from each technique.

The co ordinator of the workshop Dr. Dolly Mogra gave detailed information about the implication of these techniques in fashion garments. She also guide the students about the importance of traditional work on apparel in India as well as around the world.

Programme Title: " Clay Art: Ganesha "

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators: Rekha Purohit , Samiksha Sharma

Date: 17 Sep.2023

No. of Participants-80

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To send a message of eco friendly environment .
- To develop the skill of making Ganesha from clay among the students.
- To develop their creativity.

Outcomes:

- Eco-Friendly handmade Ganesha made by the students.
- Confidence was developed amongst students
- Students gained huge exposure from this workshop.

Overview of the Programme:

A one-day workshop on making eco-friendly Ganesh idol was organized in the Fashion Technology and Designing Department of Mohanlal Sukhadia University. Under the direction of art teacher Yogini Dak, As an innovation, seeds were put in the soil of the statues being made so that after immersion the seeds could germinate and take the form of plants and help in environmental protection.

Dr. Dolly Mogra, in-charge of the department, said that the department has been moving forward in environmental protection since the beginning and on the auspicious occasion of Ganesh Chaturthi, it has led the students towards innovation by putting seeds in the clay Ganesh idols made by the students.

Programme Title: Terracotta Creations

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators: Dr. Sonu, Dr Rupali & Dr. Mamta

Date: 6.11.23 & 7.11.23

No. of Participants- 200

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- Introduce the history and significance of terracotta.
- Provide hands-on experience in terracotta techniques.
- Foster creativity and artistic expression.
- Facilitate networking and collaboration.

Outcomes:

- Enhanced understanding of terracotta's cultural importance.
- Development of practical terracotta skills.
- Increased creativity and expression through artwork.
- Networking opportunities within the artistic community.

Overview of the Programme:

The Terracotta Workshop coordinated by Dr. Dolly Mogra was held on November 6th and 7th, 2023, with a total of 200 participants in attendance. The workshop aimed to introduce participants to the art and techniques of working with terracotta.

Throughout the two-day event, participants engaged in hands-on activities guided by experienced instructors, learning various methods of shaping, molding, and decorating terracotta creations. Dr. Dolly Mogra, along with her team of facilitators, provided Mr. Ghasiram comprehensive demonstrations and personalized assistance to ensure a fulfilling learning experience for all attendees.

The workshop covered fundamental techniques such as coil building, slab construction, and wheel throwing, allowing participants to explore their creativity and experiment with different forms and designs. Additionally, sessions on surface decoration techniques including carving,

painting, and glazing provided participants with a well-rounded understanding of terracotta artistry.

Interactive discussions and presentations by guest speakers further enriched the workshop, offering insights into the historical significance and contemporary applications of terracotta in art and architecture. Participants were encouraged to exchange ideas, share their experiences, and seek inspiration from one another, fostering a collaborative and supportive learning environment.

Overall, the Terracotta Workshop led by Dr. Dolly Mogra and her team was a resounding success, providing participants with valuable skills, knowledge, and inspiration to further explore the versatile medium of terracotta in their artistic pursuits. The event received positive feedback from participants, highlighting its effectiveness in promoting creativity, craftsmanship, and cultural appreciation within the community.

Programme Title: “Phad Painting”

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators: Dr. Meenaxi Mishra

Date: 26-27.10.23

No. of Participants-45

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- Introduce students to the traditional art form of Phad painting, originating from Rajasthan, to promote cultural awareness and appreciation.
- To promote innovations and creativity.
- To raise the potentiality of the students.
- To encourage and build confidence among the new students.
- To provide an platform to showcase their talent

Outcomes:

- Students acquire and improve their painting techniques, gaining proficiency in the intricate details of Phad painting.
- Increase their cultural awareness towards Phad Painting.
- Increase in the Self confidence of the students.
- Talents and skills of the students have been Identified

Overview of the Programme:

The workshop on Phad Painting, organized by Dr. Dolly Mogra and Dr. Meenaxi Mishra, took place on 26-27 October 2023. The event aimed to introduce participants to the traditional art form of Phad Painting, originating from Rajasthan, India.

Day 1:

Dr. Dolly Mogra provided an overview of the history and cultural significance of Phad Painting.

Dr. Meenaxi Mishra demonstrated the traditional techniques and materials used in Phad Painting, including the use of natural pigments and cloth canvas.

Participants were guided through the initial stages of creating their own Phad Paintings, learning basic strokes and patterns.

Day 2:

Dr. Meenaxi Mishra led a session on advanced techniques in Phad Painting, including intricate detailing and color mixing.

Participants continued working on their own Phad Paintings, with guidance and feedback from the coordinators.

A mini-exhibition was organized where participants displayed their finished Phad Paintings, followed by a discussion on the experience and challenges faced during the workshop.

The workshop fostered appreciation for traditional art forms and encouraged participants to continue exploring and preserving such cultural heritage.

The workshop on Phad Painting was a resounding success, thanks to the efforts of Dr. Dolly Mogra, Dr. Meenaxi Mishra, and the enthusiastic participation of 45 attendees. It not only provided valuable insights into a traditional art form but also served as a platform for cultural exchange and artistic expression.

Traditional Wall Hanging (Birds)

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators:

Date: 13.2.2024 – 16.2.2024

No. of Participants-15

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To teach participants traditional techniques for creating wall hangings featuring bird motifs.
- To enhance skills in textile art and craft.
- To foster appreciation for traditional craft and design methods.

Outcomes:

- The students were able to try their creativity in making traditional wall hanging.
- They learned the technique and art of creating wall hangings.

Overview of the programme:

The "Traditional Wall Hanging (Birds)" programme, coordinated by Dr. Dolly Mogra from February 13 to February 16, 2024, engaged 15 participants in crafting traditional wall hangings. The workshop focused on techniques for designing and creating wall hangings with bird motifs, emphasizing traditional methods and craftsmanship. Participants received step-by-step instruction, including guidance on materials, patterns, and execution. The event concluded with an exhibition of the participants' work, showcasing their creativity and newly acquired skills. The programme successfully blended traditional art with practical learning, allowing participants to create unique decorative pieces and gain deeper insight into textile arts.

Report of the International Conference on
"Minerals, Mining and Metallurgy in South Asia: Historical Perspectives",
dated 11-12 January, 2024

The International Conference on "Minerals, Mining and Metallurgy in South Asia: Historical Perspectives" was organised on 11 - 12 January 2024 by the Department of History, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur at the Golden Jubilee Guest House of MLSU. The proposal of the conference was submitted to ICSSR on 27 September 2023. Rajasthan States Mines and Minerals Limited, Wonder Cement, and Hindustan Zinc Limited agreed to help in the conference. The conference brochure and invitation was sent to many Universities of India and abroad. About 71 abstracts were received and 50 of them were taken for presentation in the conference. There were about 40 physical participants and the rest of the papers were discussed online.

The inaugural session began at 10:30 AM on 11 January 2024 at the Conference Hall, Guest house. On the dais were Chief Guest: Lieutenant General Anil Kapoor AVSM, VSM Retired, Keynote Speaker: Padmashri Professor Sharada Srinivasan (Professor, School of Humanities, National Institute of Advanced Studies, Indian Institute of Science Campus, Bangalore; International Honorary Member, American Academy of Arts and Sciences; Member, Advisory Board, Exeter University; Hon. Exeter University Fellow; Member, Advisory Board, Institute of Archaeometallurgical Studies, London; Dr. Kalpana Chawla Woman Scientist Awardee; Padmashri Awardee in Archaeology.), Guest Speaker: Dr. Shri Krishna Jugnu, Guest of Honour: Prof. Chulani Rambukwella from Sri Lanka (Chair Professor of Archaeology, Department of Archaeology, University of Peradeniya, Sri Lanka) Professor Sunita Mishra, HVC, MLSU, Prof. Pratibha, HOD and Dr. Peeyush Bhadviya, Conference Convener. In the audience were distinguished guests, participants, and students of History Department.

After all technical sessions, Valedictory session was conducted from 5:15 pm to 6: 30 pm. It was chaired by Prof. Pooranmal Yadav, Faculty Chairman, Social Sciences, MLSU, Chief Guest was Brig. Sandeep Kumar, VSM, Valedictory Address was given by Prof. Jeevan Singh Kharakwal from Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth, Prof. Pratibha, HOD, History, MLSU and Dr. Peeyush Bhadviya was also on dais.

Participants from Foreign Nations: Dr. Naira Mrktchyan from **Armenia** (Diplomat, T.V. Anchor, Writer, Orientalist, Lecturer, Northern University, Yerevan, Republic of

14/01/2024

HEAD
Department of History
Mohanlal Sukhadia Univ

Armenia.), Prof. Poonam R.L. Rana from **Nepal** (Associate Professor, Nepalese History Culture & Archaeology, Tribhuvan University, Nepal), Prof. Chulani Rambukwella (Chair Professor of Archaeology, Department of Archaeology, University of Peradeniya, Sri Lanka), Upeksha Gamage (Senior Lecturer, Department of History and Archaeology, University of Ruhuna, Sri Lanka.), Dr. Sonali Dasnayke (Lecturer, Department of History and Archaeology, University of Ruhuna, Sri Lanka.), Dr. R.M.N.P.K. Jayasinghe (Gem and Jewellery Research and Training Institute, Welivita, Kaduwela & Postgraduate Institute of Science, University of Peradeniya, Peradeniya, Sri Lanka) from **Sri Lanka ;** Online Participants : Prof. Som Prasad (Professor, Central Department of Nepalese History, Culture and Archaeology Tribhuvan University, Nepal) from **Nepal**, Alkesh Zaveri from **U.S.A.,** Githa U.B. from **Sweden.**

Participants from India **1 JAMMU:** Dr. Anita Gupta (Assistant Professor, Department of History, Central University, Jammu, JKUT, India.), Dr. Tirthraj Bhoi (Assistant Professor, Department of History, Faculty of Social Sciences, University of Jammu, Jammu, JKUT, India.) **2 UTTAR PRADESH:** Dr. D.P. Sharma (B.H.U., Varanasi, Uttar Pradesh, India.), Dr. Madhuri Sharma (B.H.U., Varanasi, Uttar Pradesh, India.), Dr. Ravindra Kumar (Assistant Professor, Department of Ancient History, Culture and Archaeology, University of Allahabad, Prayagraj, Uttar Pradesh, India.) **3 UTTARAKHAND:** Prof. Yogambar Singh Farswan (Professor in Environmental Archaeology, Department of History, Ancient Indian History, Culture and Archaeology, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University), Srinagar Garhwal, Uttarakhand, India), Dilshad Fatima (Ph.D. Research Scholar, University of Allahabad, Prayagraj, Uttar Pradesh, India.) **4 HARYANA**: Prof. Bhagat Singh (Professor, Department of Ancient Indian History, Culture & Archaeology, Kurukshetra University, Kurukshetra, Haryana, India.), Prof. Rajpal Singh (Professor, Department of Ancient Indian History, Culture & Archaeology, Kurukshetra University, Kurukshetra, Haryana, India.) and Ms. Monu (Ph.D. Research Scholar, Department of Ancient Indian History, Culture & Archaeology, Kurukshetra University, Kurukshetra, Haryana, India.) **5 DELHI:** Dr. Rimjhim Sharma (Assistant Professor, Department of History, PGDAV College, Nehru Nagar, New Delhi, India.), Dr. Vandana Singh (Kalasampada, New Delhi, India), Lt. Gen. Anil Kapoor, AVSM, VSM, Grp. Capt. R.S. Mehta SC (General Secretary, Indus International Research Foundation, New Delhi, India.), Debyani Mukherjee (M.A. Anthropology, IGNOU, Delhi & M.A. Archaeology, Indian Institute of Heritage, Noida, Uttar Pradesh, India.), **6 GUJARAT:** Prof. Arun Vagehla (Professor, Department of History, Gujarat University, Ahmedabad, Gujarat, India.), Dr. Nandan Shastri (Freelance Museologist-cum-Geologist, Gujarat, India.), Dr. Dinesh Pancholi (Freelance Museologist-cum-Geologist,

Gujarat, India.), Dr. Rita Parikh (Associate Professor, Department of Sanskrit, Mr. and Mrs. P.K. Kotwala Arts College, Patan, Gujarat, India.), Dr. Meena Agrawal (Assistant Professor, History Department, Mr. and Mrs. P.K. Kotwala Arts College, Patan, Gujarat, India.), Dr. Bhangraj Choudhary (Assistant Professor, History Department, Arts College, Deesa, Gujarat, India.) **7 MAHARASHTRA:** Prof. Madhu Kelkar (Professor, Department of Foundation Course, HR College of Commerce and Economics, Churchgate, Mumbai, Maharashtra, India), Dr. Nandita Moitra (Assistant Professor, Guru Nanak College of Arts, Science and Commerce, Guru Tegh Bahadur Nagar, Sion, Mumbai, Maharashtra, India.), Dr. Madhumita Bandopadhyay (Smt. P.N. Doshi Women's College, Ghatkopar, Mumbai, Maharashtra, India), Dr. Shaikh Musak Rajjak (Associate Professor & Head, Department of History, Maulana Azad College of Arts, Science & Commerce, Aurangabad, Maharashtra, India), Dr. Kazi Yasmin Papamiya (Faculty Member, Department of History, Maulana Azad College of Arts, Science & Commerce, Aurangabad, Maharashtra, India), Dr. Balaji Chirade (Associate Professor, Department of History, Central University, Warda, Maharashtra, India) **8 GOA:** Prof. Louisa Rodrigues **9 KARNATAKA:** Padmashri Prof. Sharada Srinivasan (Professor, School of Humanities, National Institute of Advanced Studies, Indian Institute of Science Campus, Bangalore; International Honorary Member, American Academy of Arts and Sciences; Member, Advisory Board, Exeter University; Hon. Exeter University Fellow; Member, Advisory Board, Institute of Archaeometallurgical Studies, London; Dr. Kalpana Chawla Woman Scientist Awardee; Padmashri Awardee in Archaeology.), Brigradier Sandeep Kumar VSM (President Indus International Research Foundation New Delhi, India), Lt. Gen. C.A. Krishnan PVSM, UYSM, AVSM (online) **10** KERALA: Ahira Chandra Babu (Ph.D. Research Scholar, Department of Sanskrit Sahitya, Sree Sankaracharya University of Sanskrit, Kalady, Kerala, India.) (online) **11** TAMIL NADU: Dr. S. Vasanthi (Deputy Superintending Archaeologist (retd.)), Dr. Rajesh (Assistant Professor, Kongunadu Arts and Science College, Coimbatore, Tamil Nadu, India.) and Dr. Rajalakshmi (Assistant Professor, Department of Tamil, Kongunadu Arts and Science College, Coimbatore, Tamil Nadu, India.) **12 RAJASTHAN:** Dr. Hansmukh Seth (Associate Curator, The City Palace Museum, Udaipur, Rajasthan, India.), Dr. Arvind Kumar (Geological Survey of India, Field Training Centre, Zawar, Udaipur, Rajasthan, India), Dr. Shrikrishna Jugnu (Renowned historian, Udaipur, Rajasthan, India.), Dr. A.K. Grover (Dy. D.G. (Retired), Geological Survey of India) (online) Dr. P.R. Golani (Formerly Director, Training Institute, Geological Survey of India, Zawar Centre, Udaipur, Rajasthan, India.) (online), Dr. Suman Rathore (Associate Professor

Government College, Khairwada, Udaipur, Rajasthan, India.), Mangilal Mahawar (Assistant Professor Government Post Graduate College, Dausa, Rajasthan, India.), Mohit Shankar Sisodia (Ph.D. Research Scholar, Department of History, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, Rajasthan, India.), Kriti Kataria (Ph.D. Research Scholar, Department of History, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, Rajasthan, India.), Suresh Kumar (Ph.D. Research Scholar, Department of History, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, Rajasthan, India.)

The following sessions were conducted

Day 1st: 11.01.2024

Plenary Session – 1: Conference Hall

Time: 01 P.M. to 02:50 P.M.

Session Chair: Prof. Louiza Rodrigues

1	Archaeometallurgy of Copper Hoard in India	Dr. D.P. Sharma
2	Mineral Resources of Sri Lanka : An Archaeological and Historical Review	Prof. Chulani Rambukwella
3	Silver Mines from the 4th millennium BCE : A Global Perspective	Dr. Nandan Shastri
4	The Mineral Kingdom (Focus on Jewellery) & its Symbolic Values in Nepal	Dr. Poonam R.L. Rana

Tea

Parallel Technical Session - 1: Conference Hall

Time 3 P.M. to 04:30 P.M.

Session Chair: Prof. Arun Vaghela & Dr. Nandita Moitra

1	Copper Workings and Ritual Artefacts in the Chotanagpur Region: A Survey of Typological Variations	Dr. Rimjhim Sharma
2	Historical Significance Conveyed by Coins	Dr. A. Rajalakshmi
3	The Metal Objects Revealed from Archaeological Excavations in Tamil Nadu and their Historical Significances	Dr. S. Vasanthi
4	प्राचीन भारत में धातुकर्म विरासत	डॉ. शीतल ए. अग्रवाल
5	Archaeometallurgy of Buddhist Metal Images of Central India	Dr. Madhuri Sharma

Tea

Parallel Technical Session - 2: Meeting Hall

Time: 3 P.M. to 04:30 P.M.

Session Chair: Dr. Nandan Shastri & Dr. Shaikh Musak Rajjak

1	आयुर्वेद में धातुओं और खनिजों का उपयोग (चरक संहिता के संदर्भ में)	डॉ. रीटा एच. पारेख
2	Foreign Travelogues as Source of Indian Gemmological Knowledge System	Dr. Kazi Yasmin Papamiya
3	Sands at Risk: Analyzing Consequences and Paving the Way for Sustainability	Kriti Kataria
4	Harappan Metals and its Sound Beauty	Dilshad Fatima
5	Mines and Metallurgy during Mauryan Period	Debyani Mukherjee

Tea

Plenary Session – 2: Conference Hall

Time: 04:45 P.M. to 06:45 P.M.

Session Chair: Prof. Yogambar Singh Farswan

1	New insights into the metallurgy of Rajghat Iron (600-400 BCE) from the Middle Ganga plains of India	Dr. Vandana Singh
2	Exploring the Indian Knowledge System: Advanced Metallurgy and Copper Extraction Techniques in the Himalayas	Dr. Amita Gupta
3	Rituals and Traditions : The Spiritual Dimensions of Gem Mining Practices in Sri Lanka	Dr. Sonali Dasanayake & Dr. Upeksha Gamage
4	Sedimentology and Geochemistry of Kalu River Gem-bearing Sediments in Sri Lanka: Implication for Provenance and Paleoclimate	R.M.N.P.K. Jayasinghe
5	Documentation Issues of Objects, Ornaments, Tools, Weapons During Maratha Period	Dr. Balaji Chirade
6	Belt and Road Initiative : A Quest for Mineral and Energy in South Asia	Gp. Captain (Retd.) R.S. Mehta

Dinner

Day 2nd: 12.01.2024

Breakfast

Online Parallel Technical Session - A: Conference Hall

Time: 9 A.M. to 10:45 A.M.

Session Chair: Gp. Captain (Retd.) R.S. Mehta, SC & Dr. Naira Mkrtchyan

1	Archaeological Heritage and its management in Eastern Nepal	Prof. Som Prasad Khatiwada
2	Ancient Gold Mines of Bhukia and Hinglaz Mata-Bharkundi Prospects in South Rajasthan and their Probable Antiquity	Dr. Ashok Kumar Grover
3	Ancient and Medieval Mining and Metallurgy and its Significance in the History of Rajasthan	Dr. P.R. Golani
4		Lt. Gen. C.A. Krishnan
5	Unveiling Karnataka's Golden Past: Ancient Mining Technologies	Dr. Harihara Sreenivasa Rao

Online Parallel Technical Session - B: Meeting Hall

Time: 9 A.M. to 10:45 A.M.

Session Chair: Prof. Madhu Kelkar & Dr. Balaji Chirade

1	Use of Iron in Jammu and Kashmir : An Ethnographic Study of Megalithic Sites	Dr. Tirthraj Bhoi
2	Diseases and Miners: Coal Mines of Raniganj and Jharia in the Late Colonial Period	Dr. Sandip Chatterjee
3	जयपुर के कच्छवाहा राजवंश के सैन्य हथियार और धातुकर्म	डॉ. सुमन राठौड़ एवं मांगीलाल महावर
4	A Study of Indigenous Brass Metal Handicraft & Industry of Hajo, Assam	Dimpy Talukdar
5	Sculptures as Repertoire of Mineral Resources : With special Reference to Abaneri, Rajasthan	Deepika Ravjani
6	Gemstones and Cultural Exchange : Indian Gemstone Trade Along the Maritime Silk Road	Pallavi Mohanan
7	Unmasking the Veil of Gender : Women in Underground Mines	Apeksha Gandotra
8	Mercury in Rasaratnasamuccaya : Retrieving Lost Traditions	Athira Chandrababu
9	Mines, Minerals and Colonial Institutions in India : Some Observations on the Asiatic Society of Bengal and Geological Survey c. 1780s–1880s	Himadri Mukherjee

10	*Pañcaloha* : A Metallurgical Analysis of a Five-Metal Alloy from the *Tantrasamuccaya*	Devahar V.

Plenary Session – 3: Conference Hall

Time: 11 A.M. to 1 P.M.

Session Chair: Dr. D.P. Sharma

1	An Overview of the History of Metallurgy in the Indian Subcontinent	Prof. Yogambar Singh Farswan
2	Coalescing Development: Coal Trade and Technology in British India with special reference to Bombay Presidency (1774-1947)	Prof. Madhu Kelkar
3	Metal and Metallurgy in Painted Grey Ware Phase (With Special Refrence to Satluj Yamuna Divide)	Monu & Dr. Bhagat Singh
4	Agate Industry in Cambay: A Historical Perspective and Present Context	Prof. Arun Vaghela
5	A Comparative Study Between Ancient and Modern Pyrometallurgical Techniques Related to Extraction of Zinc from Sphalerite-rich Ores: A Global Perspective	Dr. Arvind Kumar

Lunch

Plenary Session – 4: Conference Hall

Time: 2 P.M. to 3:30 P.M.

Session Chair: Prof. Bhagat Singh

1	A Study of Harappan Metal Kilns in the Eastern Domain with Special Reference to Haryana	Neelam Sharma & Prof. Rajpal Singh
2	An Insight into the Intriguing Journey of Diamonds in India from Past to Present	Dr. Nandita Moitra
3	Iron Foundry at Poonassa: Debates, Deliberations and Outcomes	Dr. Madhumita Bandyopadhyay
4	Thakkar Pheru: A Shrimal Jain Expert on Gemology, Numismatics & Metallurgy in Medieval India	Dr. Shaikh Musak Rajjak
5	Metallurgy in Ancient Armenia : Export of Metallic Items to Eastern and Western Countries	Dr. Naira Mkrtchyan

Tea

Plenary Session – 5: Conference Hall

Time: 3:45 P.M. to 4:45 P.M.

Session Chair: Prof. Rajpal Singh

1	Traditional Practices of the use of Minerals and Metals in Ayurvedic Medicines, with Special Reference to the Pre-medieval Period	Dr. Ravindra Kumar
2	Ancient Metal Coin Minting Techniques in Ancient Sri Lanka: Metals, Methods, and Administrative Insights	Dr. Upeksha Gamage & Dr. Sonali Dasanayake
3	Mines and Minerals in South Rajasthan	Dr. Hansmukh Seth
4	Mineral Resources of Southern Rajasthan, An Attraction to Ancient Civilization Settlements (Evidenced by Presence of Ancient Mining Activity Along Archaean Proterozoic Boundary)	Diksha Pande, N.K. Chauhan, Abhay S. Dashora, Kavita Bharadwaj

Tea

Photos

Minerals, Mining and Metallurgy in South Asia: Historical Perspectives
Department of History
Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, India

INTERNATIONAL CONFERENCE
Department of History
Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, India

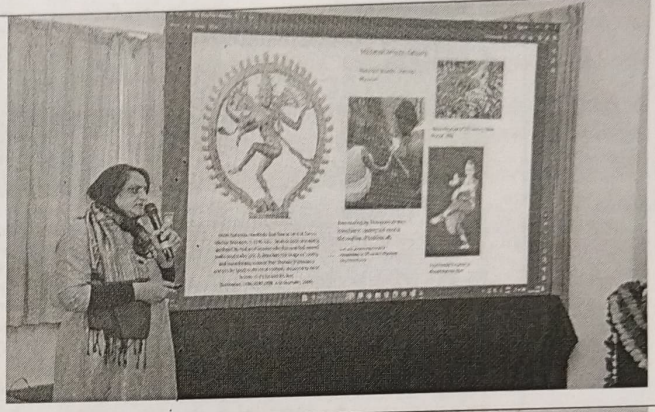

Minerals, Mining and Metallurgy in South Asia: Historical Perspectives
Department of History
Mohanlal Sukhadia University, Udaipur, India

Newspapers

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का पोस्टर विमोचन

उदयपुर। सुविवि के इतिहास विभाग द्वारा 11 एवं 12 जनवरी को मिनरल्स, माइनिंग एंड मेटालर्जी इन साउथ एशिया- हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर का विमोचन कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने किया। संगोष्ठी समन्वयक डॉ पीयूष भादविया ने बताया कि इसमें विशिष्ट व्याख्यान सहित करीब 60 शोधपत्रों की प्रस्तुति होगी। देश-विदेश से 60 प्रतिभागी उदयपुर आ रहे हैं। आने वाले विद्वानों में अर्मेनिया, नेपाल एवं श्रीलंका के प्रोफेसर शामिल हैं। भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि उदयपुर में होंगे। मुख्य रूप से पद्मश्री प्रो. शारदा श्रीनिवासन, प्रो. चुलानी रामबुकवाला, प्रो. पूनम राणा, प्रो. योगंबर सिंह, प्रो. भगतसिंह, प्रो. प्रोजीत कुमार पलीत, प्रो. अंबिका ढाका, प्रो. देवप्रकाश शर्मा, प्रो लुईसा रोड्रिग्स, प्रो. वीनस जैन, प्रो. जीवन खरकवाल, डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, डॉ. नाइरा मार्कच्यान आदि संगोष्ठी के विषय पर प्रकाश डालेंगे।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर का विमोचन

उदयपुर. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की ओर से इतिहास विभाग की 11 एवं 12 जनवरी को मिनरल्स, माइनिंग एंड मेटलर्जी इन साउथ एशिया: हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी होगी।

शनिवार को इसके पोस्टर का विमोचन कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने किया। सामाजिक विज्ञान संकाय अध्यक्ष प्रो. पूरणमल यादव, इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा, डॉ पीयूष भादविया, डॉ विनीत सोनी, राकेश जैन उपस्थित थे। संगोष्ठी समन्वयक डॉ पीयूष भादविया, सहायक आचार्य ने बताया की विशिष्ट व्याख्यान सहित करीब 60 शोधपत्रों की प्रस्तुति होगी। इसमें अर्मेनिया, नेपाल एवं श्रीलंका के प्रोफेसर शामिल होंगे। भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि उदयपुर आएंगे। मुख्य रूप से पद्मश्री प्रो. शारदा श्रीनिवासन, प्रो. चुलानी रामबुकवाला, प्रो. पूनम राणा, प्रो. योगंबर सिंह, प्रो. भगतसिंह, प्रो. प्रोजीत कुमार पलीत, प्रो. अंबिका ढाका, प्रो. देवप्रकाश शर्मा आदि संगोष्ठी में शामिल होंगे।

दैनिक भास्कर

उदयपुर 12-01-2024

दैनिक भास्कर

उदयपुर

संगोष्ठी • माइनिंग एंड मेटलर्जी इन साउथ एशिया पर दो दिवसीय आयोजन शुरू, विशेष सत्र में बोले वक्ता

दक्षिण राजस्थान में धातुओं की कई खानें, इसलिए आक्रमणकारियों के लिए हमेशा रण बना रहा मेवाड़

सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

दक्षिण राजस्थान एशिया महाद्वीप में समृद्धि का सूचक रहा है। संसार के व्यापारियों और धातुविदों की पैनी नजर इस क्षेत्र के जावर, दरीबा, आगूचा जैसी खानों पर रही और हजार वर्ष पहले भी कर्नाटक, गुजरात, पंजाब, सिंध आदि के व्यापारी मेवाड़ आकर बसे, जो राजकीय संरक्षण में धातुओं का व्यापार कर संसार की औद्योगिक और सामाजिक प्रगति के सूत्रधार बने।

यह विचार सुविवि में मिनरल्स, माइनिंग एंड मेटलर्जी इन साउथ एशिया पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने रखे। हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स विषय पर आयोजित संगोष्ठी के पहले दिन गुरुवार को पद्मश्री प्रसिद्ध धात्विक इतिहासकार प्रो. शारदा श्रीनिवासन ने कहा कि धातु केवल धन ही नहीं, मानवीय संस्कृति के उन्नति का बोधक भी है। धातु हमारे अलंकरण, मूर्ति, द्वार आदि के लिए उपयोगी रहे और भारत में हर युग में धातु का महत्व रहा है। इतिहास, हमारे व्यापार और संबंधों को भी यदि परिभाषित करता है तो उसके मूल के धातु और धन ही हैं। मेवाड़ की धरती इसका पर्याय है। विशिष्ट वक्ता श्रीलंका की प्रो. चुलानी रामबुकवेला ने कहा कि राजस्थान की खनिज सम्पदा पर संसार की नजर रहती है। यह धातु की धरती है। लंका, कर्नाटक आदि के अभिलेखीय प्रमाण धातु और संबंधों को समझने के लिए बड़े उपयोगी हैं।

मेवाड़ के प्रसिद्ध इतिहास और संस्कृतिविद् डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू ने मेवाड़ को धात्विक खनिज सम्पदा की भूमि बताया और दरी, दरीबा, जावर, आगूचा, भूखिया आदि में प्राचीन काल से ही हो रही खनन गतिविधियों को इतिहास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि धात्विक समृद्धि के कारण ही मेवाड़ ढाई हजार वर्षों तक आक्रमणकारियों के लिए रण बना रहा।

धातु की उपलब्धि और समृद्धि, देशों की उन्नति को परिभाषित करती

मुख्य अतिथि ले. जनरल अनिल कपूर ने कहा कि धातु की उपलब्धि और समृद्धि, देशों की उन्नति को परिभाषित करती है, कोहिनूर एक उदाहरण है। खानें हमें समृद्ध बनाने वाली रही हैं। यह विषय हमें नई पीढ़ियों को पढ़ाने चाहिए, क्योंकि यह आत्मनिर्भरता के सुन्दर उपाय हैं। सुविवि कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने कहा कि धातु और उसकी धारणा को हम कोई कभी नहीं भूल सकते, क्योंकि ये हमारे दैनिक जीवन से जुड़े हुए हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा ने देश-विदेश से आने वाले शोधार्थियों, अध्येताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन दीपांशी धाकड़ व सुचिता हिरण ने किया। डॉ. भादविया द्वारा संपादित एनीमल्स इन साउथ एशियन हिस्ट्री और भारतीय इतिहास में पशु-पक्षी तथा संगोष्ठी की स्मारिका विमोचन किया गया। इस संगोष्ठी में आर्मेनिया की डॉ. नानरा मकर्चयन, नेपाल की प्रो. पूनम आर.एल. राणा, श्रीलंका से डॉ. सोनाली दसनायके, डॉ. दसनायके, डॉ. उपेक्षा गमांग, प्रो. चुलानी रामबुकवेला, नलिन जयसिंहे सहित भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

पत्रिका

कचरा इधर-उधर फेंका रहती है।

बाजारों में वाहनों पार्किंग में ही खड़े करवाए जाएं। शहर का जनसंख्या के आधार पर किया जाए।

#MLSUniversity सुविवि में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

मेवाड़ की खनिज सम्पदा समृद्धि की पर्याय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर . दक्षिण राजस्थान संपूर्ण एशिया में समृद्धि का सूचक रहा है। संसार के व्यापारियों एवं धातुविदों की दृष्टि इस क्षेत्र के जावर, दरीबा, आगूचा आदि खानों पर रही और हजार वर्ष पहले भी कर्नाटक, गुजरात, पंजाब, सिंध आदि के व्यापारी मेवाड़ आकर बसे, जो राजकीय संरक्षण में धातुओं का व्यापार कर संसार की औद्योगिक और सामाजिक प्रगति में सूत्रधार बने। यह विचार गुरुवार को सुखाड़िया विश्वविद्यालय में शुरू हुई 'मिनरल्स, माइनिंग एंड मेटेलर्जी इन साउथ एशिया हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में देश-विदेश से आए विद्वानों ने व्यक्त किए। मुख्य अतिथि ले. जनरल अनिल कपूर ने कहा कि धातु की उपलब्धि और समृद्धि देशों की उन्नति को परिभाषित करती है, कोहिनूर एक उदाहरण है। अध्यक्षता कर रही कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा ने कहा कि धातु और उसकी धारणा को हम कोई कभी नहीं भूल सकते, क्योंकि ये हमारे दैनिक जीवन से जुड़े हुए हैं। उद्घाटन सत्र में पद्मश्री से अलंकृत धात्विक इतिहासकार प्रो. शारदा श्रीनिवासन ने कहा कि धातु केवल धन ही नहीं, मानवीय संस्कृति के उन्नति के द्योतक भी हैं। विशिष्ट वक्ता श्रीलंका की प्रो. चुलानी रामबुकवेला ने कहा कि राजस्थान की खनिज सम्पदा पर संसार की नजर रहती है। यह धातु की धरती है। इतिहासकार डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू' ने मेवाड़ की धात्विक खनिज सम्पदा की भूमि बताया। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा ने संगोष्ठी की उपयोगिता बताई। संचालन दीपाक्षी धाकड़ एवं सुचित्रा हिरण ने किया। उद्घाटन पर डॉ. पीयूष भादविया द्वारा संपादित एनिमल्स इन साउथ एशियन हिस्ट्री और भारतीय इतिहास में पशु-पक्षी तथा संगोष्ठी की स्मारिका विमोचन अतिथियों ने किया। संगोष्ठी में अर्मेनिया की डॉ. नायरा मर्कचयन, नेपाल की प्रो. पूनम आरएल राणा, श्रीलंका से डॉ. सोनाली दसनायके, डॉ. दसनायके, डॉ. उपेक्षा गमांग, प्रो. चुलानी रामबुकवेला, नलिन जयसिंह सहित भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि शामिल हुए।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में स्मारिका विमोचन करते अतिथि।

12/01/2024 | Udaipur City | Page : 6
Source : https://epaper.patrika.com/

उदयपुर, सोमवार 15 जनवरी 2024 6

बाजार / समाचार

मेवाड़ की खनिज संपदा समृद्धि की पर्याय

उदयपुर। खनिज संसाधन, खदान और धात्विकी के आर्थिक एवं वैज्ञानिक महत्व पर यहां सुखाड़िया विश्व विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें वक्ताओं का मत था कि दक्षिण राजस्थान अपनी खानों के कारण संपूर्ण एशिया में समृद्धि का सूचक रहा है। संसार के व्यापारियों एवं धातुविदों की दृष्टि इस क्षेत्र के जावर, दरीबा, आगूचा आदि खानों पर रही और हजार वर्ष पहले भी कर्नाटक, गुजरात, पंजाब, सिंध आदि के व्यापारी मेवाड़ आकर बसे, जो राजकीय संरक्षण में धातुओं का व्यापार कर संसार की औद्योगिक और सामाजिक प्रगति में सूत्रधार बने।

इस संगोष्ठी के प्रायोजक आईसीएसएसआर, आरएसएमएमएल, बंदर सीमेन्ट एवं हिन्दुस्तान जिंक थे। उद्घाटन सत्र में पद्मश्री से अलंकृत प्रसिद्ध धात्विक इतिहासकार प्रो. शारदा श्रीनिवासन ने कहा कि धातु केवल धन ही नहीं, मानवीय संस्कृति के उन्नति के द्योतक भी है। धातु हमारे अलंकरण, मूर्ति, द्वार आदि के लिए उपयोगी रहे और भारत में हर युग में धातु का महत्व रहा। इतिहास, हमारे व्यापार और संबंधों को भी यदि परिभाषित करता है, तो उसके मूल के धातु और धन ही है। मेवाड़ की धरती इसका पर्याय है।

प्रारम्भ में संगोष्ठी समन्वयक डॉ. पीयूष भादविया, (सहायक आचार्य, इतिहास विभाग) ने खनिज, धातु और धातु शोधक तकनीक विषय पर संगोष्ठी की उपयोगिता बताई। इतिहासकार डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू' ने मेवाड़ की धात्विक खनिज सम्पदा की भूमि बताया और दरी, दरीबा, जावर, आगूचा, भुखिया (बांसवाड़ा) आदि में प्राचीन काल से ही हो रही खनन गतिविधियों को इतिहास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि धात्विक समृद्धि के कारण ही मेवाड़ ढाई हजार वर्षों तक आक्रमणकारियों के लिए रण बना रहा। इस क्षेत्र के चर्चे बसरा के सौदागर 8 वीं सदी में कर रहे थे।

विशिष्ट वक्ता श्रीलंका की प्रो. चुलानी रामबुकवेला ने कहा कि राजस्थान की खनिज सम्पदा पर संसार भर की नजर रहती है। यह धातु की धरती है। लंका, कर्नाटक आदि के अभिलेखीय प्रमाण धातु और सम्बन्धों को समझने के लिये बड़े उपयोगी हैं।

मुख्य अतिथि ले. जनरल अनिल कपूर ने कहा कि धातु की उपलब्धि और समृद्धि, देशों की उन्नति को परिभाषित करती है, कोहिनूर एक उदाहरण है। खाने हमें समृद्ध बनाने वाली रही है। यह विषय हमें नई सीढ़ियों को पढ़ाने चाहिए, क्योंकि यह आत्मनिर्भरता के सुन्दर उपाय है।

अध्यक्षता कर रही सुविधि की कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा ने कहा कि धातु और उसकी धारणा को हम कोई कभी नहीं भूल सकते, क्योंकि ये हमारे दैनिक जीवन से जुड़े हुए है। धातु से किसी को अलगाव अच्छा नहीं लगता है। मेवाड़, धातु के मूल्य को समझता है और इसी दृष्टि से इस संगोष्ठी का महत्व है। इसकी चर्चा और महत्व आने वाला समय सिद्ध करेगा।

संगोष्ठी की उपयोगिता को विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा ने प्रतिपादित की और देश-विदेश से आने वाले शोधार्थियों, अध्येताओं का स्वागत किया। डॉ. जीवन सिंह खरकवाल ने भारत में उपलब्ध खदानों और खनिजों का सुंदर विवरण दिया और कहा की 24 कैरेट की मान्यता सिंधु घाटी ने संसार को दी है। इस अवसर पर डॉ. पीयूष भादविया द्वारा संपादित 'एनिमल्स इन साउथ एशियन हिस्ट्री', 'भारतीय इतिहास में पशु-पक्षी' तथा संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन किया गया।

इस संगोष्ठी में अर्मेनिया की डॉ. नायरा मर्कचयन, काठमांडू (नेपाल) की प्रो. पूनम आर. एल. राणा, श्रीलंका से डॉ. सोनाली दसनायके, डॉ. दसनायके, डॉ. उपेक्षा गमांग, प्रो. चुलानी रामबुकवेला, नलिन जयसिंहे सहित भारत के 14 राज्यों के प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। बाद में इतिहासकारों ने जावर और चित्तौड़गढ़ का भ्रमण भी किया।

–डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू

मेवाड़ की खनिज सम्पदा समृद्धि की पर्याय

धातु, खान और तकनीक का आर्थिक एवं वैज्ञानिक महत्व

सुविवि में खनिज, खदान एवं धात्विकी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

उदयपुर (प्रकाश)। दक्षिण राजस्थान संपूर्ण एशिया में समृद्धि का सूचक रहा है। संसार के व्यापारियों एवं धातुविदों की दृष्टि इस क्षेत्र के जावर, दरीबा, आगुचा आदि खानों पर रही और हजार वर्ष पहले भी कर्नाटक, गुजरात, पंजाब, सिंध आदि के व्यापारी मेवाड़ आकर बसे, जो राजकीय संरक्षण में धातुओं का व्यापार कर संसार की औद्योगिक और सामाजिक प्रगति में सूत्रधार बने।

यह विचार गुरुवार को सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आरम्भ हुई "मिनरल्स, माईनिंग एंड मेटेलर्जी इन साउथ एशिया हिस्टॉरिकल पर्सपेक्टिव्स" विषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश-विदेश से आए विद्वानों ने प्रकट किए। संगोष्ठी के प्रायोजक आईसीएसएसआर, आरएसएमएमएल, वंडर सीमेन्ट एवं हिन्दुस्तान जिंक है।

मुख्य अतिथि ले. जनरल अनिल कपूर ने कहा कि धातु की उपलब्धि और समृद्धि, देशों की उन्नति को परिभाषित करती है, कोहिनूर एक उदाहरण है। खानें हमें समृद्ध बनाने वाली रही है। यह विषय हमें नई पीढ़ियों को पढ़ाने चाहिए, क्योंकि यह आत्मनिर्भरता के सुन्दर उपाय है। अध्यक्षता कर रही सुविवि की कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा ने कहा कि धातु और उसकी धारणा को हम कोई कभी नहीं भूल सकते, क्योंकि वे हमारे दैनिक जीवन से जुड़े हुए है। धातु से किसी को अलगाव अच्छा नहीं लगता है। मेवाड़, धातु के मूल्य को समझता है और इसी दृष्टि से इस संगोष्ठी का महत्व है।

उद्घाटन सत्र में पद्मश्री से अलंकृत प्रसिद्ध धात्विक इतिहासकार प्रो. शारदा श्रीनिवासन ने कहा कि धातु केवल धन ही नहीं, मानवीय संस्कृति के उन्नति के बोधक भी है। धातु हमारे अलंकरण, मूर्ति, द्वार आदि के लिए उपयोगी रहे और भारत में हर युग में धातु का महत्व रहा। इतिहास, हमारे व्यापार और संबंधों को भी यदि परिभाषित करता है, तो उसके मूल के धातु और धन ही है। मेवाड़ की धरती इसका पर्याय है।

प्रारम्भ में संगोष्ठी समन्वयक इतिहास विभाग के सहायक आचार्य,, डॉ. पीयूष भादविया ने खनिज, धातु और धातु शोधक तकनीक विषय पर संगोष्ठी की उपयोगिता बताई। विशिष्ट वक्ता श्रीलंका की प्रो. चुलानी रामबुकवेला ने कहा कि राजस्थान की खनिज सम्पदा पर संसार भर की नजर रहती है। यह धातु की धरती है। लंका, कर्नाटक आदि के अभिलेखीय प्रमाण धातु और संबंधों को समझने के लिये बड़े उपयोगी हैं। इतिहासकार डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू ने मेवाड़ को धात्विक खनिज सम्पदा की भूमि बताया और दरी, दरीबा, जावर, आगूचां, भूखिया आदि में प्राचीन काल से ही हो रही खनन गतिविधियां को इतिहास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि धात्विक समृद्धि के कारण ही मेवाड़ ढाई हजार वर्षों तक आक्रमणकारियों के लिए रण बना रहा।

संगोष्ठी की उपयोगिता को विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा ने प्रतिपादित की और देश-विदेश से आने वाले शोधार्थियों, अध्येताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन दीपांशी धाकड़ एवं सुचिता हिरण ने किया। संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर डॉ. पीयूष भादविया द्वारा संपादित "एनिमल्स इन साउथ एशियन हिस्ट्री" और "भारतीय इतिहास में पशु-पक्षी" तथा संगोष्ठी की स्मारिका विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में अर्मेनिया की डॉ. नायरा मर्कचयन, नेपाल की प्रो. पूनम आर.एल. राणा, श्रीलंका से डॉ. सोनाली दसनायके, डॉ. दसनायके, डॉ. उपेक्षा गमांग, प्रो. चुलानी रामबुकवेला, नलिन जयसिंह सहित भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि शामिल हो रहे है।

मेवाड़ की खनिज सम्पदा समृद्धि की पर्याय

धातु, खान और तकनीक का आर्थिक एवं वैज्ञानिक महत्व, सुविवि में खनिज, खदान एवं धात्विकी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

उदयपुर(सुबह की आवाज)। दक्षिण राजस्थान संपूर्ण एशिया में समृद्धि का सूचक रहा है। संसार के व्यापारियों एवं धातुविदों की दृष्टि इस क्षेत्र के जावर, दरीबा, आगुचा आदि खानों पर रही और हजार वर्ष पहले भी कर्नाटक, गुजरात, पंजाब, सिंध आदि के व्यापारी मेवाड़ आकर बसे, जो राजकीय संरक्षण में धातुओं का व्यापार कर संसार की औद्योगिक और सामाजिक प्रगति में सूत्रधार बने।

यह विचार गुरुवार को सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आरम्भ हुई मिनरल्स, माईनिंग एंड मेटेलर्जी इन साउथ एशिया हिस्टॉरिकल पर्सपेक्टिव्स विषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश-विदेश से आए विद्वानों ने प्रकट किए। संगोष्ठी के प्रायोजक आईसीएसएसआर, आरएसएमएमएल, वंडर सीमेन्ट एवं हिन्दुस्तान जिंक है।

मुख्य अतिथि ले. जनरल अनिल कपूर ने कहा कि धातु की उपलब्धि और समृद्धि, देशों की उन्नति को परिभाषित करती है, कोहिनूर एक उदाहरण है। खानें हमें समृद्ध बनाने वाली रही है। यह विषय हमें नई पीढ़ियों को पढ़ाने चाहिए, क्योंकि यह आत्मनिर्भरता के सुन्दर उपाय है। अध्यक्षता कर रही सुविवि की कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा ने कहा कि धातु और उसकी धारणा को हम कोई कभी नहीं भूल सकते, क्योंकि वे हमारे दैनिक जीवन से जुड़े हुए है। धातु से किसी को अलगाव अच्छा नहीं लगता है। मेवाड़, धातु के मूल्य को समझता है और इसी दृष्टि से इस संगोष्ठी का महत्व है।

उद्घाटन सत्र में पद्मश्री से अलंकृत प्रसिद्ध धात्विक इतिहासकार प्रो. शारदा श्रीनिवासन ने कहा कि धातु केवल धन ही नहीं, मानवीय संस्कृति के उन्नति के बोधक भी है। धातु हमारे अलंकरण, मूर्ति, द्वार आदि के लिए उपयोगी रहे और भारत में हर युग में धातु का महत्व रहा। इतिहास, हमारे व्यापार और संबंधों को भी यदि परिभाषित करता है, तो उसके मूल के धातु और धन ही है। मेवाड़ की धरती इसका पर्याय है। प्रारम्भ में संगोष्ठी समन्वयक इतिहास विभाग के सहायक आचार्य,, डॉ. पीयूष भादविया ने खनिज, धातु और धातु शोधक तकनीक विषय पर संगोष्ठी की उपयोगिता बताई। विशिष्ट वक्ता श्रीलंका की प्रो. चुलानी रामबुकवेला ने कहा कि राजस्थान की खनिज सम्पदा पर संसार भर की नजर रहती है। यह धातु की धरती है। लंका, कर्नाटक आदि के अभिलेखीय प्रमाण धातु और संबंधों को समझने के लिये बड़े उपयोगी हैं। इतिहासकार डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू ने मेवाड़ को धात्विक खनिज सम्पदा की भूमि बताया और दरी, दरीबा, जावर, आगूचां, भूखिया आदि में प्राचीन काल से ही हो रही खनन गतिविधियों को इतिहास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि धात्विक समृद्धि के कारण ही मेवाड़ ढाई हजार वर्षों तक आक्रमणकारियों के लिए रण बना रहा। संगोष्ठी की उपयोगिता को विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा ने प्रतिपादित की और देश-विदेश से आने वाले शोधार्थियों, अध्येताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन दीपांशी धाकड़ एवं सुचिता हिरण ने किया। संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर डॉ. पीयूष भादविया द्वारा संपादित एनिमल्स इन साउथ एशियन हिस्ट्री और भारतीय इतिहास में पशु-पक्षी तथा संगोष्ठी की स्मारिका विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में अर्मेनिया की डॉ. नायरा मर्कचयन, नेपाल की प्रो. पूनम आर.एल. राणा, श्रीलंका से डॉ. सोनाली दसनायके, डॉ. दसनायके, डॉ. उपेक्षा गमांग, प्रो. चुलानी रामबुकवेला, नलिन जयसिंह सहित भारत के 14 राज्यों से प्रतिनिधि शामिल हो रहे है।

दैनिक भास्कर उदयपुर 13-01-2024

सुविवि • अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आखिरी दिन वक्ताओं ने कहा-

धातु देशों को धनी बनाते रहे हैं तो जीवन के संस्कारों व स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी

सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

संगोष्ठी में मौजूद वक्ता।

खनिज, खदान और उनसे जुड़ी प्रौद्योगिकी संसार की समृद्धि के लिए आवश्यक है। धातु यदि देशों को धनी बनाते रहे हैं तो जीवन के संस्कारों और स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। ये विचार सुविवि में हुई दो दिन की मिनरल्स, माइनिंग एंड मेटलर्जी इन साउथ एशिया : हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आखिरी दिन शुक्रवार को वक्ताओं ने व्यक्त किए।

संगोष्ठी में एशिया के अनेक देशों से आए विद्वानों ने अनेक सत्रों में अपने शोधपत्रों को पढ़ा और सिद्ध किया कि धातु, धन और धरती के लिए अनेक लड़ाइयां हुई हैं लेकिन अब मानवता के संरक्षण के लिए खनिज संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर सी संदीप कुमार ने कहा कि हमें इस दौर में अनेक सावधानियां रखने की जरूरत है और हमें उद्यमिता और उद्योग ही नहीं, खनिज, खान आदि के विषय में गंभीर अध्ययन के लिए सोचना होगा। यह समय की आवश्यकता भी है। संगोष्ठी में अमेरिका से नन्दन शास्त्री, आर्मेनिया की डॉ. नायरा मर्कचयन, श्रीलंका से डॉ. सोनाली दसनायके, डॉ. उपेक्षा गमांग, प्रो. चुलानी रामबुक्वेला, नलिन जयसिंहे भी शामिल रहे।

मुख्य वक्ता प्रसिद्ध पुराविद् प्रो. जीवनसिंह खरकवाल ने प्राचीन भारत में खनन कार्य और खनिज संसाधनों की उपलब्धि को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि भारत में धातुओं की प्राप्ति संसारभर को चकित करती है। नेपाल की प्रो. पूनम आरएल राणा ने कहा कि यह संगोष्ठी छात्रों के लिए ही नहीं, विद्वानों के लिए भी बहुत प्रेरक रही है। धातु भारत ही नहीं, नेपाल तक भी जीवन के संस्कारों से जुड़े हुए हैं।

सुविवि के प्रो. पूरणमल यादव ने कहा कि समृद्धि देने वाले धातु स्वास्थ्य के साथक भी हैं। कार्यक्रम की रिपोर्ट संगोष्ठी समन्वयक डॉ. पीयूष भादविया ने प्रस्तुत की। संगोष्ठी में 55 पत्रों का पत्रवाचन किया गया। भारत के 14 राज्यों के प्रतिनिधि और श्रीलंका, आर्मेनिया व नेपाल से प्रतिनिधियों ने भी शोध पत्रों का वाचन किया। इस अवसर पर पद्मश्री प्रो. शारदा श्रीनिवासन, डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, डॉ. राजेन्द्रनाथ पुरोहित आदि मौजूद थे।

दैनिक नवज्योति Udaipur City - 13 Jan 2024 - Page 4

खनिज, खदान संसार की समृद्धि के लिए आवश्यक

सुविवि में खनिज, खदान एवं धात्विकी पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

ब्यूरो नवज्योति/उदयपुर। खनिज, खदान और उनसे जुड़ी प्रौद्योगिकी संसार की समृद्धि के लिए आवश्यक है। धातु यदि देशों को धनी बनाते रहे हैं तो जीवन के संस्कारों और स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। भारतीय चिंतकों ने धातुओं के बहुदृष्टि उपयोग पर विचार किया है। यह विचार यहां सुखाड़िया विश्वविद्यालय में शुक्रवार संपन्न मिनरल्स, माईनिंग एंड मेटलर्जी इन साउथ एशिया: हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उभरे। इस संगोष्ठी में एशिया के अनेक देशों से आए विद्वानों ने शोधपत्रों का वाचन किया। विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर (रि.) सी. संदीप कुमार ने कहा कि हमें उद्यमिता और उद्योग ही नहीं, खनिज, खान आदि के विषय में गंभीर अध्ययन के लिए सोचना होगा। मुख्य वक्ता प्रसिद्ध पुराविद प्रो. जीवनसिंह खरकवाल ने प्राचीन भारत में खनन कार्य और खनिज संसाधनों की उपलब्धि को महत्वपूर्ण बताया। नेपाल की प्रो. पूनम आर. एल. राणा ने कहा कि यह संगोष्ठी छात्रों के लिए ही नहीं, विद्वानों के लिए भी बहुत प्रेरक रही है। अध्यक्षता सुविवि के संकाय अध्यक्ष प्रो. पूरणमल यादव ने की। संगोष्ठी में पद्मश्री प्रो. शारदा श्रीनिवासन, डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, डॉ. राजेन्द्रनाथ पुरोहित, डॉ. डी.पी. शर्मा, प्रो. भगतसिंह, प्रो. राजपाल, प्रो. अरूण बाघेला, प्रो. दिग्विजय भटनागर, विभागाध्यक्ष प्रतिभा, डॉ. वन्दनासिंह डॉ. समीर व्यास, डॉ. हसमुख सेठ, मोहित शंकर सिसोदिया, दिलावरसिंह, सुरेश कुमार, कृति कटारिया, प्रवेश कुमार, उमेश आदि उपस्थित रहे। संचालन निकिता खड़ेलवाल, दीपाक्षी धाकड एवं सुचिता हिरण ने किया। संगोष्ठी समन्वयक डॉ. पीयूष भादविया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

चोरी एवं अन्य अपराधों में कमी आएगी

धातुओं का चिकित्सा में प्रयोग भारत का मानवीय चिंतन

उदयपुर . खनिज, खदान और उनसे जुड़ी प्रौद्योगिकी संसार की समृद्धि के लिए आवश्यक है। धातु यदि देशों को धनी बनाते रहे हैं तो जीवन के संस्कारों और स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। भारतीय चिंतकों ने धातुओं के बहुदृष्टि उपयोग पर विचार किया है। यह बात सुखाड़िया विश्वविद्यालय में 'मिनरल्स, माइनिंग एंड मेटेलर्जी इन साउथ एशिया : हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी मे उभरे। संगोष्ठी में एशिया के अनेक देशों से आए विद्वानों ने शोध पत्रों को पढ़ा और सिद्ध किया कि धातु, धन और धरती के लिए अनेक लड़ाइया हुई हैं, लेकिन अब मानवता के संरक्षण के लिए खनिज संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। संगोष्ठी समन्वयक डॉ. पीयूष भादविया ने बताया कि कुल 55 पत्रों का पत्रवाचन हुआ। भारत के 14 राज्यों के प्रतिनिधि एवं श्रीलंका, आर्मेनिया एवं नेपाल से प्रतिनिधियों ने शोध पत्रों का वाचन किया। विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडीयर (रि.) सी. संदीप कुमार ने कहा कि हमें इस दौर में अनेक सावधानियां रखने की जरूरत है। उद्यमिता और उद्योग ही नहीं, खनिज, खान आदि के विषय में गंभीर अध्ययन के लिए सोचना होगा। मुख्य वक्ता प्रसिद्ध पुराविद प्रो. जीवनसिंह खरकवाल ने प्राचीन भारत में खनन कार्य और खनिज संसाधनों की उपलब्धि को महत्वपूर्ण बताया।

दैनिक भास्कर
चित्तौड़गढ़ भास्कर 14-01-2024

भ्रमण • दुर्ग और जावर माइंस क्षेत्र का भ्रमण कर इतिहास, पुरातत्व पर करेंगे शोध

14 देशों के प्रोफेसर शोध भ्रमण पर चित्तौड़ आए

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

उदयपुर के माणिक्य लाल वर्मा विश्वविद्यालय में मिनरल, माइनिंग मेटल और मेट्रोलॉजी ऑफ साउथ एशिया पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल 14 देशों के प्रतिनिधि शनिवार को यहां पहुंचे। इनमें अधिकांश प्रोफेसर है। सबसे पहले विधायक चंद्रभासिंह आक्या से भेंटकर चित्तौडगढ़ इतिहास की बातें साझा की। उनका इसके बाद दुर्ग भ्रमण कर इतिहास व संस्कृति का अध्ययन करने का प्रोग्राम है।

संस्थान सदस्यों और विधायक आक्या ने उपरना व मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर परस्पर अभिनंदन किया। विधायक ने कहा कि कि गत वर्ष इसी संस्थान की एनिमल्स इन द हिस्ट्री ऑफ साउथ एशिया विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में वे भी शामिल हुए थे। इस बार सदस्यों का चित्तौडगढ़ भ्रमण का निर्णय सराहनीय है। इससे यह भक्ति, शक्ति, त्याग व बलिदान की धरती और अधिक विश्वपटल पर आएगी। भारत का यह सबसे बड़ा किला प्राचीन इतिहास की याद दिलाता है। यहां के शासकों व वीरांगनाओं ने स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया। महाराणा प्रताप, कुंभा, सांगा, रानी पद्मिनी, पन्नाधाय व मीरा की प्रसिद्धि जगजाहिर है। क्षत्राणियों का जौहर मन को झकझोर देता है। रवि विराणी, महेंद्र सिंह, मुकेश मेघवाल आदि ने प्रतिनिधि मंडल का स्वागत किया। गत वर्ष की अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पश्चात संस्थान द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकें भारतीय इतिहास में पशु-पक्षी व एनमिल्स इन साउथ एशियन हिस्ट्री की प्रति विधायक आक्या को भेंट की गईं।

विधायक चंद्रभानसिंह आक्या से मिलकर चित्तौड़गढ़ के इतिहास की ली जानकारी, मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के निदेशक माणिक्य लाल वर्मा विश्वविद्यालय के सह आचार्य डॉ. पीयूष भादविया ने बताया कि सेमिनार में आर्मेनिया, अमेरिका, नेपाल, श्रीलंका व भारत सहित 14 देशों व दक्षिण भारत के प्रतिनिधि शामिल है। जो चित्तौड़ दुर्ग और जावर माइंस क्षेत्र का भ्रमण कर प्राचीन संस्कृति, इतिहास, पुरातत्व संस्कृति आदि पर शोध करेंगे। श्रीलंका से नीलम जयसिंघे, आर्मेनिया से डॉ. लुईजा रोड्रिक्स व डॉ. नायरा, काठमांडू नेपाल से डॉ. पूनम राणा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी जम्मू की डॉ. अमिता गुप्ता, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की दिलशाद फातिमा, डॉ. डीपी शर्मा व डॉ. माधुरी शर्मा वाराणसी, डॉ. रविंद्र कुमार इलाहाबाद, प्रो. योगेंबर सिंह व सुमन रानी उत्तराखंड आदि प्रमुख संभागी प्रतिनिधि उपस्थित थे।

14/01/2025

HEAD
Department of History
Mohan Lal Sukhadia University
Udaipur

Traditional Wall Hanging (Birds)

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators:

Date: 13.2.2024 – 16.2.2024

No. of Participants-15

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To teach participants traditional techniques for creating wall hangings featuring bird motifs.
- To enhance skills in textile art and craft.
- To foster appreciation for traditional craft and design methods.

Outcomes:

- The students were able to try their creativity in making traditional wall hanging.
- They learned the technique and art of creating wall hangings.

Overview of the programme:

The "Traditional Wall Hanging (Birds)" programme, coordinated by Dr. Dolly Mogra from February 13 to February 16, 2024, engaged 15 participants in crafting traditional wall hangings. The workshop focused on techniques for designing and creating wall hangings with bird motifs, emphasizing traditional methods and craftsmanship. Participants received step-by-step instruction, including guidance on materials, patterns, and execution. The event concluded with an exhibition of the participants' work, showcasing their creativity and newly acquired skills. The programme successfully blended traditional art with practical learning, allowing participants to create unique decorative pieces and gain deeper insight into textile arts.

Programme Title: Costume Design for Design Show

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators:

Date: 01-01-2024-15.02.2024

No. of Participants-40

Objectives of the Programme:

- To teach and enhance skills in costume design for fashion shows.
- To provide practical experience in creating costumes that align with design show themes.
- To prepare participants for showcasing their designs in a professional setting.

Outcomes :

- The participants gained an understanding of the costume design industry.
- The programme helped students to consider this field as a career option.

Overview of the programme:

The "Costume Design for Design Show" programme, coordinated by Dr. Dolly Mogra and running from January 1 to February 15, 2024, focused on equipping participants with skills in costume creation tailored for fashion shows. The programme included workshops on design principles, fabric selection, and construction techniques. Participants engaged in hands-on practice, working on costumes that would be featured in an upcoming design show. The course culminated in a showcase where students presented their costumes, demonstrating their technical skills and creativity. The event provided valuable exposure and practical experience, helping participants refine their design abilities in a real-world context.

Programme Title: Male Tailoring

Coordinator: Dr. Dolly Mogra

Co-Coordinators:

Date: 27.02.2024- 14.03.2024

No. of Participants- 25

Collaboration:

Objectives of the Programme:

- To teach basic and advanced male tailoring skills.
- To equip participants with practical skills in garment construction and fitting.
- To provide hands-on experience in tailoring techniques and pattern making.

Outcomes :

- The participants usually engaged in female garments gained a great opportunity to understand male garment construction.
- The participants understood the drafting and construction of male garments.

Overview of the programme:

The Male Tailoring programme, held from February 27 to March 14, 2024, and coordinated by Dr. Dolly Mogra with the help of co-coordinators, successfully engaged 25 participants. The course covered a range of tailoring techniques, including fabric selection, pattern drafting, and garment assembly. Participants received practical training through demonstrations and hands-on practice, culminating in the creation of tailored garments. The programme also included individual feedback sessions to enhance tailoring skills. Overall, the event provided valuable technical skills and practical experience in male tailoring, contributing to the participants' professional development in the field.